Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 02 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 311 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

अहंकार, क्रोध, प्रमाद, रोग और आलस्य- ये पांच कारण शिक्षा पाने के रास्ते में रुकावट पैदा करते हैं।

आगामी फिल्म फैमिली स्टार में फिर बनेगी...

SHARE

सेंसेक्स	:	67,481.19
निफ्टी	:	20,267.90

SARAFA

सोना	:	5,970
चांदी	:	82.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीजफायर के बाद हमास इजराइल में फिर छिड़ी जंग

TEL AVIV : इजराइल-हमास के बीच हफ्तेभर के सीजफायर के बाद फिर जंग शुरू हो गई है। हमास के कब्जे वाली गाजा पट्टी की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक- सीजफायर खत्म होने के बाद इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के हमलों में 109 लोग मारे गए हैं। सैकड़ों लोग घायल हैं। बीबीसी के मुताबिक- इन दावों की पुष्टि नहीं की जा सकती। जंग में अब तक 14 हजार 800 लोगों की मौत हुई है। इनमें 6 हजार बच्चे शामिल हैं। कतरी मीडिया हाउस अलजजीरा के मुताबिक कई इजराइली शहरों पर सुबह इस्लामिक जिहाद के मिलिट्री विंग अल-कुद्स ने हमला कर दिया। इजराइल ने अटैक के चलते उत्तरी इजराइल में 2 हाईवे बंद कर दिए हैं। साथ ही बॉर्डर वाले इलाकों में खेती के काम पर भी रोक लगा दी गई है। इजराइली सेना ने गाजा के लोगों को खान यूनिस इलाके को खाली करने का आदेश भी दिया है। इसके लिए अरबी भाषा में लिखे पर्चे गिराए गए हैं।

मुठभेड़ में मारा गया लश्कर ए तैयबा से जुड़ा आतंकी

PULWAMA : पुलवामा जिले के अरिहाल इलाके में गुरुवार रात सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी मारा गया। वह हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि लश्कर-ए-तैयबा का स्थानीय आतंकी किफायत अयूब अली निवासी पिंजूरा शोपियां मुठभेड़ में मारा गया। वह इस साल 04 अक्टूबर को लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हुआ था। क्षेत्र को पूरी तरह से खंगालने के बाद अभियान को समाप्त कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार देर शाम पुलवामा जिले के अरिहाल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद पुलिस, सेना की 44 आरआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया।

मणिपुर में दिनदहाड़े बैंक से लूटे 18 करोड़ रुपये

IMPHAL : मणिपुर में पंजाब नेशनल बैंक चेस्ट से बदमाशों ने 18.80 करोड़ रुपये कैश लूट लिए। सभी लुटेरे नकाब पहनकर आए थे। उन्होंने स्टॉफ को बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद कैशियर से तिजोरी का ताला खुलवाकर पैसे लेकर भाग गए। यह घटना गुरुवार को उखरुल जिले में हुई। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। पीएनबी बैंक चेस्ट राजधानी इंफाल से लगभग 80 किमी दूर उखरूल शहर में स्थित है। यहां से बैंक और एटीएम में पैसे भेजे जाते हैं। जिसकी वजह से काफी कैश रखा था।

बकाया मांगने पर रंगदार की तरह व्यवहार करती है केंद्र सरकार : हेमंत

सरकार आपके द्वार : सीएम ने पलामू में बीजेपी पर साधा निशाना, बताया झूठ का पुलिंदा

PHOTON NEWS PLAMU : पलामू जिले के मेदिनीनगर के पुलिस स्टेडियम में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक तरफ जहां सरकार की उपलब्धियां गिनायीं, वहीं दूसरी तरफ बीजेपी की पूर्ववर्ती सरकारों पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि बकाया मांगने पर केंद्र सरकार रंगदार की तरह व्यवहार करती है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि बीजेपी का मतलब झूठ का पुलिंदा है। बीजेपी ने अपने वादों से मुकरते हुए न तो गरीबों के खाते में पैसे दिए, न नौकरी दी। उससे सभी सरकारी तंत्र को निजी हाथों में बेचने का काम किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार हर हाल में इन गरीब विरोधी नीतियों के विरोध में संघर्ष करेगी।

पलामू में कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम हेमंत सोरेन।

झारखंड को वर्ष 2025 तक आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बीच भी राज्य की जनता को राहत देने का काम किया गया और अब विकास की रफ्तार को गति दी जा रही है। हमने झारखंड को वर्ष 2025 तक आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी लक्ष्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। हम इस राज्य को अपने दम पर खड़ा करेंगे, जहां उसे किसी से सहयोग की जरूरत नहीं पड़ेगी। अपने बलबूते इस राज्य को अव्वल राज्यों की श्रेणी में लाएंगे। उन्होंने कहा कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्तियों के दरवाजे तक सरकार की योजनाओं और सेवाओं को पहुंचाना है। सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले हर गरीब और जरूरतमंद की समस्याओं का समाधान उसके घर पर मिले, इसलिए हर पंचायत में शिविर लगाए जा रहे हैं। यहां अधिकारियों की पूरी टीम मौजूद है। आप सभी इन शिविरों में आकर कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम के तहत आयोजित हो रहे सभी शिविरों पर मैं नजर रख रहा हूं। जिन शिविरों में जा रहा हूं, वहां यह देखने का प्रयास कर रहा हूं कि वास्तव में लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि शिविरों में मेले जैसा माहौल है। लोगों में उत्साह चरम पर है और योजनाओं का लाभ लेने के

सीएम ने पलामू में की विकास की बारिश

सीएम हेमंत सोरेन ने 99 करोड़ की लागत से निर्मित 110 योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके साथ ही पलामू जिले में चलने वाली 91 करोड़ 46 लाख रुपये की 72 योजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम ने इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच 68.67 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण किया। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऑनलाइन हरिहरगंज प्रखंड, हुसैनाबाद प्रखंड समेत अन्य प्रखंडों के जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया और आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की जानकारी ली। इस दौरान उनसे पूछा कि शिविरों में कौन सी योजना के लिए सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ रही है।

विकास विरोधी है बीजेपी

सीएम हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में बीजेपी की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि उनसे मिलने बीजेपी की एक महिला नेत्री सर्किट हाउस पहुंची थी। वह अपने क्षेत्र की समस्याओं को बता रही थी। जब उन्हें पुलिस लाइन के कार्यक्रम में आने का आमंत्रण दिया गया, तो महिला नेत्री ने कहा कि पार्टी की तरफ से मनाही है। इसकी आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी की यह नीति विकास विरोधी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को अभी 24 साल का सशक्त युवा होना चाहिए था, पर पहले की सरकारों की गलत नीतियों और केंद्र सरकार की सहायता नहीं करने वाली नीतियों के कारण यह राज्य बीमार हो गया।

मिथिलेश भी रहे हमलावर

कार्यक्रम में मौजूद सरकार के तीनों मंत्रियों में सत्यानंद भोक्ता और बादल पत्रलेख ने सरकार की उपलब्धियां गिनाई, तो दूसरी तरफ मंत्री मिथिलेश ठाकुर विपक्षी दल बीजेपी के प्रति हमलावर रहे। उन्होंने विपक्ष को चेताते हुए कहा कि चुनाव से डरिए। वोटर जब काम का हिसाब मांगेगा तो क्या कहिएगा। उन्होंने विपक्ष को झूठा आलोचना करने वाला बताकर कहा कि बीजेपी एक अच्छे विपक्ष की भूमिका नहीं निभा रही है। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऑनलाइन हरिहरगंज प्रखंड, हुसैनाबाद प्रखंड समेत अन्य प्रखंडों के जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया और आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की जानकारी ली।

वामपंथी उग्रवाद से देश पूरी तरह होगा मुक्त : अमित शाह

हिंसा पर प्रहार के लिए CRPF, BSF और ITBP तीनों तैयार

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज वे झारखंड में हैं। कल ही उन्होंने देशभर में वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर जो लड़ाई चल रही है उसकी समीक्षा की। वे देश की जनता को बताना चाहते हैं वह दिन दूर नहीं जब देश वामपंथी उग्रवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री शुक्रवार को हजारीबाग के मेरु स्थित सीमा सुरक्षा बल केंद्र में बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने कहा कि आज वे विश्वास से कह रहे हैं कि विगत 10 वर्षों में भारत सरकार के प्रयास से हिंसा की घटना में कमी आई है। वामपंथी उग्रवाद सिमटता जा रहा है। हिंसा पर प्रहार करने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी तीनों तैयार हैं। हम आने वाले दिनों में वामपंथी के उग्रवाद से देश को मुक्त करने के लिए कटिबद्ध हैं। ये बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों का ही प्रयास है कि बुढ़ापहाड़ को उग्रवाद से मुक्त करने के लिए सफलता मिली है।

खास बातें

- हजारीबाग के मेरु स्थित सीमा सुरक्षा बल केंद्र में बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए अमित शाह
- 10 वर्षों में भारत सरकार के प्रयास से हिंसा की घटना में आई कमी
- सीमा पर तस्करी रोकने में जवान लगा देते हैं जान की बाजी
- मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की
- सीमा के क्षेत्र में हजार करोड़ की बजट के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की हुई शुरूआत

शहीद जवान के परिजन को सम्मानित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

शहीद जवानों के परिजन हुए सम्मानित

शहीद किशन दुबे, शहीद विपुल बोरा, शहीद टुमेश्वर कुमार यादव, शहीद इसरार खान, शहीद रामकृष्णा के परिजनों को गृहमंत्री अमित शाह के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बीएसएफ के सेवानिवृत अधिकारी और कार्यरत अधिकारी को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बीएसएफ के विभिन्न स्टॉल में जाकर कार्य एवं प्रशिक्षण और नये तकनीक के प्रदर्शनी को भी देखा।

जवानों को सलाम

शाह ने कहा कि पूरा देश बीएसएफ के जवानों को सलाम करता है और नाज करता है। आपके मोर्चा संभालने के बाद किसी को देश सीमा की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप देश की सीमाओं की रक्षा की प्रथम पंक्ति के प्रहरी हैं। आप दिवाली का दीया सरहद पर जलाते हो, होली सरहद पर मानते हो। आप सीमा पर होते हैं तभी हम घरों में सुकून से रह पाते हैं। जिस देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं होती है वह देश कभी विकसित नहीं हो सकता। पूरा देश और विशेषकर मैं गृह मंत्री आप पर बहुत नाज करता हूं, गर्व करता हूं। शाह ने कहा कि आज यहां पर वीरता के लिए पदक भी दिए गए। पांच शहीदों को मरणोपरांत पदक दिए गए। उन्होंने कहा कि शहीद के परिवारों को मैं कहना चाहता हूं कि आपके परिवार का जो नुकसान हुआ उसकी कोई भरपाई नहीं है लेकिन 130 करोड़ की जनता आपके परिवार के बलिदान पर हमेशा गर्व करती है।

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मजदूरों का स्वागत करते नेता-मंत्री।

अपने घर वापस लौटे सुरंग से निकले सूबे के 15 मजदूर ढोल-नगाड़ों से भव्य स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तराखंड सुरंग से सुरक्षित निकले 15 मजदूर और उनसे मिलने गए 12 परिजन इंडिगो एयरलाइंस से आज शुक्रवार की रात करीब साढ़े 8 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत झारखंड के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, सांसद संजय सेठ, सांसद महुआ माजी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर समेत अन्य नेताओं ने किया। इसके बाद मंत्री सत्यानंद भोक्ता के साथ मजदूर एवं उनके परिजन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करने के लिए कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री से मुलाकात की। सभी मजदूर व उनके परिजन गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। आपको बता दें कि 408 घंटे की जंग के बाद झारखंड के सभी 15 मजदूर 17 दिनों के बाद सुरंग से बाहर निकले थे। इसके बाद उन्हें ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया था। इसके बाद वे झारखंड लौटे। उत्तरकाशी (उत्तराखंड) के निमार्णाधीन टनल में 17 दिनों तक जिंदगी से लड़ने के बाद कुल 41 मजदूरों (झारखंड के 15) को दूसरी जिंदगी मिली थी। इनमें पूर्वी सिंहभूम (झारखंड) जिले का सबसे पिछड़ा प्रखंड डुमरिया के छह मजदूर हैं।

- सीएम हेमंत सोरेन से मिले सभी मजदूर
- राज्य और केंद्र सरकार का जताया अभार
- सीएम गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे

जिंदा रहने की उम्मीद खो दी थी : विजय होरो

28 सितंबर को उत्तरकाशी के सिल्क्यारा टनल से सबसे पहले खूंटी के कर्रा के रहने वाले विजय होरो को निकाला गया था। विजय होरो अपने प्रदेश पहुंचने के बाद काफी खुश थे। कहा की जिंदा रहने की उम्मीद खो दी थी। कहा कि जहां पर मलबा गिरा था वहीं उनकी ड्यूटी थी। टनल में फंसने के बाद आंखों के सामने अंधेरा छा गया था। 16 दिन तक टनल के अंदर रहने के बाद लगा था कि शायद बाहर निकल ही पाएं। टनल में फंसने के बाद पहले 24 घंटे तो मोबाइल से अंदर रोशनी थी, लेकिन जब मोबाइल भी डिस्चार्ज हो गया तो अंधेरे में दिन काटा।

परिवार की याद आ रही थी : टिंकू सरदार

टनल से निकले जमशेदपुर के डुमरिया के टिंकू सरकार ने कहा कि 16 दिन तक हर पल भगवान से यही दुआ मांगता रहा कि किसी भी तरह सही-सलामत बाहर निकल जाएं। घर की याद आ रही थी। बीमार मां, भाई-बहन सबका चेहरा सामने घूम रहा था। हर दिन महज 600 रुपये की दिहाड़ी पर काम कर रहा था। परिवार को छोड़कर बाहर नहीं जाना चाहता था, लेकिन मजबूरी है। मां बीमार रहती है। बहन की शादी करवानी है। काफी जिम्मेदारियां हैं। अगर झारखंड में अच्छा काम मिल जाए तो क्यों बाहर जाएंगे। उन्होंने टनल से रेस्क्यू करने के लिए केंद्र सरकार और झारखंड वासस लाने के लिए हेमंत सरकार को धन्यवाद दिया।

रांची के बूटी बस्ती में घर के बाहर पाहन की हत्या

पीठ पर गोली लगने की आशंका, खून से लतपथ सड़क किनारे मिला शव

CRIME REPORTER RANCHI : सदर थाना क्षेत्र स्थित बूटी बस्ती में रहने वाले संजय पाहन की अपराधियों ने हत्या कर दी। सदर थाना प्रभारी का कहना है कि संजय पाहन बूटी बस्ती के पाहन थे। मृतक को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि संजय पाहन हर दिन की तरह शाम के वक्त घूमने निकलते थे। गुरूवार की शाम वह घर से निकले लेकिन रात नौ बजे तक घर नहीं लौटे। रात में घरवालों को किसी के दर्द से चिल्लाने की आवाज आई। घरवाले बाहर गए तो देखा कि संजय पाहन खून से लतपथ सड़क के किनारे गिरा पड़ा हुआ है। उसकी स्थिती काफी खराब थी। घरवाले और बस्ती के लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन इलाज के दौरान संजय पाहन की मौत हो गई। घटना की जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और कई लोगों से पूछताछ किया। लेकिन पुलिस को कोई अहम जानकारी नहीं मिल पाई। पुलिस का कहना है कि संजय पाहन की पत्नी ने सदर थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस को शक है कि संजय पाहन के पीठ पर गोली का निशान है।

घटनास्थल पर जांच-पड़ताल करती पुलिस।

पुलिसकर्मियों को ईडी करेगी समन

RANCHI : ईडी के गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने के मामले में एऊरांची और साहेबगंज जिले के कई पुलिसकर्मियों को समन करेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, एसपी नौशाद आलम से पूछताछ के बाद कई पुलिसकर्मियों के नाम सामने आये हैं। जिसके बाद ईडी अन्य पुलिसकर्मियों का भी बयान दर्ज करेगी। ईडी ने नौशाद आलम से पूछताछ की लेकिन नौशाद आलम ने इस मामले में अपनी संलिप्तता से इनकार कर दिया। नौशाद आलम ने ईडी को बताया गया कि साहिबगंज पुलिस ने विजय हांसदा को कोर्ट के निर्देश के बाद बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाया गया था। जब नौशाद आलम ने साहिबगंज एसपी का पदभार ग्रहण किया, उसके बाद विजय हांसदा ने सुप्रीम कोर्ट में एक केस के सिलसिले बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने को लेकर आवेदन दिया था।

ग्रीन क्रेडिट इनिशिएटिव पहल का किया आह्वान, 2028 में भारत में कॉप-33 की मेजबानी करने का रखा प्रस्ताव

भारत ने अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाया : प्रधानमंत्री

AGENY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दुबई में कॉप-28 के विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत ने पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन का एक उदाहरण स्थापित किया है। भारत में वैश्विक आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बावजूद वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में भारत का योगदान 4 प्रतिशत से भी कम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की उन कुछ अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो एनडीसी लक्ष्यों को पूरा करने की राह पर है। मोदी ने वैश्विक मंच से प्रो-प्लैनेट, प्रो-एक्टिव और सकारात्मक पहल ग्रीन क्रेडिट इनिसिएटिव का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने 2028 में भारत में कॉप-33 की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत 140 करोड़ भारतीयों की ओर से अभिवादन के साथ की। उन्होंने क्लाइमेट जस्टिस, क्लाइमेट फाइनेंस और ग्रीन क्रेडिट जैसे विषयों को निरंतर समर्थन के लिए कॉप के नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम सभी के प्रयासों से ये विश्वास बढ़ा है कि विश्व कल्याण के लिए सबके हितों की सुरक्षा और सबकी भागीदारी आवश्यक है। भारत ने अर्थव्यवस्था के बीच बेहतरीन संतुलन बनाते हुए दुनिया के सामने विकास का एक मॉडल पेश किया है।

विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन को संबोधित करते पीएम।

ग्लोबल कार्बन एमिशन में हमारी हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से भी कम

भारत में विश्व की 17 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद ग्लोबल कार्बन एमिशन में हमारी हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से भी कम है। भारत विश्व की उन कुछ अर्थव्यवस्थाओं में ये एक है, जो एनडीसी लक्ष्य को पूरा करने की राह पर है। उत्सर्जन की तीव्रता संबंधित लक्ष्यों को हमने 11 साल पहले ही हासिल कर लिया है। गैर जीवाश्म ईंधन लक्ष्य को भी निर्धारित समय से पहले ही हासिल कर चुके हैं। मोदी ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन की तीव्रता को 45 प्रतिशत घटाना है। हमने तय किया है कि गैर जीवाश्म ईंधन का शेयर बढ़ा कर 50 प्रतिशत करेंगे। भारत ने 2070 तक 'नेट जीरो उत्सर्जन' की ओर बढ़ने का फैसला किया है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने सतत विकास पर व्यापक रूप से जोर दिया। वैकल्पिक ईंधन के लिए भारत ने ईंधन के रूप में हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा दिया है और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन लॉन्च किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लासगो में मैंने मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) का विजन आप सभी के सामने रखा। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के एक अध्ययन में कहा गया है कि लाइफ मिशन के जरिए हम 2030 तक हर साल 2 बिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम कर सकते हैं।

बेंगलुरु के 48 स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, एक साथ भेजा ई-मेल

सभी बच्चे निकाले गए, डिप्टी सीएम बोले- यह अफवाह थी

AGENCY BENGALURU : कर्नाटक में बेंगलुरु के 48 प्राइवेट स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी शुक्रवार 1 दिसंबर को ई-मेल के जरिए दी गई। सभी स्कूलों को एक साथ ई-मेल आया, जिसमें दावा किया गया कि स्कूलों के अंदर बम रखे गए हैं। स्कूल प्रशासन ने पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस ने स्कूलों से स्टूडेंट्स और स्टाफ को बाहर निकाला और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मौके पर बम डिफ्यूजल स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और एंटी सैबोटाज टीम भी पहुंची। बम की सूचना पर पेरेंट्स अपने-अपने बच्चों को लेने आ गए। इससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने ई-मेल को अफवाह बताया। उन्होंने कहा- घबराने की जरूरत नहीं है। हम 24 घंटे में आरोपियों को पकड़ लेंगे। पुलिस ने बताया कि सर्च ऑपरेशन लगभग खत्म हो चुका है। अब तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला है। इस मामले में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

शरारती तत्वों का बताया कारनामा

बम की सूचना पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार एक स्कूल पहुंचे, जहां ई-मेल आया था। उन्होंने कहा- मैंने टीवी पर स्कूलों में बम की खबर देखी तो घबरा गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कुछ मेरे घर के पास हैं। पुलिस ने मुझे ई-मेल दिखाया है। यह फर्जी है। कुछ शरारती तत्वों ने ऐसा किया होगा। साइबर क्राइम पुलिस सक्रिय है। हम उन्हें पकड़ लेंगे। चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं पुलिस ने बताया कि 8 अप्रैल 2022 में बेंगलुरु के सात स्कूलों को इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन यह सिर्फ अफवाह निकली। दिल्ली में इस साल 4 स्कूलों को धमकी

BRIEF NEWS

लोहरदगा में मातृत्व वंदना योजना के तहत लिए आवेदन

LOHARDAGA : जिले के सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में दो दिवसीय विशेष कैम्प आयोजित कर प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लगभग 50 गर्भवती माताओं से आवेदन लिया गया। साथ ही लोगों को जागरूक भी किया गया। महिला पर्यवेक्षिका परमुनी देवी ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत प्रथम बच्चा को जन्म देने पर किन्ही माताओं को प्रधानमंत्री मातृत्व योजना का लाभ दिया जा सकता है लेकिन दूसरी बार गर्भवती होने पर बच्ची की जन्म पर ही माताओं को ही लाभ दिया जा सकता है। इस योजना के अन्तर्गत प्रथम किस्त में बच्चे का पूर्ण टीकाकरण होने पर पांच हजार व द्वितीय किस्त में रुपये लाभ दिया जायेगा।

डीलर एसोसिएशन ने काला बिल्ला लगाकर किया प्रदर्शन

BOKARO : गोमिया में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन गोमिया प्रखंड द्वारा विभिन्न मांगो को लेकर शुक्रवार को गोमिया प्रखंड मुख्यालय में काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र रजक ने कहा कि एसोसिएशन के प्रदेश इकाई के निर्देश पर डीलरों के विभिन्न मांगो को लेकर गोमिया के डीलर एक से 15 दिसंबर तक काला बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके पश्चात मांगे पूरी नहीं होने पर एक जनवरी 2024 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। साथ ही

आउटसोर्सिंग कंपनी पर वादाखिलाफी का आरोप काम बाधित

DHANBAD : बीसीसीएल एरिया पांच के तेतुलामारी परियोजना में संचालित चेन्नई राधा इंजीनियरिंग आउटसोर्सिंग कंपनी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए रैयतों ने शुक्रवार को काम बाधित कर धरना पर बैठ गए। रैयतों ने बताया कि महाप्रबंधक कार्यालय में रैयतों के साथ हुई वार्ता में कंपनी ने तीन महिने में उन्हें नियोजन और मुआवजा देने का वादा किया था। लेकिन तीन महीने से अधिक समय बाद भी कंपनी टालमटोल कर रही है। वहीं, उत्खनन कार्य कर अपनी कमाई भी कर रही है। रैयतों ने महाप्रबंधक पर भी गुमहार करने का आरोप लगाया। रैयतों ने कहा कि कंपनी की वादाखिलाफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब तक उन्हें नियोजन और मुआवजा नहीं मिलेगा, कंपनी का कार्य बंद रखेंगे।

संघ के क्षेत्रीय सचिव ने महाप्रबंधक को सौंपा 17 सूत्री मांगपत्र

DHANBAD : बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र के मजदूरों की समस्याओं को लेकर बिहार जनता खान मजदूर संघ के क्षेत्रीय सचिव महेश कुमार ने शुक्रवार को बरोरा क्षेत्र के महाप्रबंधक को 17 सूत्री मांगपत्र सौंपा। जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। जीएम को सौंपे मांगपत्र हॉस्पिटल कॉलोनी डुमरा में सीसीटीवी कैमरे लगाने, बाउंड्रीवाल की मरम्मत, सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था, सेप्टिक टैंक की सफाई, आवासों का मरम्मत, नाली व कॉलोनी की सफाई करने, स्ट्रीट लाइट लगाने व मुराईडीह कॉलोनी में डीप बोरिंग व नाली की सफाई कराने की मांग शामिल है।

गुमला में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल, बोले-

शराब छोड़ अपनाएं शिक्षा, बनें आत्मनिर्भर

PHOTON NEWS GUMLA : झारखंड के गुमला जिले के गुमला प्रखंड के अरमई गांव में शुक्रवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन थे। गुमला पहुंचने पर राज्यपाल का स्वागत हुआ। दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। राज्यपाल ने लोगों से अपील की कि आप हड़िया व दारू पीना छोड़ दें। शिक्षा को अपनाएं। सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर बनें।

झारखंड में बिरसा मुंडा की जन्मभूमि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभियान की शुरूआत की है। यह इस राज्य के लिए गौरव की बात है। विकसित भारत संकल्प यात्रा लोगों को विकास योजनाओं से जोड़ने की पहल है। सरकारी योजना का लाभ प्रति व्यक्ति तक पहुंचे। कोई भी व्यक्ति विकास के काम से पीछे न छूटे। पीएम का प्रयास है कि केंद्र सरकार की योजना लोगों तक पहुंचे। हर घर व हर गांव में बिजली, पानी पहुंचाने का काम किया जा रहा है। पीएम ने कई आवासीय स्कूल खोले हैं। गुमला में माता-पिता अपने बच्चों को जरूर स्कूल भेंजे। उन्होंने गुमला उपायुक्त के कामों की प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय लोगों से मेरा अनुरोध है कि शराब पीना छोड़ दें। शराब छोड़कर विकास के पथ पर बढ़ें।

कार्यक्रम में संकल्प लेते राज्यपाल व अन्य अधिकारीगण। ● फोटोन न्यूज

2047 तक वकसित भारत बनाने का लिया संकल्प

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 2047 तक विकसित आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि देश से गुलामी की मानसिकता को उखाड़ फेंकना है। देश की समृद्ध विरासत पर उन्हें गर्व है। देश की एकता को सुदृढ़ करेगें। देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेगें। साथ ही देश का नागरिक होने पर गर्व करेगें। राज्यपाल ने कहा कि हमारे विकास का मापदंड शिक्षा है।

अब हर वर्ग को स्वास्थ्य योजना का लाभ

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हर गरीब को पक्का आवास दिया जा रहा है। रसोईगैस व चूल्हा दिया गया है। पीएम गरीब कल्याण योजना का लाभ लोगों को दिया जा रहा है। पीएम गरीब अनाज योजना को पीएम ने पांच साल तक बढ़ा दी है। नल जल जीवन मिशन से लोगों को उनके घर तक पानी पहुंचाया जा रहा है। हर घर में स्वच्छ पानी पहुंचाने का काम हो रहा है। पहले स्वास्थ्य केंद्र उच्च वर्ग के लिए था।

माता-पिता अपने बच्चों को जरूर भेजें स्कूल

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जमीन से संबधित विवाद को दूर करने में अरमई पंचायत ने बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से हम आगे बढ़ सकते हैं। पीएम ने कई आवासीय स्कूल खोले हैं। गुमला में माता-पिता अपने बच्चों को जरूर स्कूल भेंजे। उन्होंने गुमला उपायुक्त के कामों की प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय लोगों से मेरा अनुरोध है कि शराब पीना छोड़ दें। शराब छोड़कर विकास के पथ पर बढ़ें। मंच का संचालन स्वपन राय व माया सिन्हा ने किया।

एक सप्ताह में दूसरी बार पेयजल आपूर्ति सेवा बाधित, लोग परेशान

LATEHAR : नगर पंचायत क्षेत्र में इन दिनों लोगों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। लोग पानी खरीद कर अपना काम चला रहे हैं। इस सप्ताह दूसरी बार नगर पंचायत क्षेत्र में दो-दो दिनों तक पेयजल आपूर्ति सेवा बाधित रही है। नगर पंचायत के कनीय अभियंता संदीप बेदिया ने बताया कि शहर के बानपुर इलाके में पाइप लाइन लीक होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने बताया कि इस पाइप लाइन को दुरूस्त कर लिया गया था। लेकिन फिर से पाइप लाइन लीक हो गया है। उन्होंने बताया कि ज्वाइंटर के पास पाइप ऊपर-नीचे हो जाने के कारण बार-बार पाइप लीक हो जा रहा है। बता दें कि इसी सप्ताह पिछले रविवार को बानपुर में पाइप लाइन लीक हो गया था और शहर में दो दिनों तक पेयजल आपूर्ति सेवा बाधित रही थी।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर हुई पत्थरबाजी

PHOTON NEWS BOKARO : जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर पत्थरबाजी हुई। इसमें एक पक्ष के तीन व्यक्ति तो दूसरे पक्ष से एक व्यक्ति की घायल होने की सूचना है। पिण्ड्राजोरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के समक्ष ही लोगों ने हंगामा करते हुए घर में लगे सीसीटीवी व चदरा का सीट उखाड़ कर फेंक दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चास प्रखंड स्थित बहादुरपुर मोड़ में भाँगाबाजार गाँव के माणिक मंडल ने खाता नम्बर 01 प्लॉट नम्बर 675 के अधीन रकबा 61 डीसमील पर बहादुरपुर गांव के शर्मा बाउरी, विजय बाउरी एवं अनील बाउरी और माणिक मंडल के बीच इसी जमीन को लेकर काफी दिनों से विवाद चलता आ रहा है। माणिक मंडल द्वारा उक्त जमीन पर दो मंजिला पक्का बिल्डिंग बना हुआ है। इसी से सटा जमीन पर माणिक एक घर और निर्माण कराने के उद्देश्य से दीवार खड़ा कर ढलाई की तैयारी कर ही रहा था कि गांव के भारती देवी, बधन बाउरी, विमला देवी, संतोष बाउरी, अनील बाउरी व नुनीवाला देवी ने निर्माण कार्य को रोकने के लिए कहा।

माणिक मंडल ने अपना जमीन बताते हुए निर्माण कार्य बरकरार रखा। इसी को लेकर दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए और लाठी-डंडे से एक-दूसरे पर हमला करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही गांव से कई लोग आ गए और पत्थरबाजी करने लगे। इस पत्थर बाजी से भारती देवी, बधन बाउरी, विमला देवी, संतोष बाउरी, अनिल बाउरी एवं नुनी

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से तीन लाख रुपये की छिनतई

PHOTON NEWS PALAMU : प्रमंडल के गढवा जिले के मेराल थाना मुख्यालय में शुक्रवार को दिनदहाड़े स्वयं सहायता समूह की दो महिलाओं से तीन लाख रुपये छीन कर दो मोटरसाइकिल सवार अपराधी फरार हो गए। घटना को लेकर सूर्या जागृति स्वयं सहायता समूह मकुना मेराल की सदस्य शमा बीबी ने मेराल थाना में आवेदन दिया है।

महिलाओं ने कहा कि ग्रामीण बैंक से समूह के ऋण खाते से तीन तीन लाख रुपये की निकासी कर पैसे को झोला में लेकर बैंक से एक साथ घर जाने के लिए निकली थी। बस स्टैंड में जरूरी काम से मैमुन बीबी एवं खुशबुन बीबी रुक गई। पैसे का झोला शमा बीबी के पास था जिसे लेकर हसबुन बीवी के साथ हम दोनों साथ घर जा रही थी कि बस स्टैंड से महज 300 मीटर की दूरी पर मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग आए और झोला छीन कर भाग गए।

प्रधान जिला जज ने चलंत लोक अदालत को दिखाई हरी झंडी

PHOTON NEWS KHUNTI : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय परिसर से चलंत लोक अदालत सह न्याय आपके द्वार वैन (चलंत न्यायालय) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह कार्यक्रम एक से 31 दिसंबर तक चलेगा।

डालसा सचिव ने बताया कि यह न्याय रथ जिले की हर पंचायत तक पहुंच कर लोगों की छोटी-मोटी समस्याओं का वहीं तुरंत निष्पादन करेगा। इस वाहन के साथ खूंटी जिले के अधिवक्ता और पीएलवी सुदूर क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करेंगे। यह कार्यक्रम न्याय आपके द्वार पर आधारित है, जो बिल्कुल निःशुल्क है। यह आम जनों के लिए एक सुला अवसर है। इससे अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

डालसा सचिव ने कहा कि एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस भी है। इस अवसर पर सदर अस्पताल में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के सहयोग से एड्स निवारण और बचाव के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया और चलंत लोक अदालत वाहन के साथ एड्स जागरुकता रैली का भी शुभारंभ अस्पताल परिसर से किया गया।

कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक एलएडीसी चीफ, डिप्टी चीफ, डालसा सहायक, कर्मचारी, स्थायी लोक अदालत के सदस्य, प्रखंड और सदर अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित थे।

नारियल फोड़कर चलंत लोक अदालत को विदा करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

विश्व एड्स दिवस पर पलामू में कई कार्यक्रम आयोजित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रेड रिबन लगाकर की एड्स जागरुकता अभियान की शुरुआत

PHOTON NEWS PALAMU : विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता के लिए पलामू जिले में शुक्रवार को कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में फर्ज लक्षित हस्तक्षेप परियोजना, आईसीटीसी, एआरटी सदर हॉस्पिटल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं श्रम एवं नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता को रेड रिबन लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की।

सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार एवं उपस्थित सभी स्वास्थ्यकर्मी को रेड रिबन लगाया गया। इसके पश्चात टेंपो स्टैंड में चालकों के बीच में एक जागरुकता अभियान चलाया गया। नामधारी महिला डिग्री कॉलेज के प्रांगण में एनएसएस एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान से एचआईवी एड्स जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योध सिंह नामधारी कॉलेज की सहायक अध्यापिका डॉक्टर मशरीक जहां एवं डाक्टर मिनी टुडू ने की।

मौके पर परियोजना प्रबंधक आलोक कुमार सिंह ने एचआईवी एड्स के बारे में जानकारी। परियोजना निदेशक स्वर्ण लता रंजन ने एचआईवी के मुख्य कारण के ऊपर प्रकाश डाला। एसटीआई काउंसलर तनुजा सिन्हा ने महिलाओं से संबंधित रोगों की जानकारी दी। सदर हॉस्पिटल के एआरटी डॉ स्नेहा ने बताया कि एचआईवी वायरस इफेक्ट होने से यह सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है कि वह मरीज एड्स पीड़ित है जब तक कि वह किसी बीमारी की चपेट में नहीं आता है। इसलिए हम जो एचआईवी पीड़ित व्यक्ति हैं उन्हें पीएलएचआईवी कहते हैं। काउंसलर चंदन प्रभाकर ने एचआईवी संक्रमित आंकड़ों के बारे में जानकारी दी।3

कार्यक्रम के दौरान कृष्णा मोहन शाही, उदय प्रसाद, अमित कुमार, ममता कुमारी, विकास तिवारी, राजिया नियाजी आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री को रेड रिबन लगाती महिला। ● फोटोन न्यूज

सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम से खूंटी लौटे युवाओं का सीआरपीएफ कैंप में स्वागत

PHOTON NEWS KHUNTI : 94वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल खूंटी और नेहरू युवा केंद्र रांची के सौजन्य से सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 2023-24 में भाग लेकर कोलकाता से खूंटी लौटे युवाओं का शुक्रवार को बटालियन परिसर में अधिकारियों ने स्वागत किया।

यह दल कोलकाता के लिए 23 नवंबर को रवाना हुआ था। 20 युवाओं के इस दल ने कोलकाता में 24 से 30 नवंबर तक चले आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग। खूंटी पहुंचने पर सीआरपीएफ 94 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश रंजन मिश्रा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान आदिवासी युवाओं ने अधिकारियों के साथ यात्रा के अनुभव साझा किये और कहा कि उन्हें बहुत कुछ सीखने और देखने का मौका मिला।

बताया गया कि कोलकाता गए युवकों को सांस्कृतिक कार्यक्रम में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ और साथ ही पांच हजार की नकद राशि पुरस्कार के रूप में मिली। विभिन्न कार्यक्रम में भाग लेकर लौटे युवाओं को प्रोत्साहन के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। द्वितीय कमान अधिकारी पीआर मिश्र ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से प्रदेश के आदिवासी युवाओं को देश के अन्य हिस्से से आए युवाओं के साथ विचार साझा करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक और ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण से देश की संस्कृति और आर्थिक विकास को समझने में मदद मिलती है तथा प्रतियोगिताओं में पुरस्कार मिलने से उनमें छिपी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा मिलती है। इससे उनके व्यक्तित्व का विकास होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे अनुभव भविष्य में व्यक्ति को देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक होता है। मिश्रा ने सभी युवा प्रतिभागियों से यात्रा के अनुभव अपने मित्रों, घरों और पड़ोसियों से साझा करने तथा ग्रामीण मित्रों को भी देश के विकास में सहयोग करने के लिए प्रेरित करने की अपील की।

युवाओं का स्वागत करते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान। ● फोटोन न्यूज

नगड़ी चेटे पंचायत का ऐतिहासिक 22 पड़हा जतरा का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को नगड़ी चेटे पंचायत क्षेत्र में ऐतिहासिक 22 पड़हा शक्ति खुटा सांगा पड़हा जतरा महोत्सव का आयोजन पाहन के द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना कराई गई।

गांव देवता को रंगुआ मूर्गे की बलि देकर गांव और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस मौके पर जतरा स्थल पर झूला मिठाई दुकान, बच्चों के लिए खिलोना व अनेकों सामाग्री का दुकान लगाया गया जंहा लोग भरपूर मेला का आंनद लिए।

जमकर पारंपरिक नाच-गान किया। वहीं इस कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे अजय कच्छप ने कहा कि इस एतिहासिक 22 पड़हा जतरा महोत्सव में सैकड़ो गांव के खोडहा दल शामिल होते हैं। झारखंड की सास्कृतिक विरासत हैं इसे बचाए रखने की जरूरत है।

युवाओं को अपनी पूर्वजों का दिया हुआ जतरा , परंपरा, पूजा पद्धति, संस्कृति ,सभ्यता एवं धरोहर के संरक्षण के लिए आगे आना होगा रेणु बाला मिंज

वहीं 22 पड़हा जतरा समिति की ओर से आयोजित जतरा में मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता बंन्धु तिर्की, अजय तिर्की, राहुल उराँव, अलवीन लकड़ा, प्रेम शाही मुंडा, सत्यम, चुगलू, अनिता मुंडा आदि लोग उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में शामिल बंधु तिर्की व अन्य। ● फोटोन न्यूज

50 करोड़ की लागत से निर्मित चंद्रप्रभु जैन मंदिर के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, बोले

पांच राज्यों के एक्जिट पोल भाजपा के लिए उत्साहजनक

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह-डुमरी मुख्यपथ स्थित बराकर नदी तट पर लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से बने नवनिर्मित चंद्रप्रभु मंदिर के भव्य लोकार्पण समारोह में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा शुक्रवार को गिरिडीह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ मंदिर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह सौभाग्यशाली हैं कि जैन मुनियों की तपोभूमि से उन्हें और यहां के एक एक भाजपाई का सीधा साक्षात्कार होने का मौका मिला। इसी धरती से चुनाव जीतने का उत्साह और झारखंडियो के सम्मान की ताकत भी उन्हें मिलती है। ऐसे में पूरा मधुबन और इस नए चंद्रप्रभु मंदिर के लोकार्पण समारोह में शामिल होना उनके लिए सुखद अनुभव है।

इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर आए एग्जिट पोल पर कहा कि भाजपा सिर्फ जनता और ईवीएम पर भरोसा करती है क्योंकि जब ईवीएम खुलता है तो रुझान में भाजपा की बढ़त दिखती है जो परिणाम घोषित होने तक आगे ही रहता है। इस बार के पांच राज्यों के चुनाव ने भी जो संकेत दिया है वह भाजपा की अंदरूनी मजबूती देने के लिए काफी है। ईवीएम के हैक और भाजपा के क्लीन स्वीप से जुड़े सवालों का कोई सीधा जवाब देने की बजाय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें ईवीएम के खुलने का इंतजार है।

सीएम हेमंत सोरेन द्वारा भाजपा को कारोबारियों की जमात बताने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हेमंत सरकार के करनी को जनता देख रही है और इसका जवाब आने वाले चुनाव में हेमंत सरकार को मिलना तय है। केंद्रीय मंत्री ने गुजरात के नंदप्रसाद परिवार द्वारा नवनिर्मित चंद्रप्रभु मंदिर के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए और जैन मुनियों के सानिध्य में हो रहे धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होते दिखे। मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। जिसमें गुजरात से आए कलाकारों ने भजनों पर नृत्य किया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु की भीड़ जुटी हुई थी।

बताते चलें की 50 करोड़ के लागत से बने चंद्रप्रभु मंदिर में राजस्थान के जयपुर के तर्ज पर 32 रोशनदान वाला हवा महल का निर्माण हुआ है तो भव्य मंदिर भी बनाया गया है। जबकि नदी तट पर ही नौका का निर्माण किया गया है। इधर लोकार्पण समारोह में केंद्रीय मंत्री के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, जिला महामंत्री संदीप डंगाईच, सुभाष चंद्र सिन्हा के साथ भाजपा नेता विनय सिंह, नवीन सिन्हा, नवनीत सिंह, अरविंद बरनवाल, श्याम प्रसाद गुप्ता, भाजपा नेत्री शालिनी वैशखियार, विनीता कुमारी, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए थे।

केंद्रीय मंत्री को मंदिर की जानकारी देते समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

पशु लदे कंटेनर सहित आठ पशु तस्कर धराये

PHOTON NEWS GIRIDIH : प्रतिबंधित पशु मांस और गोवंश तस्करों ने शुक्रवार को गिरिडीह के निमियाघाट थाना पुलिस पर गोवंश लदे कंटेनर को चढ़ाने का विफल प्रयास किया। साथ ही भागने के दौरान कंटेनर डुमरी के एनएच-19 पर पलट गया, जिसमें आठ गोवंश की मौत हो गई। जीवित बचे हुए चार गोवंश को पुलिस ने मधुबन गोशाला भेज दिया। पुलिस ने आठ आरोपितों को पकड़ा है।

जानकारी के अनुसार निमियाघाट पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की मवेशी लोड दो कंटेनर और एक पिकवैन में दर्जन भर से अधिक गोवंश को निमियाघाट और डुमरी नेशनल हाईवे के रास्ते धनबाद पहुंचाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एनएच 19 और इसरी बाजार में वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान बगोदर से दो कंटेनर और एक पिक अप वैन को पुलिस जवानों ने तीनों गाड़ियों को रोका। इसी क्रम में एक कंटेनर चालक ने पुलिस पर गोवंश लोड कंटेनर चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस कर्मी ने किसी तरह अपनी जान बचाई।

BRIEF NEWS

दो दिवसीय मलखंभ प्रतियोगिता 4-5 दिसंबर को

RANCHI : वाइड ग्लोब एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं रांची जिला मलखंभ संघ की ओर से 4 और 5 दिसंबर को झारखंड मलखंभ एकेडमी, बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय सेक्टर 2 धुर्वा में दो दिवसीय रांची जिला विश्वामित्र पांडेय मेमोरियल बालक बालिका मलखंभ प्रतियोगिता 2023 का आयोजन होगा। मलखंभ प्रतियोगिता में रांची जिला से सैकड़ों बालक बालिका प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उक्त जानकारी देते रांची जिला मलखंभ संघ के महासचिव आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि इस अवसर पर 4 दिसंबर शाम तीन बजे इस मलखंभ प्रतियोगिता का उद्घाटन वाइड ग्लोब एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कौशल कुमार पांडेय करेंगे।

कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम रद्द होने से बिफरी भाजपा

RANCHI : बाबा बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री के पलामू में 10 से 12 दिसंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम को अनुमति नहीं दिए जाने पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राज्य सरकार पर हिन्दू और सनातन विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री को तुष्टिकरण की राजनीति बन्द करनी चाहिए। एक विशेष वर्ग को खुश करने के उद्देश्य से राज्य की हेमन्त सरकार हिन्दू और सनातन धर्म को मानने वालों का लगातार विरोध कर रही है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री हिन्दू हृदय सम्राट हैं।

रांची करेगी 7 राज्यों के चार्टेड एकाउंटेंट्स क्रिकेट की मेजबानी

RANCHI : आइसीएआइ के सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की रांची शाखा के द्वारा 14 से 17 दिसंबर तक क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रिकेट टूनामेंट में सेंट्रल रीजन के 7 राज्यों से 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। रांची के रीजनल काउंसिल मेंबर तथा इस आयोजन की प्रोग्राम निदेशक सीए मनीषा बियानी ने बताया कि 7 राज्यों में झारखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड तथा छत्तीसगढ़ राज्य हैं। झारखंड से रांची एवं जमशेदपुर की टीमें हिस्सा ले रही हैं। बताया कि इस आयोजन की शुरूआत 2013 में प्रयागराज में हुई थी। ये इस प्रतियोगिता का 10वां संस्करण है और इसकी मेजबानी करना हमारे लिए गर्व की बात है। पिछली बार 2022 में ये प्रतियोगिता जोधपुर में आयोजित हुई थी। जिसमें उदयपुर शाखा विजेता रही थी।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

सरकार के दावे और वादे है झूठ का पुलिंदा : सुदेश

आजसू का मिलन समारोह, कई पदाधिकारियों ने ली पार्टी की सदस्यता

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सोरेन के दावे, वादे और भाषण झूठ का पुलिंदा है। सरकार राज्य में रोजगार की व्यवस्था सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल है। यही वजह है कि झारखंड के आठ लाख लोग दूसरे राज्यों में मजदूरी और दिहाड़ी खटने को मजबूर हैं। इनमें युवाओं की बड़ी तादाद है। ये युवा शौक से पलायन नहीं करते हैं। महतो शुक्रवार को रांची स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता रोशनलाल चौधरी के नेतृत्व में बड़कागांव विधायक के प्रशासनिक प्रतिनिधि सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। महतो ने कहा कि सरकार जमीनी हकीकत पर योजनाबद्ध काम करने के बजाय भावनात्मक भाषणबाजी कर अपनी नाकामियां छुपाने में जुटी है। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जमा किए गए आवेदन और

आजसू पार्टी के मिलन समारोह में सुदेश महतो व पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले पदाधिकारी।

उसके निस्तारण का मूल्यांकन कर बताए। साथ में ये भी बताए कि वर्तमान में योजना के चयन में ग्राम सभा कहां है।

उन्होंने कहा कि राज्य का नेतृत्व सरकारी तंत्र के बीच समन्वय स्थापित करने में विफल है, जिसका खामियाजा प्रदेश की आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री को राज्य का नहीं सिर्फ अपना विकास दिख रहा है। आदिवासियों के नाम पर सबसे ज्यादा वे आदिवासियों को ही धोखा दे रहे हैं। पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के एजेंडा और विचार से लोग जुड़ रहे हैं। पूरे राज्य से लोग लगातार पार्टी में शामिल हो रहे हैं। आज पार्टी में शामिल हुए कांग्रेस के पदाधिकारियों के अनुभव का लाभ मिलेगा। इन्हें जनता के हक की लड़ाई लड़ने और उनके अधिकार की बात को सरकार तक पहुंचाने का मंच आजसू पार्टी देगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय समिति और पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा जल्द की जाएगी। केंद्रीय समिति में युवा जोश और वरिष्ठ कार्यकताओं के अनुभव का समागम देखने को मिलेगा।

इन्होंने ली सदस्यता

बड़कागांव विधायक प्रशासनिक प्रतिनिधि गिरेन्द्र प्रसाद, तलस्वार पंचायत अध्यक्ष निरोज करमाली, प्रखण्ड संगठन मंत्री अशोक शर्मा, संजय कुमार, कुलदीप विश्वकर्मा, दीपक कुमार, अवधेश कुमार, हेमदेव राणा, अनिल तिर्की, रोशन तिग्गा, अशोक ठाकुर, लखित कुमार समेत कई कार्यकताओं ने पार्टी का दामन थामा।

पॉश इलाका अशोकनगर से पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को खदेड़ कर पकड़ा

30 पुड़िया ब्राउन शुगर और एक मोबाईल फोन बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी की अरगोड़ा थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम याकूब अंसारी उर्फ कल्लु बताया गया है। इसके पास से 30 पुड़िया ब्राउन शुगर और एक मोबाईल फोन बरामद किया है।

सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोकनगर गेटनंबर चार के पास अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है।

प्रेस कांफ्रेंस का गिरफ्तार तस्कर की जानकारी देती पुलिस।

सूचना के बाद हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते उक्त स्थान पर पहुंची तो पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। टीम ने उसे खदेड़ कर पकड़ा। इसके पास से ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

रांची में इस साल 1.5 लाख कटे ऑनलाइन चालान

RANCHI : राजधानी की सुरक्षा और ट्रैफिक पर नजर बनाए रखने के लिए शहर में 750 कैमरे लगाए गए है। इससे राजधानी के चप्पे-चप्पे पर दो कंट्रोल रूम के द्वारा नजर रखी जाती है। इनमे कई अत्याधुनिक कैमरे सिग्नल ब्रेक करनेवालों की पहचान करने, वाहनों के नंबर प्लेट की फोटो लेने, तेज गति से जानेवाले वाहनों की पहचान करने और शहर में क्राइम कंट्रोल के लिए लगाये गये हैं। इस वर्ष अत्याधुनिक कैमरों की मदद से नियम तोड़नेवाले वाहनों से लगभग 1.5 लाख ऑनलाइन चालान काटे जा चुके हैं।

जमीन के नाम पर सीआरपीएफ के हवलदार से 73 लाख की धोखाधड़ी

CRIME REPORTER RANCHI : जगन्नाथपुर थाने में 73 लाख रुपए की धोखाधड़ी की प्राथमिकी सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन खूंटी में पदस्थापित हवलदार संजीत कुमार ने दर्ज कराई है। जिसके अनुसार, संजीत कुमार ने अपने और अपने भाई के नाम से जमीन लेने के लिए लटमा बाजार शिव मंदिर एयरपोर्ट के पीछे जमीन का एग्रीमेंट किया। एग्रीमेंट के तहत दोनों ने करीब 73 लाख 16 हजार रुपए का भुगतान किया। लेकिन भुगतान के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं की गई। संजीत कुमार ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि उनके साथ षडयंत्र कर धोखाधड़ी की गई और आरोपियों ने उनके व उनके भाई के 73 लाख रुपए का गबन कर लिया। संजीत व उनके बड़े भाई ने जिन आरोपियों के खाते में पैसे ट्रांसफर किए, उन सभी 28 लोगों के नाम व उनके एकाउंट नंबर का डिटेल्स पुलिस को उपलब्ध कराया है।

जीआईएस व रिमोट सेंसिंग तकनीक से लैस होंगे झारखंड के अफसर-कर्मी

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड सरकार ने राज्य के विकास को गति देने के लिए सूचना और तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करने की योजना बनाई है। इसके तहत राज्य के विभिन्न विभागों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों और इंजीनियरों को ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) और रिमोट सेंसिंग (सुदूर संवेदन) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसे लेकर सूचना प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस विभाग ने झारखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (जेएसएससी) की स्थापना की है। जेएसएससी सरकारी कामकाज में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार और लेक्चर कार्यशाला का आयोजन करेगी। जीआईएस और रिमोट सेंसिंग तकनीक को अपनाने से विभागों में सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी। इससे कई योजनाओं में सरकार की लागत भी बचेगी। बेहतर व्यवस्था के कारण नागरिकों से जुड़ाव भी होगा और प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। अगर कोई सरकारी विभाग अपने इंजीनियरों या पदाधिकारियों को इन दोनों तकनीक के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिलवाना चाहता है, तो उसे सूचना प्रोद्योगिकी एवं ई गवर्नेंस विभाग को आवेदन देना होगा। इसके बाद अधिकारियों-कर्मचारियों को जैसे इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित किये जाएंगे। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रशिक्षुओं को विभाग की ओर से सर्टिफिकेट भी दिये जाएंगे।

अवैध खनन मामला

हाईकोर्ट में सुनील यादव ने दायर की बेल याचिका

RANCHI : साहिबगंज में एक हजार करोड़ के अवैध खनन मामले के आरोपी सुनील यादव ने खुद को निर्दोष बताते हुए झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को जमानत याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि उनके खिलाफ जो आरोप लगे हैं, वे निराधार हैं। अवैध खनन मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। सुनील यादव के अधिवक्ता सव्यसाची ने जमानत याचिका दाखिल की। उल्लेखनीय है कि ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा के कोर्ट ने सुनील यादव की जमानत याचिका सात अक्टूबर को खारिज कर दी थी। सुनील यादव दाहू यादव का भाई है। ईडी कोर्ट ने इन दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद साहिबगंज पुलिस ने 26 अगस्त को सुनील यादव को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में आरोपी सुनील का भाई दाहू यादव अब तक फरार है।

हाईकोर्ट में गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील पासवान के मामले की हुई सुनवाई

याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं, राज्य सरकार ने मांगा समय, चार दिसंबर को अगली तारीख

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील कुमार पासवान की ओर से उनके जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई हुई। मामले में मेंटिबिलिटी (याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं) पर सुनवाई जारी रही। राज्य सरकार की ओर से समय की मांग की गई। इसके बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अगली सुनवाई 4 दिसम्बर निर्धारित की है।

उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित गिरिडीह नगर निगम के मेयर पद पर सुनील कुमार पासवान का चयन वर्ष 2018 में हुआ था। उनके खिलाफ झामुमो कार्यकर्ता ने उनके जाति प्रमाण पत्र को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की थी। इसके बाद गिरिडीह डीसी ने जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द कर दिया था। डीसी ने दो दिसम्बर, 2019 को पत्र के माध्यम से सरकार को बताया कि प्रमाण पत्र में अंकित मूल निवास स्थान प्रमाणित नहीं होने के कारण यह कार्रवाई की गई है। बाद में झारखंड नगर पालिका निर्वाचित प्रतिनिधि नियमावली 2020 के प्रावधानों के तहत पासवान को पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

फर्जी प्रमाण पत्र पर चुनाव लड़ने का आरोप

प्रार्थी की ओर से हाई कोर्ट को बताया गया था कि इनके पिता वर्ष 1982-83 में सरकारी सेवा पर रहते हुए सचिव, व्यापार मंडल गिरिडीह के पद पर थे। प्रार्थी की शिक्षा- दीक्षा एवं लालन पालन गिरिडीह में ही हुआ है। इस दौरान गिरिडीह के सक्षम प्राधिकार द्वारा इनका जाति प्रमाण पत्र भी निर्गत किया गया था। इन्होंने मुखिया का चुनाव सहित कुछ अन्य जनप्रतिनिधि का इलेक्शन लड़ा था लेकिन उनके जाति प्रमाण पत्र पर सवाल नहीं उठाया गया था। मेयर का चुनाव लड़ने के बाद जाति प्रमाण पत्र पर सवाल उठाया गया। एकीकृत बिहार के समय से वह गिरिडीह में ही थे। इसलिए अनुसूचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र पर उनके द्वारा मेयर का चुनाव लड़ने का आरोप गलत है। उन्हें मेयर पद के अयोग्य घोषित किया जाना गलत निर्णय था। एकल पीठ ने इस संबंध में प्रार्थी सुनील कुमार पासवान की रिट याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी एसएलपी खारिज कर दी थी। इसके बाद उनकी ओर से खंडपीठ में अपील दायर की गई है।

दिव्यांगता की आड़ में कर रहा था नशे का कारोबार छह साथियों के साथ धराया, सरगना का नाम बताया

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने गांजा और ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते 7 अभियुक्तों को गुरुवार की देर शाम को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के विद्यानगर पुल के पास से हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों में तीन सुखदेवनगर थाना क्षेत्र, तीन अरगोड़ा और एक नामकुम का रहनेवाला है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में कई खुलासे किये हैं। बताया कि ये सभी लोग नशा कारोबारी कन्हैया कुमार यादव के लिए काम करते हैं। कन्हैया ही इन लोगों को माल उपलब्ध कराता है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

बिक्री के बाद सभी कन्हैया के पास जाते हैं और पैसे का बंटवारा कर लेते हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में एक प्रदीप यादव उर्फ लंगड़ा ने बताया कि वह दिव्यांग है, इस वजह से उसपर लोग शक नहीं करते हैं। बाकी लोग अगल-बगल रहकर पुलिस की निगरानी करते हैं। अभियुक्तों से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। कन्हैया की तलाश में पुलिस टीम छापेमारी कर रही है। वह फोन स्वीच ऑफ कर फरार है। पुलिस को गुरुवार की शाम करीब पांच बजे सूचना मिली थी कि विद्यानगर पुल के पास कुछ लोग गांजा और ब्राउन शुगर की खरीब-बिक्री कर रहे हैं। पुलिस कप्तान चंदन कुमार सिन्हा ने मामले को गंभीरता से लिया। कोतवाली के तेज-तर्रार डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम बिना देर किये सादे लिबास में ई-रिक्शा से पहुंचे और सभी को दबोच लिया। प्रदीप यादव उर्फ लंगड़ा की तलाशी ली गई तो उसके पास से 40 पुड़िया गांजा, 119 पीस सिगरेट, 12 पुड़िया ब्राउन शुगर, फोन पे स्मार्ट स्पीकर और 6200 रुपये कैश मिला। जिसे पुलिस ने दो गवाहों के समक्ष जब्त कर लिया।

ट्रैफिक पुलिस व गूगल मैप के बीच साझेदारी, लोगों को मिलेगा लाभ

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस और गूगल के बीच समझौता हुआ है। लोगों को अब गूगल मैप से राजधानी की यातायात के बारे में पल पल की जानकारी मिलेगी। राजधानी में वाहन चलाने वाले लोगों को अब बड़ी राहत मिलेगी। पहले लोगों को पता नहीं चल पाता था कि किस इलाके में यातायात की क्या स्थिती है। लेकिन अब लोग घर बैठे या फिर वाहन में बैठे हर इलाके की जानकारी ले सकते हैं। गूगल मैप का सहारा लेकर लोग आसानी से एक इलाके से दूसरे इलाके में जा पाएंगे। झारखंड में पहली बार रांची पुलिस और गूगल के बीच समझौता हुआ है। पुलिस के द्वारा इसका ट्रायल कर लिया गया है। गूगल मैप में अभी सड़क डायवर्ट होने की जानकारी मिलने लगी है। धीरे धीरे हर प्रकार की जानकारी गूगल मैप से मिलने लगेगी। ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव का कहना है कि पहली बार ऐसा हुआ है। लोगों को अब पहले से काफी अधिक सुविधा मिलेगी। पुलिस को कई इलाकों से सूचना मिलने लगी है। पुलिस के द्वारा गूगल को पहले ही जानकारी दे दी जा रही है ताकि समय से गूगल मैप में डिटेल अपलोड़ हो जाएग और लोगों को परेशानी नहीं हो पाए।

- झारखंड में पहली बार हुआ पुलिस और गूगल में समझौता,
- मैप पर लोगों को मिलेगी रूट डायवर्ट और सड़क जाम की मिलेगी सूचना
- ट्रैफिक एसपी अब लोगों को करेंगे जागरूक

सालाना 30 करोड़ का कारोबार, सूबे में सिल्क इंडस्ट्रीज ने खींच दी बड़ी लकीर, 2.50 लाख को मिला रोजगार

देश में 70 प्रतिशत तसर का झारखंड में हो रहा उत्पादन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में सिल्क इंडस्ट्रीज ने एक बड़ी लकीर खींच दी है। इस उद्योग को और बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अब तक इस उद्योग से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 2.50 लाख लोग जुड़े हैं। वर्ष 2022-23 में राज्य में 900 मिट्रिक टन कच्चे रेशम का उत्पादन किया गया था। वर्ष 2023-24 में इसे बढ़ा कर 2300 मिट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। वहीं इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लिए तसर फूड प्लांट, रेशम कीट और कुकून से संबंधित उत्पादकता में सुधार के लिए 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गईं हैं। साथ ही रेशम उत्पादन से जुड़े 6300 लोगों को उन्नत कीट पालन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा रीलिंग, स्पिनिंग व पोस्ट कुकून क्रियाकलापों से संबंधित विभिन्न योजनाएं भी चल रही हैं। देश में कुल उत्पादित तसर का 70 फीसदी उत्पादन अकेले झारखंड में ही होता है। झारखंड का खरसावां-कुचाई आर्गेनिक रेशम उत्पादन के लिए पूरे देश में प्रसिद्धि पा चुका है। उद्योग विभाग ने कोल्हान में तसर का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है। इसके लिए छह क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशनों, तीन अनुसंधान विस्तार केंद्रों से अत्याधुनिक तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है। तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त है। अर्जुन, आसान व साल की पत्तियों को ग्रहण कर तसर उत्पादित करने की दुर्लभ क्षमता प्रकृति ने कुछ विलक्षण एवं विशिष्ट प्रकार के कीटों को प्रदान की है। राज्य में संबंधित पेड़ों की बहुलता तसर उत्पादन का बड़ा आधार है। इन पेड़ों की पत्तियां इन कीटों के लिए बेहतरीन भोज्य हैं, जो बेहतरीन तसर के उत्पादन का वाहक है। वहीं तसर कीटपालन परोक्ष रूप से पर्यावरण एवं वन संरक्षण में भी सहायक है।

ऑर्गेनिक तसर का मिल चुका है दर्जा

खरसावां- कुचाई में तैयार तसर को आर्गेनिक का दर्जा मिल चुका है। इसकी मांग विदेश में भी है। कुचाई प्रखंड में सबसे अधिक सिल्क का उत्पादन होता है। झारक्रॉफ्ट की ओर से कुचाई सिल्क के नाम से सिल्क साड़ी विदेशों में भी धूम मचा रही है। राज्य सरकार और एनजीओ के माध्यम से वान्या कलस्टर संवर्धन कार्यक्रम, महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत की गई है। महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना के अंतर्गत राज्यों को नर्सरी स्थापित करने और खाद्य पौधों, बीज फसल, रिंग वाणिज्य ग्रेडिंग के साथ रेशम कीट भी उत्पादन के लिए सहायता प्रदान की गई है। झारखंड में सिल्क का सालाना कारोबार लगभग 30 करोड़ रुपये का है। यहां के कुकून की भारी मांग है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित जेएसएलपीएस द्वारा महिलाओं को इसकी खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। झारखंड में 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन कोल्हान में होता है।

ई-लॉटरी के माध्यम से 14 लाभुकों को आवंटित किए गए आवास

RANCHI : प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तृतीय घटक लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत शुक्रवार को प्रतीक्षा सूची में दर्ज शेष बचे 16 आवेदकों के विरुद्ध ई-लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित किया गया। इस दौरान ई-लॉटरी के माध्यम से 14 लाभुकों को आवास आवंटित किए गए। आवंटन प्रक्रिया पूरा होने के बाद लाभुकों के बीच आवंटन पत्र का भी वितरण किया गया। ई-लॉटरी के दौरान लाभुकों को ई-लाटरी की प्रक्रिया लाइव दिखाई गई। इस प्रक्रिया के तहत उपस्थित लाभुकों के नाम को रैंडोमाइज किया गया। इसके बाद फ्लैट संख्या को रैंडोमाइज किया गया। नागरिकों की सहभागिता व लॉटरी प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए लाभुकों के बीच से तीन लाभुकों का चयन किया गया। इससे पूर्व 19 जुलाई 2022, 10 दिसंबर 2022, 25 अगस्त व 14 सितंबर 2023 को आनि मौजा के तहत पंचमुखी मंदिर के समीप स्थित धुर्वा में नवनिर्मित 1008 आवासों का आवंटन ई-लाटरी के माध्यम से चार चरणों में किया गया था।

लग सकता है बिजली का झटका, बढ़ेगा बिल

- जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए नया टैरिफ पिटीशन और एआरआर दाखिल किया
- चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के बिजली टैरिफ पर दिसंबर में जनसुनवाई आयोजित करेगा आयोग

PHOTON NEWS RANCHI : जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नया बिजली टैरिफ पिटीशन और एनुअल रेवन्यू रिक्वायरमेंट (एआरआर) झारखंड विद्युत नियामक आयोग में दाखिल किया है। जिसमें जेबीवीएनएल ने अपने खर्च के लिए 10800 करोड़ रूपए की जरूरत बताया है। इसी आधार पर बिजली टैरिफ बढ़ाने का आग्रह किया है। जेबीवीएनएल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 10800 करोड़ की भरपाई के लिए करीब 25 प्रतिशत तक बिजली टैरिफ में बढ़ाने का प्रस्ताव है। जेबीवीएनएल ने अपने पिटीशन में अभी किस वर्ग में कितना बढ़ोतरी होगा, इसका खाका नहीं दिया है। ओवर ऑल खर्च की जरूरत के हिसाब से करीब 25 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। बहुत जल्द जेबीवीएनएल वर्ग आधार पर बिजली दर बढ़ोतरी का खाका आयोग को सौंपेगा। बतातें चलें कि जेबीवीएनएल हर वर्ष 30 नंवबर को झारखंड विद्युत नियामक आयोग को अपना नए वित्तीय वर्ष के लिए बिजली टैरिफ पिटिशन

BRIEF NEWS

टेंसा और बिरमित्रपुर में हाथियों का आतंक

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के टेंसा के आबादी क्षेत्र में हाथी विचरण करता देखा गया। हाथी ने टेन्सा जीरो पॉइंट के नेचर कैंप में भी घूस गया था। वन विभाग ने हाथी को आबादी से बाहर जंगल में खदेड़ने का प्रयास जारी रखा है। हाथी के आबादी क्षेत्र में घूमने से लोग दहशत में हैं। सुंदरगढ़ जिले के बिरमित्रपुर पुलिस सीमा के अंतर्गत हतीबारी रोड पर हाथी के हमले में एक महिला की मौत हो गई। महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

सेल द्वारा विज्ञान और कला एवं शिल्प प्रदर्शनी आयोजित

ROURKELA : राउरकेला स्टील प्लांट ने शुक्रवार को मुख्य महा प्रबंधक पीके स्वाईं ने इस्पात विद्या मंदिर में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुल मिलाकर 37 विज्ञान परियोजनाएं, 30 कला और शिल्प परियोजनाएं एवं 7 सलाद सजावट का प्रदर्शन किया गया। गवर्नमेंट ऑटोनॉमस कॉलेज, राउरकेला के सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुब्रत कुमार साहू मुख्य वक्ता थे। इस दौरान अतिथियों ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। वहीं इसी तरह सोचने की प्रक्रिया जारी रखने की बात कही। प्रिंसिपल ए.उद्गाता ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रदर्शनी को बड़ी संख्या में शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों ने मॉडल का देखा और समझा।

सीएम से मिले उत्तरकाशी सुरंग से बचाए गए पांच उड़िया श्रमिक

BHUBANESHWAR : उत्तराखंड के उत्तरकाशी सुरंग से बचाए गए उड़िया श्रमिक ओडिशा सरकार के श्रम मंत्री सारदा नायक के साथ भुवनेश्वर पहुंचे। हवाई अड्डे पर पहुंचने पर श्रमिकों का गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया गया। हालांकि, 4 मजदूर वापस लौट आए हैं, वहीं सूचना है कि तपन मंडल मजदूर अपने भाई के साथ वापस आएगा। एयरपोर्ट से 5 उड़िया श्रमिक सर्किट हाउस गए हैं। इसके बाद वे मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद अपने-अपने घर लौटे। उत्तरकाशी में एक निमार्णाधीन सुरंग के अंदर 17 दिनों से फंसे 41 मजदूरों को बचाया गया। इनमें 5 मजदूर ओडिशा के थे। ये श्रमिक सभी भद्रक जिले के तपन मंडल, नबरंगपुर के भगवान भत्रा और मयूरभंज के बिशेश्वर नायक, धीरेन नायक और राजू नायक है।

ट्रेनों में यात्रियों का सामान चुराने वाला गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेल थाना की पुलिस ने ट्रेनों से यात्रियों का सामान चुराने वाले एक आरोपी को न्यायिक हिरासत में शुक्रवार को जेल भेज दिया। पकड़ा गया आरोपी अमर नायक सीतारामडेरा थाना अंतर्गत काशीडीह कुम्हारपाड़ा का रहने वाला है। इसके पास से चोरी का एक पिट्ठू बैग व एक मोबाइल बरामद हुआ है।

रुईया पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मिले योजनाओं का लाभ : दीपक बिरुवा

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड के गाईसूटी पंचायत एवं हाटगम्हारिया प्रखंड के रुईया पंचायत में शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपक बिरुवा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी उपस्थित हुए। जिनके हाथों से विधिवत दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक दीपक बिरुवा के हाथों विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। वही विधायक जी ने

कार्यक्रम में शामिल विधायक। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम में लगे विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

कार्यक्रम का उद्घाघटन करते हुए विधायक दीपक बिरुवा ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना ही सरकार के द्वारा लगवाए जा रहे शिविर का मुख्य उद्देश्य है। पहले लोग सरकारी कार्यालय का चक्कर लगाते लगाते थक जाते थे, पर अब पंचायत स्तर पर गांव में ही सरकारी अधिकारी पहुंच कर आपकी समस्या सुन रहे हैं और ऑन स्पॉट आपकी समस्याओं का निराकरण करने का कार्य कर रहे हैं। शिविर में ग्रामीणों को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। ग्रामीणों को भी चाहिए कि वे आगे आकर शिविर का लाभ उठायें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मिले जिससे उसका और क्षेत्र का हो समग्र विकास हो सके। ग्रामीण सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें।

इस मौके पर सदर अंचलाधिकारी बुडाय सारू एवं हाटगम्हारिया प्रखंड विकास पदाधिकारी मलय कुमार ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। कार्यक्रम में विधायक के हाथों जरूरतमंदों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया। शिविर में आये कई आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, सावित्री बाई फुले बालिका समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, मनरेगा, ई श्रम विभाग समेत कई विभागों से जुड़े आवेदन प्राप्त किये गए। मौके पर उप प्रमुख प्रेम पूर्ति, मुखिया अनीता तियु, हाट गम्हारिया जिला परिषद सदस्य प्रमिला पिंगुवा, प्रखंड 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य बलवंत गोप समेत अन्य मौजूद थे।

छात्र कांग्रेस ने की रिक्त पदों पर बहाली की मांग

विरोध प्रदर्शन करते जिला छात्र कांग्रेस के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : जिला छात्र कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को उप जिला पाल के माध्यम से ओडिशा के मुख्यमंत्री को स्थानीयों को रोजगार देने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया। इससे पहले संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया। ओडिशा राज्य छात्र कांग्रेस के अध्यक्ष याशिर नवाज के आह्वान पर राउरकेला छात्र कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल उप जिलापाल से मिला और राज्य में रिक्त 2,26000 पदों को तुरंत भरने के लिए एक ज्ञापन दिया। रिक्त पदों की बहाली नहीं होने पर आगामी दिनों में कांग्रेस आंदोलन करेगी।

प्रतिनिधिमंडल में छात्र अध्यक्ष सूर्यकांत बारीक, सिबु दीप,प्रदेश कांग्रेस साधारण संपादक प्रबोध दास,बासु बनर्जी, इजाज अख्तर,अयुब खान,और कांग्रेस सदस्य उपस्थित थे।

राउरकेला : विश्व एड्स दिवस को लेकर जागरूकता रैली आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला सरकारी अस्पताल परिसर से विश्व एड्स दिवस को लेकर एक जागरूकता रैली शुक्रवार सुबह 9 बजे निकली। रैली राउरकेला सरकारी अस्पताल से निकालकर पनपोष रोड के सुरुचि बाजार से वापस मुख्य मार्ग होते हुए राउरकेला सरकारी अस्पताल परिसर पहुंची। इस रैली में विभिन्न एनजीओ के पदाधिकारी एवं सदस्य गण शामिल थे।

इसके बाद सरकारी अस्पताल के आईएमए हॉल में एक सभा का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप मेंआईएमए के अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद दास ,डॉ सुधा रानी प्रधान, डॉ. बलराम बेहरा ,डॉ पंडित साहू ,सभा में उपस्थित थे । इस मौके पर क प्रतियोगिता एवं

कार्यक्रम में शामिल अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

जागरूक नाटक का भी आयोजन किया गया जिसमें बेल्डीह नर्सिंग इंस्टीट्यूट के कर्मी एवं छात्र शामिल हुए।

डॉ गणेश प्रसाद दास ने कहा कि एड्स बीमारी से डरना नहीं चाहिए सही समय पर इसका इलाज होने से काफी हद तक रोगी ठीक रहता है। डॉ संजय राय ने कहा कि ग्लोबल डाटा एवं ट्रांसमिशन एवं ट्रीटमेंट जरूरी है। अनैतिक संपर्क से दूर रहना चाहिए। डॉ सुधारानी प्रधान ने कहा कि लाइफस्टाइल एवं व्यवहारिक ज्ञान की जानकारी डदी। डॉक्टर बलराम बेहेरा ने कहा कि एड्स रोगी से किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए। रैली एवं सभा में विभिन्न एनजीओ के सदस्य मौजूद थे।

डीसी व एसपी ने की नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रोड और नेटवर्क कनेक्टिविटी की समीक्षा

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभा कक्ष मे शुक्रवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें जिला के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रोड और नेटवर्क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए संचालित कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया जिला अंतर्गत नक्सल उन्मूलन हेतु लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। जिला में तैनात सुरक्षा बलों के द्वारा घने जंगल क्षेत्रों में जाकर इस कार्य को संपादित किया जा रहा है और समय-समय पर मुख्यालय से इसकी समीक्षा भी की जा रही है। जिले के वरीय पदाधिकारी एवं

समीक्षा बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

जिला में तैनात सीआरपीएफ के पदाधिकारी की मौजूदगी में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में डेवलपमेंट प्लान तैयार किया गया है।

बैठक में जिले के उप विकास आयुक्त को प्रभावित क्षेत्र में विकास परक समेकित कार्य योजना तैयार करने तथा सरकार द्वारा संपोषित सभी कल्याणकारी योजनाओं से स्थानीय वासियों को आच्छादित कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में टेलीकॉम संरचना निर्माण अंतर्गत नेटवर्क प्रदाता कंपनियों के प्रतिनिधियों से अधिष्ठापन कार्य के संदर्भ में समीक्षा कर अनुमंडल पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द संरचना निर्माण को पूरा कराने हेतु निर्देशित किया गया।

उपायुक्त ने बताया कि नक्सल प्रभावित तथा दूरस्थ क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी में सुधार लाने के लिए जिले में बेहतर रोड कनेक्टिविटी प्लान बनाने का कार्य प्रगति पर है तथा अधिकांश योजना में प्राक्कलन भी प्राप्त है। उन्होंने बताया कि इसके तहत संबंद्ध विभागों से प्रशासनिक या तकनीकी स्वीकृति लेते हुए अग्रेतर कार्य किया जाना है। उपायुक्त ने बताया कि बैठक में शामिल वन प्रमंडल के पदाधिकारी को वन विभाग की जमीन पर कार्य करने के लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान कराये। बैठक में अपर उपायुक्त संतोष कुमार सिन्हा, जिला परिवहन पदाधिकारी के राजहंस, कार्यपालक अभियंता सहित अन्य उपस्थित रहे।

अपराधियों ने गुवा सेल के डीजीएम के खाते से उड़ाए एक लाख

PHOTON NEWS CHAIBASA : साइबर अपराधियों ने गुरुवार को गुवा सेल के डीजीएम माइनिंग ऑफिसर चौधरी निरंजन कुमार के खाते से लगभग एक लाख रुपए उड़ा लिये। इस संबंध में गुवा सेल अधिकारी चौधरी निरंजन कुमार ने शुक्रवार को गुवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना के संबंध में सेल अधिकारी चौधरी निरंजन कुमार ने बताया कि किसी कार्य के लिए डीडी एसबीआई बैंक से बनाया था। वह अपने घर ऑनलाइन बनाया गया डीडी गंतव्य तक पहुंचा है कि नहीं यह जानने के लिए बैंकों के नाम सर्च कर रहा था।

इतने में एक लिंक पर क्लिक करने से उसमें कहा कि 2 रुपए इस लिंक को खोलकर भेजें। सेल अधिकारी द्वारा लिंक खोलकर 2 रुपए भेजने पर अचानक से उनके एसबीआई खाते से पैसे गायब होने लगे और लगभग एक लाख रुपए तक गायब हो गए। तुरंत ही सेल अधिकारी चौधरी निरंजन कुमार एसबीआई बैंक पहुंचे और पूरी जानकारी ली तो शाखा प्रबंधक ने कहा कि आप साइबर अपराध के शिकार हो गए हैं।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

PHOTON NEWS MANOHARPUR : शुक्रवार दोपहर मनोहरपुर-राउरकेला मुख्य मार्ग पारोडी गांव के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक चालक युवक घायल हो गया। घायल युवक 20 वर्षीय नीलकमल सुरीन मनोहरपुर थाना अंतर्गत गांव तुमसाई का रहने वाला है। इस दुर्घटना में घायल युवक को उपचार के लिए मनोहरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

वहां स्थानीय चिकित्सकों की देखरेख में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक युवक अपनी बाइक से गांव तुमसाई से जराईकेला की ओर जा रहा था। जराईकेला पहुंचने के पूर्व पारोडी गांव के समीप राउरकेला से मनोहरपुर वाया जराईकेला तेज रफ्तार से आ रही यात्री बस से बचने के दौरान उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई और बाइक सवार घायल हो गया।

पुलिस ने बालू लदा दो हाइवा किया जब्त, नहीं रुक रहा अवैध कारोबार

PHOTON NEWS CHANDIL : पुलिस की लाख कोशिश के बाद भी बालू का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद भी बालू कारोबारी अपना कारोबार जारी रखे हुए हैं। बिहार और पश्चिम बंगाल के चालान से हाइवा मालिक अपना कारोबार चला रहे हैं। वहीं पुलिस भी अवैध कारोबार रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गुरुवार की रात और शुक्रवार की सुबह चांडिल थाना की पुलिस ने बालू लदे दो हाइवा को जब्त किया है। जांच के दौरान एक हाइवा का चालक वाहन छोड़कर फरार होने में कामयाब रहा। चांडिल थाना के इंचार्ज चांदनी कुमारी ने बताया कि

जब्त हाइवा। ● फोटोन न्यूज

गुरुवार को देर रात गश्त के दौरान पुलिस ने हुमिद के सामने से एनएच 33 पर बालू लदा एक हाइवा को जब्त किया। जांच के दौरान हाइवा पर बालू लदा पाया गया। इस संबंध में किसी प्रकार का कागजात नहीं मिला है।

सुबह कांदरबेड़ा के सामने पकड़ाया हाइवा : वहीं शुक्रवार की सुबह पुलिस ने कांदरबेड़ा के पास से एनएच 33 पर बालू लदा हाइवा को पकड़ा। पुलिस बल को देखते ही हाइवा का चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हाईवा संख्या जेएच 05सीएफ 0396 को चांडिल पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर बालू की चलन की जांच कर रही है।

यूथ फेस्टिवल में विद्यार्थियों की दिखी प्रतिभा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज ऑडिटोरियम में डायरेक्टरेट ऑफ स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड तथा करीम सिटी कॉलेज एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन पूर्वी सिंहभूम के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय चयन हेतु नेशनल यूथ फेस्टिवल आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का थीम हेल्थ एंड फिटनेस था। मुख्य अतिथि स्वरूप डा हसन इमाम मालिक विशेष अतिथि के रुप में विनेश त्रिपाठी एवं मनीष कुमार विशिष्ट अतिथि करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज एवं करीम सिटी कॉलेज एनएसएस कोऑर्डिनेटर सैयद साजिद परवेज कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में जेकेएस कॉलेज जमशेदपुर, अरका जैन

विजयी प्रतिभागी को पुरस्कृत करते अतिथि ● फोटोन न्यूज

विश्वविद्यालय, रंभा कॉलेज, स्वामी विवेकानंद कॉलेज के अलावा कई संस्थाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर आरंभ की गयी। मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों ने सभा को संबोधित किया। मौके पर डॉ मलिक ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हमारे हृदय के साथ-साथ मस्तिष्क का भी स्वस्थ रहना आवश्यक है। इसके लिए विशेष रूप से विद्यार्थियों को मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से अपने आप को सुरक्षित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हमें शारीरिक तथा मानसिक दोनों सतह पर स्वस्थ रहना है तो हमें चाहिए कि हम सुबह सवेरे जगें इससे पहले की सूरज हमें जगाए।

विद्यार्थियों के बीच आयोजित हुई प्रतियोगिता: मौके पर विद्यार्थियों के बीच कहानी लेखन, पोस्ट निर्माण, लोक संगीत, भाषण, लोक नृत्य, समूह नृत्य तथा फोटोग्राफी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं और उनके विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाने वालों में मोबिना बेगम, पराग मंडल, प्रतिक्षा मिश्रा, शुभम कुमार सिंह, ओलिविया विश्वास, शिवानी एवं समूह तथा कुलप्रीत भमरा के नाम प्रमुख हैं। सभा को स्नेहा मंडल, मोबिना बेगम, रिया मुंडा तथा सानिया खानम ने संचालित किया एवं एनएसएस कोऑर्डिनेटर सैयद साजिद परवेज ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-कॉमर्स और नैतिकता पर आज से दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन

केंद्रीय मंत्री समेत देश के कई शिक्षाविद होंगे शामिल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज शिक्षा और सामाजिक विकास ट्रस्ट के अधीन एक शिक्षण संस्थान है। इसकी ओर से 'जी-20 में शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-कॉमर्स और नैतिकता में भारत के युवाः झारखंड के लिए भविष्य की संभावनाएं' विषयक पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। सेमिनार का आयोजन 2 एवं 3 दिसम्बर को होगा। यह जानकारी आयोजकों की ओर से यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दी गयी।

बताया गया कि यह सेमिनार जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल, तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (कैट) के सहयोग से किया जा रहा है। सेमिनार के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के

कार्यक्रम की जानकारी कॉलेज के निदेशक। ● फोटोन न्यूज

रूप में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित होंगे। यह जानकारी कॉलेज के निदेशक आरएन माहांती ने दी। उन्होंने बताया कि कोल्हान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ शुक्ला माहांती सेमिनार से संबंधित व्याख्यान देंगी। सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के तौर पर इग्नू रांची क्षेत्रीय केंद्र के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ शुभकांत मोहंती होंगे, जबकि नैक के सलाहकार डॉ जगदीश पाटिल व्याख्यान प्रारूप (की-नोट एड्रेस) प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम के पहले दिन ई कॉमर्स पर प्रस्तुत किए जाएंगे पेपर : सेमिनार के पहले दिन दो दिसंबर को मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, कैट के राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोंथालिया तथा विशिष्ट अतिथि जनरल और सोवेनियर का विमोचन करेंगे। इसके बाद अध्यक्षीय भाषण श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल के जेनरल सेक्रेटरी डॉ हरिवल्लभ सिंह ह्यआरसीह्ल करेंगे। उद्घाटन सत्र के पश्चात टेक्निकल सेशन-1 ई-कार्मस के सभाध्यक्ष एक्सएलआरआई के प्रो वेणुगोपाल होंगे। पेपर प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों में डॉ सुजीत कुमार द्विवेदी, अजय वर्मा, डॉ चन्द्रशेखर जोशी, पंकज कुमार, डॉ सचिता बीहु सेन शामिल होंगी। टेक्निकल सेशन 2 के सभाध्यक्ष इग्नू देवघर क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक डॉ सरोज कुमार मिश्रा होंगे। समापन भाषण डॉ स्वीटी सिन्हा प्रस्तुत करेंगी।

न्यू एजुकेशन पॉलिसी विशेषताओं पर होगी चर्चा : सेमिनार के दूसरे व अंतिम दिन तीन दिसम्बर को समापन सत्र के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त सह कोल्हान विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति मनोज कुमार होंगे। टेक्निकल सेशन-4 में पेपर प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों में डॉ रिया पाण्डे, डॉ आशा कुमारी, अर्चना कुमारी व सुमन कुमारी शामिल होंगी। टेक्निकल सेशन-5 के सभाध्यक्ष सेंट्रल यनिवर्सिटी, मोतिहारी के प्रो प्रसून दत्त सिंह होंगे। इस सत्र में डॉ कामिनी कुमारी, डॉ मौसमी पाल मिखाद्री पेपर प्रस्तुत करेंगी। पूरे सेमिनार का सार डॉ अर्चना प्रसाद एवं डॉ आशा कुमारी प्रस्तुत करेंगी। सेमिनार में झारखंड समेत बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात से आये प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। साथ ही इच्छुक प्रतिभागियों से ऑनलाइन भी जुड़ कर भी इसका लाभ लेने की अपील की गयी है।

नुआगांव बाजार में एक मोबाइल दुकान से हथियार के बल पर लूटपाट

ROURKELA : बदमाशों ने बंदूक की नोक पर शाम को नकदी और मोबाइल फोन लूटे लिया है। घटना सुंदरगढ़ जिले के हतीबारी थाना अंतर्गत नुआगांव बाजार में घटी। नुआगांव बाजार में दो बदमाश बाइक से आये और एक मोबाइल दुकान में घुस गये। उसने अचानक दुकानदार को बंदूक दिखाई और 14 मोबाइल फोन और 10 हजार रुपये नकद लूट लिए। बाद में जब तक कोई कुछ समझ पाता, वह बाइक पर सवार होकर वहां से भाग गया। खबर पाकर नुआगांव फांड़ी की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस जगह-जगह नाकेबंदी कर जांच कर रही है।

वेदव्यास राजधानी ट्रांसपोर्ट में हुई चोरी में तीन धराये

मीडिया को जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : विरमित्रपुर थाना पुलिस ने ट्रक पर फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर डालकर करीब 15 लाख रुपये के लोहे के पाइप चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह ने लोहे के पाइप चोरी कर सिमडेगा में बेच दिये। पुलिस ने जांच कर रांची और सिमडेगा से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 8 टन लोहे के पाइप जब्त किए। लूट में शामिल दो अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक वेदव्यास की राजधानी ट्रांसपोर्ट ने इस पाइप को परिवहन करने की जिम्मेदारी ली थी। इन जालसाजों ने फर्जी दस्तावेज दिखाकर माल लोड कर लिया। बाद में गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय उसे कहीं और बेच दिया। बताया जाता है कि ये सभी पाइप कियारमुंडा स्टलिंग कंपनी के हैं। इस संबंध में पुलिस की आगे की जांच जारी है।

पटना सिटी में 9 गोली मारकर युवक की हत्या

मौके पर ही मौत, CCTV खंगाल रही पुलिस

पटना:पटना सिटी के मेहंदीगंज में अपराधियों ने शुक्रवार को ऑटो चालक को गोलियों से भून डाला। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने ऑटो चालक को बैक टू बैक 9 गोलियां मारी हैं। घटना को अंजाम देने के बाद मोटरसाइकिल से आए अपराधी हथियार लहराते हुए आराम से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी मच गई। मेहंदीगंज थाने की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। घटना की पुष्टि करते हुए पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी शरथ आर एस ने बताया कि पुलिस अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। घटना का कारण आपसी विवाद होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मालसलामी थाना क्षेत्र निवासी अजय कुमार उर्फ सोनू (32 वर्ष) शुक्रवार की सुबह सब्जी खरीदने मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के देव पेट्रोल पंप के नजदीक गए थे। इसी क्रम में एक मोटरसाइकिल पर तीन अपराधी वहां पहुंचे और अजय कुमार को गोलियों से भून डाला। अजय कुमार के भाई संजीव ने बताया कि वह ऑटो चलाकर अपने और अपने परिवार का भरण पोषण करता था। अपराधियों द्वारा उनके शरीर पर 9 गोलियां मारी गई। मुंह, गर्दन, हाथ, पैर, सीना, पेट और जांघ में गोलियां लगी हैं। इस घटना में मौके पर ही अजय कुमार की मौत हो गई। सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगालने में जुट गए हैं। पुलिस जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लेगी।

कार ने साइकिल सवार दो युवक को रौंदा

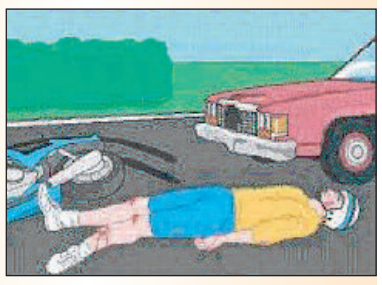

मुजफ्फरपुरः में एक बार फिर रफ्तार का कहर सामने आया है। जहां औराई थाना क्षेत्र के खेसारी गांव के पास तेज रफ्तार वैगन आर कार के चालक ने साइकिल सवार दो लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में माधोपुर गांव निवासी अनिल सहनी (उम्र 30) की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से गुस्साई भीड़ ने कार के चालक की बेरहमी से पिटाई की है। उग्र भीड़ ने पुलिस की मौजूदगी में चालक की जमकर धुनाई की है। जिसका वीडियो भी सामने आया है। वही इस हादसे में दूसरा युवक विपिन साहनी (28) की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। जिन्हें इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कालेज भेज गया है। इस सड़क हादसे से गुस्साए स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर जमकर हंगामा किया है। ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया की कार चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण उसने कार से अपना नियंत्रण खो दिया। इसी क्रम में तेज रफ्तार कार के चपेट में दोनों ग्रामीण आ गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से कार चालक को पकड़ा लिया गया है। मौके पर पुलिस की टीम पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है।

उत्तरकाशी के टनल में फंसे दीपक की घर वापसी

मुजफ्फरपुर : अंदाजा नहीं था कि टनल से बाहर निकल पाएंगे। मेरे गांव सहित देश के सभी लोगों ने मेरे बाहर आने के लिए दुआ की। सभी की दुआ काम आई। हमलोग कुल 41 लोग फंसे थे। शुरूआत में उतना डर नहीं लगा, लेकिन जैसे-जैसे समय बीत रहा था टेंशन बढ़ रहा था। खाने के लिए मूढ़ी भेजा गया था। हमलोग वही खाकर गुजारा करते थे। अंदर चोर-पुलिस खेलते थे। एक साथ बैठकर बातचीत करते थे। पहला दो दिन हमलोग पानी पी कर रहे। उम्मीद थी कि निकल जाएंगे, लेकिन देरी होती थी तो डर लगता था। 18 घंटे बाद पाइप से बात हुई। बातचीत में परेशानी होती थी। चार इंच का पाइप था। बहुत दम लगाकर बोलना पड़ता था। ये बात उत्तरकाशी के टनल में फंसे मुजफ्फरपुर के दीपक ने घर आने के बाद कहा। उत्तरकाशी के टनल में कुल 41 मजदूर फंसे हुए थे। जिसमें मुजफ्फरपुर का दीपक भी शामिल था। शुक्रवार सुबह 9:30 बजे वो अपने गांव गिजास पहुंचा। जिसके बाद परिवार सहित पूरे गांव में खुशी का माहौल बन गया। ग्रामीण एक दूसरे को मिठाई बांटने लगे। दीपक के पिता शत्रुधन राय ने दीपक को मिठाई खिलाई। उसके बाद उसे पानी भी पिलाया। दीपक की मां उषा देवी भावुक हो गई। वो बेटे से लिपट कर रोने लगी। पूरे गांव के लोग दीपक के घर के बाहर एकत्रित हो गए। दीपक के पिता शत्रुधन राय ने कहा कि बहुत खुशी मिल रही। हमरा बेटा आ गया। सभी 41 लोग टनल से निकल गए। बहुत खुश हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को नमस्कार है। जितने सिपाही लोग बच्चे को निकलाने में सहयोग किए सब लोगों को नमस्कार।

तालाब में समुद्री मछली का हो रहा है पालन

भागलपुरः में समुद्री मछली का पालन कर सालाना लाखों रुपए में कमा रहे हैं। गोराडीह प्रखंड के पिथना गांव में समुद्री पानी में मछली पालन कर रहे। इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च में सीनियर साइंटिस्ट के रूप में रहे डॉ नसीम अख्तर ने भी उपलब्धियां हासिल की है। नसीम अख्तर ने कोरोना काल के बाद अपने जिले में समुद्री मछली पालन कर रहे हैं। इसके लिए ट्रक के माध्यम से समुद्र का पानी, ऑक्सीजन जैसे संसाधन भी मंगवाते हैं। आपको बता दे कि डॉक्टर नसीम अख्तर ने इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च में सीनियर साइंटिस्ट के रूप में 22 साल अपनी सेवाएं दी है। वह अपनी प्रयोग को धरातल पर लाकर गोराडीह प्रखंड के पिथना गांव में समुद्री पानी से मछली पालन कर रहे है। इधर, इन तालाबों में ऑक्सीजन की लगातार सप्लाई को लेकर रूट ब्लोअर लगाया गया है। तालाब में पानी में ऑक्सीजन का लेवल को दुरुस्त रखा जाता है लहरों के लिए जल की तरह इस पानी में भी मैग्निशियम, कैलशियम, सोडियम और मिनरल की मात्रा बराबर रखी जाती है। इसके लिए इन तत्वों से बने चार प्रोंन मछली को दिए जाते हैं। डॉ नसीम की माने तो सिर्फ 100 दिन में ही मछलियों का वजन 20 ग्राम से 22 ग्राम या उससे अधिक हो जाता है ।यानी, इसका विकास ठीक वैसे ही है जैसे कि तटवर्ती इलाके में पानी पर पलते हैं। आगे बताते हैं कि पहले ही साल में लागत पूंजी निकल गई है। जल्द ही तालाबों का क्षेत्रफल को बढ़ाएंगे। और अपने ज्ञान को लोगों के साथ साझा करने के लिए वह तत्पर है। वहीं, उन्होंने आगे बताया कि भागलपुर जिले भर में हुए प्रॉन मछली के उत्पादन में भी वह अपनी एक नई पहचान बनाना चाहते हैं। और किसानों के लिए आय का एक नया जरिया दिखाना चाहते हैं। उनकी इस तरीके की मछली पैदावार को देखने हाल में ही भागलपुर जिले के डीएम सुब्रत कुमार सेन डीसी एवं अन्य पदाधिकारी उनके कृतम तालाब जा चुके है।आपको बता दे कि आमतौर पर प्रोंन का उत्पादन समुद्री के तटवर्ती इलाके में ही होता है। प्रोंन के पैदावार के लिए समुद्री तटीय जैसे आबे हवा चाहिए।। समुद्री मछली पालन से लाखों रुपए कमा रहे हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि जिस जमीन पर खेती किसानी करके 40 हजार कमाते थे, वही, अब 25 लाख तक की आमदनी सालाना कर रहे हैं।। कृत्रिम तालाब को पूरे तरीके से ढककर प्लास्टिक शीट लगाकर समुद्र से लाया हुआ पानी भरा जाता है। ताकि पीपीटी तटवर्ती क्षेत्र जैसा हो सके। रूट ब्लोअर के साथ ऑक्सीजन को दिया जाता है। इसमें मैग्निशियम, कैलशियम और मिनरल के सहारे झींगा मछली की वजन बड़ाई जाती है।

डायन का आरोप लगाकर परिवार की पिटाई

बेगूसरायः बेगूसराय मे एक बार फिर डायन होने के आरोप मे खुनी संघर्ष का मामला सामने आया है। इस घटना मे आरोपियों ने एक ही परिवार के सात लोगो की लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दिया। इस पिटाई में सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना लाखो सहायक थाना क्षेत्र के अयोध्यावाड़ी गावं की है। आठ दिन पहले एक आठ वर्षीय लड़की की मौत के बाद पड़ोसियों द्वारा एक महिला पर डायन होने का आरोप मे घर मे घुस कर लाठी डंडे से गंभीर रूप से पिटाई की गयीं है। घायलों की पहचान लाखों सहायक कहां क्षेत्र के अयोध्या बारी के रहने वाले बिजय पंडित, निशांत कुमार, सरिता देवी सहित अन्य लोग शामिल है। इस संबंध में सरिता कुमारी में बताया कि पड़ोस के रहने वाले एक 8 वर्षीय बच्ची की मौत बीमारी की वजह से हो गई। घटना के बाद से भी पड़ोसी रिश्तेदार के द्वारा लगातार गाली गलौज और प्रताड़ित करने का सिलसिला जारी था। इसी क्रम मे बृहस्पतिवार को 20 से 25 की संख्या में लोग घर पर आ धमके और डायन होने के आरोप मे घर के लोगो पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। जिससे पिता पुत्र पत्नी सहित घर की लड़कियां घायल हो गयीं। वही इस संबंध मे बिजय पंडित ने आरोप लगाया की वो लोग एक सामान्य लोग हैं जो शांति से अपना जीवन व्यतीत करते हैं। लेकिन पड़ोस में रहने वाले लोग उनकी पत्नी पर डायन के आरोप लगाकर अक्सर प्रताड़ित किया करते हैं। इसी सिलसिले में आरोपियों द्वारा घर पर चढ़कर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। इसमें कई लोग घायल हो गए है। इसकी सूचना 112 नंबर डायल गाड़ी को दी गई।

मालदा से किशनगंज लाया जा रहा था 569 लीटर

किशनगंज (बिहार):किशनगंज में उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता हासिल हुई है। उत्पाद विभाग ने 569 लीटर विदेशी शराब के साथ एक पिकअप वैन को जब्त किया है साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग की टीम ने टाउन थाना क्षेत्र के डेरामारी के समीप किशनगंज-बहादुरगंज मुख्य पथ पर 569 लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। शराब तस्करी की गुप्त सूचना मिलते ही उत्पाद विभाग की टीम किशनगंज बहादुरगंज सड़क पर तुरंत मुस्तैद हो गई, उक्त वाहन को देखते ही रोकने का इशारा करने पर तस्कर टीम को चकमा देने का भरपूर कोशिश करने लगा लेकिन टीम ने थोड़ी दूरी पर उसे खदेड़ कर पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान ज्ञान सिंह के रूप में हुई है जो राजस्थान के जयपुर का रहने वाला बताया है। गिरफ्तार तस्कर ने पूछताछ के क्रम में बताया कि वो शराब को बंगाल के मालदा से खरीद कर किशनगंज के रास्ते बहादुरगंज की ओर ले जा रहा था। इंस्पेक्टर राम विनय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल टीम गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ कर रही है। बिहार के किस जिले में शराब की डिलीवरी देनी थी टीम यह जांच कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि पिकअप में गुप्त तरीके से बने तहखाना में छुपा कर शराब की तस्करी तस्कर के द्वारा की जा रही थी। लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर विभाग ने तस्कर के मंसूबे को नाकाम कर दिया है। वही इस दौरान टीम में उत्पाद थाना अध्यक्ष सर्वजीत कुमार, सहायक अवर निरीक्षक अमर प्रसाद खरवार, अवर निरीक्षक विजय कुमार सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

स्कूलों में छुट्टियों की कटौती के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

जमुई : में शुक्रवार को भाजपा कार्यकताओं ने कचहरी चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का पुतला फूंका है। बीजेपी के जिलाध्यक्ष कन्हैया कुमार सिंह के नेतृत्व में बिहार सरकार द्वारा स्कूलों में छुट्टियों की कटौती के विरोध में प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने सीएम, उप मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के विरोध में नारेबाजी की। भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया कुमार सिंह ने कहा कि बिहार सरकार बहुसंख्यक हिंदुओं के पर्व त्योहार पर स्कूलों में छुट्टियों को जिस प्रकार की कटौती की है, यह स्पष्ट रूप से एक समुदाय को खुश करने की तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। जिसे भाजपा कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की छुट्टियों में कटौती हिन्दू विरोधी मानसिकता का परिचायक है, जिसे हिन्दू समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजनंदन सिंह ने कहा कि यह एक मजहबी छुट्टी है। यह फैसला हिंदुओं की भावना को आहत पहुंचाने वाला है। जिसे बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा बिहार में हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ बंद होनी चाहिए। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री विनय कुमार पांडेय ने बताया कि सिर्फ राज्य सरकार वोट की राजनीतिक करने के लिए एक तबके के लोगों को खुश किया जा रहा है। दूसरे तबके के लोगों की अनदेखी करते हुए प्रत्येक दिन नए नियम निकाले जा रहे हैं। इसे किसी तरह से सही नहीं कहा जा सकता है। सभी ने मांगे की है कि दोनों तबके के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। योगेंद्र पासवान, अजय पासवान अभिषेक दुबे, डुगडुग सिंह, दिलिप पंडित, मुकेश पासवान, बासुदेव मिश्रा, पप्पू भगत, नीलू देवी, मुकेश सिंह, शालीग्राम पांडेय, सुमित सिंह, चन्दन सिंह, राजेश भारती सहित कई लोग मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक

बक्सरः बक्सर में रेल, सड़क, पुल, सिंचाई एवं अन्य योजनाओं के प्रगति को लेकर पटना के राजकीय राज्य अतिथि गृह में रेलवे के जीएम सहित संबंधित विभाग एवं केंद्रीय एजेंसियों के आला अधिकारियों के साथ केंद्रीय मंत्री ने समीक्षा बैठक की। बक्सर संसदीय क्षेत्र में कई बड़ी परियोजनाएं संबंधित विभाग द्वारा की जा रही है। NHI के अधिकारियों ने बताया कि दलसागर और नुआंव के सर्विस रोड और नाला सहित चुरामनपुर,पड़री ढकाईच, गरहथ, देवकुली आदि स्थानों पर फुट ओवरब्रिज बनाने का कार्य 10 जनवरी तक आरंभ हो जाएगा। निविदा की प्रक्रिया चल रही है। भरौली-हैदरिया रोड का निर्माण भी जनवरी के अंत तक शुरू होगा। गंगा नदी पर वर्तमान में दो पुल के अलावा एक तीसरा एलिवेटेड पुल का निर्माण करने पर भी सहमति बनी है।
बैठक में केंद्रीय मंत्री ने मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट के अधिकारियों को चौसा कोचस, इटाढ़ी गुमटी बक्सर से दिनारा वाया धनसोई पथ को मंत्रालय से बनाने के लिए डीपीआर तैयार करवा कर मुख्यालय भेजने को निर्देशित किया। जनेश्वर मिश्र सेतु बलिया से गंगोली नियाजीपुर होते हुए पुराना भोजपुर तक रोड बनाने के लिए चर्चा हुई।
बक्सर एनएच 922 से बनारस एनएच में लिंक रोड वाया हरकिशनपुर चौसा के लिए भी डीपीआर तैयार करने को आदेशित किया।मंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि मलई बराज योजना का कार्य अंतिम चरण में है। बाढ़ प्रमंडल के मुख्य अभियंता से एनओसी देने के साथ ही आरसीडी विभाग के पत्र भेजने का निर्देश दिया गया। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर जनता की मांग को देखते हुए केंद्रीय मंत्री ने रेल के जीएम अनिल खंडेलवाल को अवगत कराया की प्रमुख ट्रेनों का ठहराव संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर हो ताकि जनता को राहत मिले। रघुनाथपुर में एक महीने के अंदर मगध एक्सप्रेस के ठहराव पर सहमति बनी। साथ ही डुमरांव में जनशताब्दी बनारस पटना पर चर्चा हुई।

संक्षिप्त डायरी

बेटा घर आया तो मां ने की आत्महत्या

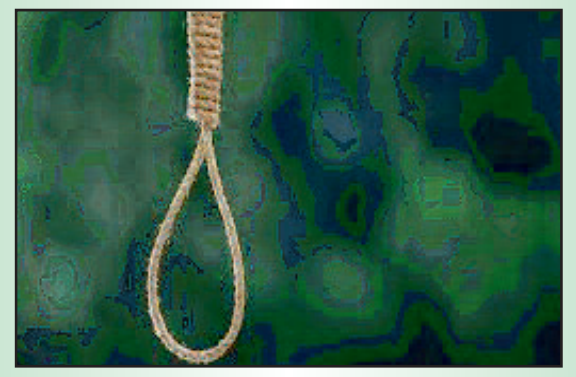

समस्तीपुरः में एक महिला अपने बेटे से नाराज होने के बाद गुस्से में फंदे से लटक कर जान दे दी। बेटा ननिहाल रहता था, वह वहां से भागकर घर आया था। जिससे महिला नाराज थी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामपुर केशव पट्टी गांव का है। महिला की पहचान गांव के मंटू राय की पत्नी उषा देवी 34 वर्ष के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना के संबंध में मृतक के भैसुर जगदीश राय ने बताया कि उनके भाई मंटून राय का पुत्र अपने ननिहाल घटहो थाना क्षेत्र के निपसी गांव में रहता था। गुरुवार को वह अपने ननिहाल से फरार हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। सुबह उसे मुसरीघरारी से लोगों ने बरामद किया। जब वह घर लौटा तो उसकी मां ने उसे खूब डांट लगाई। साथ ही इस मामले को लेकर उषा देवी के माइके वाले ने खड़ी खौटी सुनाई। जिससे नाराज हुई उषा देवी ने घर के छप्पर में साड़ी के सहारे फंदे लगाकर जान दे दी। हल्लाह होने पर लोग जब तक उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाते उसकी मौत हो गई। बाद में मामले की जानकारी मुफस्सिल पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा बनाकर सदर अस्पताल भेजा। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि पारिवारिक कलह की वजह से महिला ने फंदे से लटक कर जान दी है। शव जब्त जाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। एक घटना को लेकर यूडी केस दर्ज की जा रही है। बताया गया कि महिला की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी और इसे तीन बच्चा है।

180 बोतल शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

आदापुरः पुलिस ने गस्ती के दौरान सीमाई इलाके से 180 बोतल नेपाली शराब के साथ दो कारोबारियों को एक बाइक सहित गिरफ्तार किया है। शराब तस्करों से बरामद बाइक सहित शराब की खेप को जब्त कर लिया गया है।इस आशय की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि शराब की एक बड़ी खेप नेपाल से भारतीय क्षेत्र में आनेवाली है।

शिक्षक को गोली मारने वालों की तलाश में छापा

मोतिहारीः शहर के छतौनी थाना क्षेत्र के हवाई अडडा मोहल्ला से घोड़ासहन के भेलवा हाई स्कूल जाने के क्रम में अपराधियों द्वारा गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। अपराधियों की गोली व चाकू से घायल गोविंदगंज थाना क्षेत्र की बहादुरपुर पंचायत के बरई टोला गांव निवासी शिक्षक राजकुमार सिंह का शहर के रहमानिया नर्सिंग होम में इलाज चल रहा है। फिलहाल उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार ने बताया कि शिक्षक को गोली मारने के मामले में विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जा रही है। उनके कार्यस्थल, पैतृक गांव व शहर के हवाई अड्डा सहित अन्य जगहों से जुड़े विवाद के संबंध में भी पता लगाया जा रहा है। शिक्षक के स्वस्थ्य होने पर उनसे संबंधित जानकारी भी ली जाएगी। फिलहाल अपराधियों के भागने वाले रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों को चिंहित किया जा रहा है। वहीं घटनास्थल का टावर डंप, के आधार पर मिले संदिग्ध मोबाइल नंबर का सीडीआर व टावर लोकेशन के आधार पर अपराधियों को चिंहित किया जा रहा है।

किसिंजर का जाना

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का दुनिया से जाना एक युग के अवसान की तरह है। वह सौ वर्ष के हो चुके थे, लेकिन अब भी वैचारिक रूप से सक्रिय थे। अमेरिकी राजनयिक बिरादरी किसिंजर की सलाह पर कान देती थी। उन्हें अमेरिका के साथ ही, वैश्विक राजनीति पर भी गहरे प्रभाव के लिए हमेशा याद किया जाएगा। किसिंजर ने दो अमेरिकी राष्ट्रपतियों के अधीन कालजयी प्रभाव वाले कार्य किए। वियतनाम युद्ध के अंत और शीत युद्ध के समापन की ओर बढ़ने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय है। एक राजनयिक या नेता के रूप में वह दुनिया से जाते-जाते भी नेतृत्व शैलियों पर केंद्रित किताब तैयार कर रहे थे। अमेरिकी राजनय और राजनीति में उनकी लगभग 60 साल की सक्रियता दुनिया के तमाम नेताओं के लिए प्रेरक है और हमेशा रहेगी। याद रहे, इसी साल जुलाई में किसिंजर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने अचानक बीजिंग पहुंच गए थे। मतलब, वाशिंगटन अपने वयोवृद्ध नेता के माध्यम से चीन से संबंध सुधारने की राह तलाश रही थी। चीन की मजबूती बढ़ाने में किसिंजर का बहुत योगदान रहा। अफसोस, हेनरी किसिंजर जैसे योग्य अमेरिकी नेता को ज्यादातर भारत के प्रतिपक्ष में देखा गया। 1970 के दशक में वह रिपब्लिकन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के अधीन जब विदेश मंत्री थे, तब पाकिस्तान के पक्ष में दलीलें दिया करते थे। तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से जब शरणार्थियों की आंधी भारत की ओर चली, जब पाकिस्तानी सेना ने वहां दमन-चक्र चलाया, तब भी वह भारत के विरोध में थे। इतिहास में दर्ज है, वह शरणार्थी समस्या के लिए भी भारत को ही जिम्मेदार मानते थे। भारत ने जब बांग्लादेश की मुक्ति के लिए संघर्ष में सहयोग दिया, तब वह आक्रामक हो गए थे। हालांकि, उनका फैसला गलत था और बाद में उन्होंने भारत के प्रति चुप बैठने में ही अपनी भलाई समझी। लगे हाथ, इस बात से भी संतोष जताया कि भले पूर्वी पाकिस्तान हाथ से निकल गया, पर पश्चिमी पाकिस्तान बचा लिया गया। उसके बाद पश्चिमी पाकिस्तान जिस तरह से घृणा में डूबते हुए पिछड़ने लगा, उसमें एक हद तक किसिंजर की नीतियों का योगदान रहा। पाकिस्तान पूरी तरह अमेरिकापरस्त हो गया, लेकिन भारत की गुटनिरपेक्षता लगातार कायम रही। अब यह कहने में कोई संकोच नहीं कि तब पूरी अमेरिकी सत्ता को भारत की निष्पक्षता चुभती थी। इसी चुभन की वजह से उन्होंने खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे के अंदाज में भारत और भारतीय प्रधानमंत्री के लिए ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसे कभी भुलाया न जा सकेगा। बहरहाल, धीरे-धीरे उन्हें भारत की मजबूती और अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्हें अच्छी जीवन शैली की वजह से लंबी उम्र मिली और उन्होंने अपनी कल्पना से परे एक उभरते भारत के दर्शन किए, तब उनके मुंह से भारतीयों व भारतीय प्रधानमंत्रियों के लिए प्रशंसा के शब्द निकलने लगे। खासकर, 2008 के बाद आतंकवाद से लड़ते हुए भारत की ताकत का किसिंजर को बखूबी एहसास हुआ।

धरती की फिक्र

पृथ्वी की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई में आयोजित हो रहा कॉप-28 इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग का असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है। 2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान जिस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था। महासागर तेजी से गर्म हो रहे हैं। अल नीनो की वजह से इस साल उनका भी तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रेकॉर्ड किया गया। धरती का रेफ्रिजरेटर माने जाने वाले अंटार्कटिका से इस साल साढ़े सत्रह लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ गल गई है। पिछले हफ्ते अंटार्कटिका में 4 हजार स्क्वेयर किलोमीटर से भी बड़ा हिमखंड टूट गया। कहीं बाढ़, कहीं सूखा तो कहीं बेमौसम बरसात के चलते 2023 को दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक एक ऐसा वर्ष मान रहे हैं, जहां से पृथ्वी का पर्यावरण एक अज्ञात क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। जाहिर है कि कॉप-28 में सिर्फ जुबानी जमाखर्च से काम नहीं चलने वाला, जैसा कि अभी इसमें शामिल 198 देश और उनके नुमाइंदे करते आए हैं। कॉप की बैठकें भले ही अच्छे भविष्य की रूपरेखा बनाने के लिए आयोजित होती रही हों, लेकिन एक पेरिस समझौते को छोड़ दें तो अभी तक इसमें काबिल-ए-जिक्र बहुत काम नहीं हो पाया है। न तो विकसित देश अपना कार्बन उत्सर्जन तेजी से कम कर रहे हैं और ना ही ग्रीन एनर्जी में प्रगति जिक्र करने लायक है। इसीलिए कॉप-28 में पिछली सारी बैठकों में हुए वादों, इरादों और उन पर हुए काम का लेखा-जोखा होने जा रहा है। पिछले साल इजिप्ट में हुए कॉप-27 में मौसम से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए फंड बनाने पर सहमति बनी थी, जो अभी तक लगभग खाली ही है। कॉप-28 में भी अगर इस पर कुछ नहीं होता तो साफ हो जाएगा कि विकसित देश क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने को लेकर कितने गंभीर हैं। दुनिया को क्लाइमेट चेंज की चुनौती को गंभीरता से लेना होगा और इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाने होंगे। अभी तक अपने स्वार्थ की वजह से दुनिया के कई देश इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते, खासतौर पर अमीर देश।

घर भी बनता जा रहा है प्रदूषण का क्रेंद

ANALYSIS

✍ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

महिलाओं और बच्चों में डस्ट एलर्जी तो आम होती जा रही है। जरा-सी गंदगी या धूल-मिट्टी से सामना हुआ कि छींक पर छींक, नाक टपकना और यहां तक कि श्वांस लेने में दिक्कत तो आम होती जा रही है। ऐसे में समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। डिओ, शेंपू, मच्छर मारने की दवाएं जैसे अनेक उदाहरण होने के साथ ही सोफा, कालीनों में जमी धूल भी बड़ा कारण बनती जा रही है। प्रदूषण आज की ज्वलंत समस्या है तो सबसे अधिक चर्चा और चिंता का कारण भी प्रदूषण बन गया है। प्रदूषण को लेकर वैश्विक सम्मेलन हो रहे हैं तो प्रदूषण को कम करने के उपायों पर बड़े बड़े सम्मेलनों में चचाएं हो रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि हमारा घर भी प्रदूषण का केन्द्र बनता जा रहा है। माइक्रो लेवल पर कोई भी बात की जा सकती है पर हमारे घर व मकान में फैल रहे प्रदूषण और उसके कारण होने वाले जानलेवा दुष्परिणामों की और लेसेंट जर्नल की रिपोर्ट आंख खोलने के लिए काफी है।

बात थोड़ी विचित्र अवश्य लग सकती है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारा घर भी प्रदूषण का केन्द्र बनता जा रहा है। इसकी गंभीरता को इससे समझा जा सकता लेसेंट की रिपोर्ट में 2019 में देश में एक लाख से अधिक नवजात बच्चों की मौत जन्म से एक माह के दौरान घरेलू प्रदूषण के कारण हुई है। आधुनिक जीवन शैली और घरों में प्रदूषण के कारक उत्पादों की प्रमुखता इसका कारण है। महिलाओं और बच्चों में डस्ट एलर्जी तो आम होती जा रही है। जरा-सी गंदगी या धूल-मिट्टी से सामना हुआ कि छींक पर छींक, नाक टपकना और यहां तक कि श्वांस लेने में दिक्कत तो आम होती जा रही है। ऐसे में समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। डिओ, शेंपू, मच्छर मारने की दवाएं जैसे अनेक उदाहरण होने के साथ ही सोफा, कालीनों में जमी धूल भी बड़ा कारण बनती जा रही है। प्रदूषण आज की ज्वलंत समस्या है तो सबसे अधिक चर्चा और चिंता का कारण भी प्रदूषण बन गया है। प्रदूषण को लेकर वैश्विक सम्मेलन हो रहे हैं तो प्रदूषण को कम करने के उपायों पर बड़े बड़े सम्मेलनों में चचाएं हो रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि हमारा घर भी प्रदूषण का केन्द्र बनता जा रहा है। माइक्रो लेवल पर कोई भी बात की जा सकती है पर हमारे घर व मकान में फैल रहे प्रदूषण और उसके कारण होने वाले जानलेवा दुष्परिणामों की और लेसेंट जर्नल की रिपोर्ट आंख खोलने के लिए काफी है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू प्रदूषण के चलते हमारे देश की ही बात की जाय तो 2019 में 16 लाख 70 हजार लोगों की असमय मौत का कारण वायु प्रदूषण ही रहा है। इनमें 6 लाख 10 हजार लोगों को घरेलू प्रदूषण के कारण अपनी

जान से हाथ धोना पड़ा वहीं इनमें एक लाख 16 हजार तो बच्चे ही हैं। यह तो 2019 के आंकड़े हैं। आज के हालात सुधार के ना होकर इससे अधिक ही चिंतनीय है। ऐसे में घरेलू प्रदूषण के खतरे से बचाव के लिए ठोस प्रयास किया जाना समय की आवश्यकता है। देखा जाए तो हमारे घर में दिन प्रतिदिन काम में आने वाली वस्तुएं ही प्रदूषण का कारण बन रही हैं। हालांकि अब रसोई यानी की खाना पकाने के लिए घर-घर में गैस की पहुंच हो गई है और लकड़ी कोयला के कारण होने वाले प्रदूषण से लगभग निजात मिल चुकी है। पर प्रदूषण के अन्य कारण तैयार हो गए हैं। घरेलू प्रदूषण के दुष्प्रभाव को इस मायने में देखा जा सकता है कि अस्थमा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण यह घरेलू प्रदूषण बनता जा रहा है। प्रदूषण के कारण एलर्जी होना तो आम बात है। महिलाओं और बच्चों को डस्ट एलर्जी होना या अन्य किसी से एलर्जी होना आम होता जा रहा है। दरअसल, हमारे घर की दैनिक उपभोग की वस्तुएं ही किसी ना किसी कारण से प्रदूषण का कारण भी बन जाती है। इनमें से अधिकांश तो अनजाने में होती है। दरअसल अवेयरनेस के कारण या हमारी जीवन शैली भी इसका एक कारण है। घर में मच्छर मारने के लिए उपयोग में लिए जाने वाले कीटनाशी मच्छाररोधी दवा भी घरेलू प्रदूषण का प्रमुख कारण है तो दूसरी और घरेलू साज-सज्जा सामग्री में फर्नीचर, लकड़ी का सामान, चटाईयां, कालीन आदि की समय पर साफ सफाई नहीं होने से यह प्रदूषण का कारक बन जाते हैं। इसी तरह पूजा में काम ली जाने वाली धूपबत्ती, अगरबत्ती, धूम्रपान, महिलाओं के कास्मेटिक उत्पाद, केमिकल युक्त शेम्पू आदि, पोछा लगाने के लिए उपयोग में लिए जाने वाले कीटनाशी के साथ घरों में उपयोग किये जाने वाले केमिकल पेंट, रंग-रोगन में उपयोग किये जाने वाले उत्पाद भी प्रदूषण और एलर्जी के प्रमुख कारक बनते जा रहे है। ग्रामीण क्षेत्र में रोजमर्रा के काम में प्रदूषित ईंधन बड़ा कारण है। प्लास्टिक का अधिकतम उपयोग, ओवन ओटीजी, आरओ आदि उपयोगी वस्तुएं भी प्रदूषण का कारण बनती जा रही है। इसके साथ ही फ्रीज में ऐसी वस्तुओं का उपयोग जिनका फ्रीज में उपयोग नहीं किया जाना भी एक कारण है। देखा जाए तो घरेलू प्रदूषण के कारक हमारे रोजमर्रा के काम आने वाली वस्तुएं ही हैं। सामान्य तौर पर हम इनके दुष्प्रभावों से अधिकांशतः तो अनभिज्ञ रहते हैं। अब अगरबत्ती या धूपबत्ती या मच्छररोधी दवा आदि में उपयोग में होने वाले केमिकल एलर्जी का प्रमुख कारण बन जाते हैं। दरअसल उत्पादों की गुणवत्ता और उनमें उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर काफी कुछ निर्भर करता है। घरेलू प्रदूषण से एलर्जी, सिरदर्द, कान, नाक, गले में दर्द या सूजन, खांसी या सांस लेने में परेशानी होना, बार-बार जुकाम लगना, निमोनिया, त्वचा पर चक्कते होना आदि आम बात है तो प्रदूषण की गंभीरता में अस्थमा, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। देखा जाए तो गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग इसके संभावित प्रभावित होने वाले हैं। बच्चों के दिलों दिमाग पर भी असर देखा जा सकता है। बच्चों के स्वाभाविक विकास में भी यह बाधक बन जाता है। घरेलू प्रदूषण को लेकर भी अब गंभीर होने का समय आ गया है। देखा जाए तो हमारे उपयोग की आज अधिकांश वस्तुएं प्रदूषण का कारक बनती जा रही है। बहुमंजिली इमारतों, खुले में बैठना, धूप सेंकना, मिट्टी में बच्चों को खिलाना आदि दूर की कौड़ी हो गई है। आरओ व ओवन आदि के खिलाफ तो अब जापान जैसे देश आवाज उठाने लगे हैं। होने यह भी लगा है कि सेचुरेशन की स्थिति में नए उत्पाद की मार्केटिंग के चक्कर में अभियान चला कर पुराने उत्पाद के दुष्प्रभावों को उजागर किया जाने लगता है। हालांकि तब तक बहुत देरी हो चुकी होती है। आरओ और ओवन आदि के उपयोग को लेकर आज ऐसा होता जा रहा है। फ्रीज के पानी को लेकर भी बहुत कुछ कहते हुए मटका के पानी पर जोर दिया जाने लगा है। दरअसल हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं उसका परिणाम भी सामने आता जा रहा है। कुछ दशक पुरानी ही बात है जब दीपावली के अवसर पर घरों में रंग रोगन के नाम पर सफेदी होती थी। इसमें कलई होने से यह बरसात के कारण होने वाले कीटाणुओं को खत्म करने का प्राकृतिक उपाय होता था यह सालाना काम होता था। अब केमिकल युक्त पेंट होने लगे हैं। अब समय आ गया है जब सरकारी गैरसरकारी संस्थाओं को घरेलू प्रदूषण को लेकर लोगों को अवेयर किया जाए ताकि घर के प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जानकारी हो और उनसे बचाव के लिए कदम उठाये जा सके। क्योंकि जिन्हें डस्ट आदि घरेलू प्रदूषण के कारणों से श्वास लेने में दिक्कत होने लगती है या फिर इस कारण से अस्थमा की चपेट में आ जाते हैं तो वे किन त्रासद हालात से गुजरते हैं। उससे बचाव किया जाना आवश्यक है। साफ-सफाई और प्रदूषण के कारणों के प्रति अवेयरनेस का कार्यक्रम लगातार चलाना होगा ताकि घर बैठे बीमारी मोल लेने के हालात को दूर किया जा सके। जिस तरह से ग्रीन एनर्जी को लेकर गंभीरता और अवेयरनेस होती जा रही है उसी दिशा में प्रयास करने होंगे।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के हों गंभीर प्रयास

एड्स न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए आज भी एक भयावह शब्द है, जिसे सुनते ही भय के मारे पसीना छूटने लगता है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एचआईवी संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2022 के अंत तक 3.9 करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष लैट कम्युनिटी लीड विषय के साथ मनाया जा रहा है। वैसे एड्स के इतिहास पर नजर डालें तो 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे ह्यगे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसीह्न (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है। यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति एड्स कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है। डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में करीब 42 फीसदी की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे। वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है। एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके।

Social Media Corner

सच के हक में...

बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस पर बल के सभी जवानों व उनके परिजनों को शुभकामनाएं देता हूं। हमारे देश की सीमाओं को अपने शौर्य और पराक्रम से अभेद्य रखने वाले बीएसएफ पर देश को गर्व है। देश की सुरक्षा के साथ-साथ आपदा प्रबंधन व पर्यावरण संरक्षण में भी बीएसएफ ने कई कीर्तिमान बनाये हैं। बीएसएफ के वीर शहीदों को नमन करता हूं, देश आपके बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

कोयला झारखण्ड से निकाला जाता है। कोयला का 1 लाख 36 हजार करोड़ केंद्र सरकार के पास बकाया है। जब बकाया राशि मांगा गया तो वे टालमटोल करते हैं। जिन्होंने 20 वर्ष तक इस राज्य में शासन किया, उन्होंने कभी इस राशि को, राज्य के अधिकार को हमारे साथ नहीं मांगा। यह पैसा झारखण्डवासियों का है। ये गरीबों के आवास का, सुखाड़ का, आपदा का पैसा भी नहीं दे रहे हैं। आज हम लोग अपने बल पर इस राज्य को खड़ा कर रहे हैं। अपने हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़नी पड़ती है। उसके लिए कभी-कभी लंबे आंदोलन भी करने पड़ते हैं। इसके लिए एकजुट होना पड़ता है। अपनी इस लड़ाई को मिलकर हम लड़ेंगे और अधिकार लेकर रहेंगे।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

क्या निमोनिया भी चीन की देन है

जानलेवा निमोनिया ने दस्तक दे दी है। कई जगहों पर तो कहर बरपा रहा है। लोग खौफजदा इसलिए हैं क्योंकि बात बच्चों के स्वास्थ्य की है। वैसे, अभी तक अधिकांश एशियाई देश ही इस बीमारी की चपेट में है। संभावित खतरों को देखते हुए सभी देश मेडिकल अलर्ट पर हैं क्योंकि निमोनिया का केंद्र चीन में है। कोविड का केंद्र भी चीन ही था। निमोनिया फैलने की खबर के बाद दुनिया में आवाज उठने लगी है कि क्यों चीन मानव स्वास्थ्य का दुश्मन बना हुआ है? सच्चाई चीन ही जानता है। पर, कोविड-19 को फैलाने का ठप्पा तो उसके माथे पर चस्पा है। अब नई आफत निमोनिया ने खड़ी कर दी। निमोनिया को लेकर भी चीन दुनिया के निशाने पर है। चीन में रहस्यमय निमोनिया की चपेट में ज्यादातर बच्चे ही आ रहे हैं। लाखों स्कूली इससे प्रभावित हैं। विगत कुछ दिनों से वहां के तमाम अस्पताल निमोनिया पीड़ित बच्चों से खचाखच भरे हैं। फिलहाल, चीन इस बीमारी को अज्ञात बता रहा है। चिकित्सा विज्ञान ने इसका नामकरण एवियन इन्फ्लुएंजा से किया है। वायरस भी बता रहे हैं। वायरस को एच9-एन2 नाम दिया है। लेकिन पूर्ववर्ती सच्चाइयों पर गौर करें तो इससे पहले भी आई फ्लू, स्वाइन फ्लू, कोरोना और अब ये एवियन इन्फ्लुएंजा सभी चीन ने ही दुनिया को बिन मांगे दिए हैं। डब्ल्यूएचओ ने हमेशा की तरह सावधानी बरतने को कहा है। चीन का वुहान चिकित्सीय प्रयोगशाला मेडिकल रिसर्च के लिए पहेली बना हुआ। क्योंकि वहां के निर्मित वायरस और जैविक अनुसंधान, अजन्मी बीमारियां, घातक वायरस और उनके सब-वेरिएंट संसार पर कहर ढा रहे हैं। ताज्जुब इस बात का है कि सबकुछ जानते हुए भी ग्लोबल स्तर के तमाम तथाकथित वैश्विक स्वास्थ्य संगठन न तो चीन को जवाबदेह ठहरा रहे हैं और न ही कोई कार्यवाही करने का मन बनाते हैं। चिकित्सा विज्ञान को तय करना है कि वास्तव में निमोनिया के पीछे चीन की हिमाकत है या नहीं। इस पर अभी कुछ कहा भी नहीं जा सकता लेकिन संदेह की कई वजहें हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक टीम इसकी खोज में है। शुरूआती जांच पड़ताल में कुछ ऐसे इनपुट उन्हें मिले हैं जिससे संदेह है कि ये स्वनिर्मित वायरस हो सकता है। प्रमाणित होने के लिए अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। फाइनल रिपोर्ट से पहले ही डब्ल्यूएचओ ने चीन को लताड़ते हुए कुछ सवाल-जवाब जरूर किए हैं, जिस पर चीन ने सफाई देकर पल्ला झाड़ लिया है। शक-संदेह के जो बादल चीन पर मंडरा गए हैं, उनसे जल्द छुटकारा पाना संभव नहीं होगा। हर मर्तबा ये सवाल उठता कि ज्यादातर जानलेवा अजन्मी बीमारियां और वायरस चीन में ही जन्म लेते हैं। कोविड के वक्त भी ये बड़ा सवाल खड़ा हुआ था जिसका माकूल जवाब आज तक नहीं मिल पाया। बहरहाल, चाइना में फैले रहस्यमय निमोनिया ने न सिर्फ एशिया को, बल्कि समूचे संसार को भयभीत कर रखा है। हालांकि, अभी छुटपुट ही केस सामने आए हैं। दरअसल, संसार कोविड के बाद से भयभीत है, वो महामारी भी चीन से फैली थी, उसके फैलने का अंदाज भी कमोबेश कुछ ऐसा ही था। कोरोना के पहले एकाध केस सामने आए थे, फिर उसने जो विकराल और रौद्र रूप धारण किया, उसे याद कर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी कारण लोग निमोनिया से डरे हुए हैं। लोग सोचते हैं कि कहीं निमोनिया भी कोविड जैसा मंजर न पैदा कर दे। चीनी निमोनिया को देखते हुए भारतीय हेल्थ विभाग पूरी तरह चौकन्ना है। दिल्ली से स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने के आदेश दिए हैं। इसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने खुद समीक्षा बैठक करके स्थिति का जायजा लिया हैं। ये अच्छी बात है कि कोई संभावित समस्या बढ़े, उससे पहले ही बचाव की तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

चट्टानी सबक

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की लंबी-चौड़ी कोशिशों के बाद, उत्तराखंड के सिलक्यारा में धंसी हुई सुरंग में 17 दिन से फंसे 41 मजदूरों को बचा लिया गया। बीते 28 नवंबर की शाम को, बचाव कर्मियों ने धंसी हुई चट्टानों को भेदकर उन्हें बाहर निकाला। बचाव कार्य पूरा करने के लिए जुटाये गये संसाधनों के लिहाज से, यह अभियान अपने आप में उल्लेखनीय था। सुरंग का एक हिस्सा धंसने के अगले ही दिन, अधिकारी वहां फंसे मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन की आपूर्ति करने में कामयाब रहे थे। 16 नवंबर को, दिल्ली से एक ऑगर (बड़े बरमे जैसी) ड्रिल हवाई जहाज से लायी गयी और जोड़कर तैयार करके (असेंबल) काम में लगाया गया। उसके अगले हफ्ते में, मजदूरों तक पहुंचने और उन्हें निकालने की कोशिशें रुक-रुक कर आगे बढ़ीं। वहां मौजूद अधिकारियों को ड्रिल के रास्ते में अवरोधों, उसकी सेहत, उसके प्लेटफार्म की स्थिरता, और उसके चलने से आसपास की चट्टानों पर पड़ने वाले असर से निपटना पड़ा। खास तौर पर, उन्हें यह सुनिश्चित करना पड़ा कि कंपन से ढीली पड़ी चट्टानों से मजदूरों को खतरा न हो। लेकिन 25 नवंबर को ड्रिल के ब्लेड मलबे में फंसने के बाद काम रोकना पड़ा। अगले दिन, अभियान का नया चरण शुरू हुआ। खड़ी ड्रिलिंग के साथ, मलबा हटाने में मदद के लिए रैट-होल माइनिंग के विशेषज्ञों की सहायता से काम शुरू किया गया। आखिरकार 28 नवंबर को, बचाव कर्मियों ने सुरंग के उस हिस्से को भेद डाला और मजदूरों को बाहर निकाला। इस अभियान में राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, सीमा सड़क संगठन, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और अन्य की भागीदारी रही। एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे इतिहास के सबसे कठिन बचाव अभियानों में से एक बताया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बेंगलुरु टेक समिट : वैज्ञानिक माशेलकर ने कहा, भारत में प्रति डॉलर सबसे अधिक बौद्धिक पूंजी है

बेंगलुरु।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक आर.ए. माशेलकर ने कहा कि भारत के पास प्रति डॉलर सबसे अधिक बौद्धिक पूंजी (हाईएस्ट इंटेलेक्चुअल कैपिटल) है, यही कारण है कि भारतीय नवाचार दुनिया में धूम मचा रहा है।बेंगलुरु टेक समिट 2023 में एक पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए, प्रमुख लीडर और इनोवेशन विशेषज्ञ ने राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला के एक वर्ष के भीतर अंतर्राष्ट्रीय परामर्श संगठन बनने और हाल ही में भारत के यूपीआई इनोवेशन का उदाहरण दिया, जिसमें 2022 में 74.05 बिलियन से अधिक लेनदेन हुए, जो दुनिया के लेनदेन का 46 प्रतिशत है। उन्होंने आगे कहा, हमारा यूपीआई अब भूटान और सिंगापुर में भी स्वीकार किया जा रहा है, जो हमारे लोगों के ज़मीनी स्तर के दृष्टिकोण को दर्शाता है। आर.ए. माशेलकर ने स्टार्ट-अप को सुनिश्चित सफलता के लिए छह सिद्धांतों का पालन करने के बारे में बताया। ऐसी पेशकशें करें जो सस्ती हों, आसानी से स्केलेबल हों, व्यवसाय को टिकाऊ बनाएं, पेश किए गए उत्पाद या सेवा को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। इसमें उत्कृष्ट विशेषताओं के साथ तेजी से बाजार में उतरने की रणनीति होनी चाहिए और एक विशिष्ट व्यावसायिक विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक स्टार्ट-अप संस्कृति में अनुकरणीय उपलब्धियों वाला एक अविश्वसनीय राज्य है। उन्होंने ÷अमेजिंग 40 प्रतिशत राज्य÷ होने के लिए राज्य की सराहना की, जो 40 प्रतिशत जीसीसी, 40 प्रतिशत भारत की सॉफ्टवेयर प्रतिभा, 40 प्रतिशत यूनिकॉर्न और 40 प्रतिशत निर्यात के लिए जिम्मेदार है।उन्होंने राज्य को सब्सिडी और अनुदान के साथ इनोवेटिव एसएमई को प्रोत्साहित करके एक आईपी नीति बनाने में नेतृत्व दिखाने की भी सिफारिश की। कर्नाटक ज्ञान की राजधानी और इनोवेशन का केंद्र है, लेकिन विकास में अगली छलांग के लिए राज्य को इनोवेशन के नेतृत्व वाले वृद्धिशील विकास से तेजी विकास की ओर बढ़ना होगा।इस विकास रणनीति को 'सुधार' करार देते हुए उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप संस्कृति को गेम-चेंजिंग लोकाचार में बदलना होगा।

पीयूष गोयल ने कॉरपोरेट्स से निवेश बढ़ाने का किया आग्रह

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कॉरपोरेट्स से भारत में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया, क्योंकि बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर विकास से देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ रही है।

तीसरे भारत ऋण पूंजी बाजार शिखर सम्मेलन 2023 - के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा÷ ÷वित्तपोषण का प्रतिस्पर्धी स्रोत उन लोगों से निवेश आकर्षित कर रहा है जो अधिक सुरक्षा की तलाश में हैं। शेयर बाजार भी पहली बार 4 ट्रिलियन का आंकड़ा छू रहा है और भारत बड़े अवसरों वाले शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों का भारी निवेश देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है और इसे गति दे रहा है।

गोयल ने कॉरपोरेट जगत से भारत में निवेश करने का आग्रह किया, क्योंकि देश दुनिया के एक विश्वसनीय भागीदार और एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में बहुत उज्ज्वल भविष्य के शिखर पर खड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत आज एक अच्छी स्थिति में है जहां वह आश्वस्त हो सकता है कि आने वाले कई वर्षों तक उसे उस तरह का संकट नहीं होगा जैसा 2013 में देखा गया था। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस तिमाही में 7.6 प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा कि एक लचीला ऋण पूंजी बाजार नवाचार, उद्यमिता और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उत्प्रेरक होगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दशकों में बड़े पैमाने पर शहरीकरण होगा क्योंकि टियर 2 शहर भी महानगर बनने जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की आय बढ़ रही है, इससे देश भर में खर्च करने की शक्ति बढ़ रही है।

एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन जैसे भविष्य के क्षेत्र हमारे भविष्य को शक्ति प्रदान करेंगे। हरित और टिकाऊ ऊर्जा ही आगे का रास्ता होगी और पूंजी बाजार और ऋण बाजार हमारी ऊर्जा को निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक हमारे 3.7 ट्रिलियन डॉलर में 30 ट्रिलियन डॉलर जोड़ देगा। मंत्री ने यह भी देखा कि भारत वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 2021 में 500 बिलियन से पिछले वर्ष 776 बिलियन तक, लगभग 55 प्रतिशत तक बढ़ाने में सक्षम रहा है।

रेमंड के स्वतंत्र निदेशकों ने कहा, उन्हें वैवाहिक विवादों की जांच करने की आवश्यकता नहीं

नई दिल्ली।

रेमंड लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशकों (आईडी) ने कहा है कि न तो किसी कानून और न ही किसी कॉरपोरेट गवर्नेंस मानक के तहत उन्हें ऐसे वैवाहिक विवादों की जांच करने या गुण-दोष के बारे में गहराई से जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आईडी यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क हैं कि दो प्रमोटर निदेशकों के बीच वैवाहिक विवाद किसी भी तरह से कंपनी के मामलों और व्यवसाय के प्रबंधन के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक की क्षमता को प्रभावित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा,आईडी, पिछले कुछ हफ्तों से, बैठक कर रहे हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, जहां तक यह कंपनी और अल्पसंख्यक शेयरधारकों को प्रभावित करता है; और हर समय, गैर-प्रवर्तक अल्पसंख्यक शेयरधारकों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के हितों की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। उन्होंने कहा,आईडी उभरती स्थिति को देखते हुए अत्यधिक सतर्कता बरतती रहेगी और सभी हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, आवश्यक होने पर, सक्रिय रूप से उपाय शुरू करने में संकोच नहीं करेगी। आईडी ने वरिष्ठ स्वतंत्र कानूनी सलाहकार बर्जिस देसाई को बनाए रखने का फैसला किया है, जो आईडी को सलाह देने के लिए प्रमोटरों या कंपनी के साथ कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा,आईडी हितधारकों को आश्वस्त करना चाहता है कि वे निष्पक्षता से कार्य करेंगे। सर्वोपरि विचार हमेशा कंपनी और उसके गैर-प्रवर्तक शेयरधारकों के हितों का होगा। कोई भी भौतिक विकास या उपचारात्मक उपाय जो कंपनी को प्रभावित करता है, उसे तुरंत सूचित किया जाएगा पूरी पारदर्शिता की भावना से। कॉर्पोरेट गवर्नेंस सलाहकार फर्म, इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (आईआईएएस) ने रेमंड के स्वतंत्र निदेशकों को एक पत्र में लिखा था, आपके कार्यों से कंपनी को नवाज मोदी और गौतम सिंघानिया के बीच लंबे समय तक चलने वाली तीखी लड़ाई से बचाया जाना चाहिए। यह पत्र स्वतंत्र निदेशकों मुकीता झावेरी, आशीष कपाड़िया, दिनेश लाल, के नरसिम्हा मूर्ति और शिव सुरिंदर कुमार को संबोधित किया गया है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 21 रुपए बढ़ी

- अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला गैस सिलेंडर 1796.5 रुपये में मिलेगा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 21 रुपये तक बढ़ा दी है। इससे पहले 1 नवंबर को भी इसकी कीमत 100 रुपये बढ़ाई गई थी। हालांकि उसके बाद 16 नवंबर को इसकी कीमत में 57 रुपये की कटौती की गई थी। अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला गैस सिलेंडर 1796.5 रुपये में मिलेगा। बता दें कि घरेलू गैस की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली के अलावा मुंबई में अब कमर्शियल एलपीजी के लिए 1,749 रुपये चुकाने होंगे। वहीं चेन्नई में 1,968.50 व कोलकाता में इसकी कीमत 1,908 रुपये हो गई है। यह बदलाव तुरंत प्रभाव से लागू हो गए हैं। इससे पहले दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी की कीमत 1775.50 रुपये थी। हालों कि घरेलू गैस की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आखिरी बार 30 अगस्त को नॉन सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई थी, तब दिल्ली में इसे घटाकर 1103 रुपये से 903 रुपये कर दिया गया था। कोलकाता में इसकी कीमत 929 रुपये, मुंबई में 902.50 रुपये और चेन्नई में 918.50 रुपये है। कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के

बाद से बाहर का खाना महंगा हो सकता है।

दो हजार रुपये के 97 प्रतिशत से अधिक नोट आ गए वापस : आरबीआई

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि 30 नवंबर, 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य घटकर 9,760 करोड़ रुपये हो गया है। इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक प्रचलन में 2,000 रुपये के 97.26 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ गए हैं। जब 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई तो उनकी कुल कीमत 3.56 लाख करोड़ रुपये थी। 2,000 रुपये के बैंक नोटों को जमा करने या बदलने की सुविधा शुरुआत में 30 सितंबर तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी, जिसे बाद में 7 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया था। 2,000 रुपये के बैंक नोटों को बदलने की सुविधा आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में भी उपलब्ध थी। काउंटरों पर 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को बदलने के अलावा, आरबीआई कार्यालय व्यक्तियों/संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपये के बैंक नोट भी स्वीकार कर रहे हैं। देश के भीतर से जनता के सदस्य भारत में अपने बैंक खातों में क्रेडिट के लिए देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से

आरबीआई के किसी भी जारी कार्यालय को 2,000 रुपये के बैंक नोट भेज सकते हैं।

नवंबर में बजाज ऑटो की बिक्री 31 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । बजाज ऑटो की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 4,03,003 इकाई रही। कंपनी ने नवंबर 2022 में 3,06,719 इकाइयों की बिक्री की थी। पुणे स्थिति बजाज ऑटो लिमिटेड की ओर से जारी बयान के अनुसार पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 69 प्रतिशत बढ़कर 2,57,744 इकाई हो गई, जबकि नवंबर 2022 में यह 1,52,883 इकाई थी। बयान में कहा गया, समीक्षाधीन महीने में निर्यात छह प्रतिशत घटकर 1,45,259 रह गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में 1,53,836 वाहन विदेशी बाजारों में भेजे गए थे। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री 2,18,597 इकाई रही, जो नवंबर 2022 में बेची गई 1,23,657 इकाइयों की तुलना में 77 प्रतिशत अधिक है। निर्यात पिछले महीने में सालाना आधार पर छह प्रतिशत गिरकर 1,30,451 इकाई रह गया। नवंबर 2023 में दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 3,49,048 इकाई रही, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

केंद्र सरकार ने कच्चे तेल और एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स घटाया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफाल टैक्स 1,300 रुपये से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जेट ईंधन (एटीएफ) पर लेवी भी 1.11 लाख रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 1.06 लाख रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई है। केंद्र ने इससे पहले 16 नवंबर को डीजल और कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया था। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 9,800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6,300 रुपये (75.70) प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल के लिए इसे 2 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 1 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। जेट ईंधन और पेट्रोल निर्यात पर टैक्स शून्य रहा। अक्टूबर में सरकार ने कच्चे तेल पर` विंडफाल टैक्स 9,050 रुपये से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति टन कर दिया था। इसके अतिरिक्त, विमानन टरबाइन ईंधन पर विंडफॉल टैक्स, जो पहले 1 रुपये प्रति लीटर था, समाप्त कर दिया गया। इससे पहले 18 अक्टूबर को केंद्र ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 12,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 9,050 रुपये प्रति टन कर दिया था। भारत ने पिछले साल जुलाई में कच्चे तेल उत्पादकों पर विंडफॉल टैक्स लगाया था और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर लेवी बढ़ा दी थी क्योंकि निजी रिफाइनर स्थानीय स्तर पर बेचने के बजाय विदेशी बाजारों में मजबूत रिफाइनिंग मुनाफे से लाभ कमाना चाहते थे। उस समय, पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया था।

नवंबर में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार, उत्पादन तेज

नई दिल्ली । नवंबर में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के प्रदर्शन में सुधार देखा गया। अक्टूबर में मंदी के बाद, ग्राहकों की बढ़ती मांग और इनपुट की बेहतर उपलब्धता के कारण उत्पादन वृद्धि में तेजी आई, जिससे उत्पादन मात्रा में वृद्धि हुई। नवंबर में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अक्टूबर की धीमी गति से वापसी की, एसएंडपी ग्लोबल पीएमआई 55.5 से बढ़कर 56.0 हो गया। यह बेहतर ऑपरेटिंग कंडीशन को दर्शाता है, हालांकि यह दूसरी तिमाही के औसत 57.9 से थोड़ा कम है। कुल मिलाकर, चीजें बेहतर दिख रही हैं। यदि रीडिंग 50 से ज्यादा है, तो इसका मतलब ग्रोथ है और यदि यह 50 से नीचे है, तो यह गिरावट का संकेत है। मुद्रास्फीति का दबाव शांत हो गया, और खरीद की लागत अगस्त 2020 के बाद से सबसे धीमी दर से बढ़ी। कंपनियों ने ज्यादातर अक्टूबर से अपनी फीस अपरिवर्तित रखी। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारत का मैन्युफैक्चरिंग उद्योग नवंबर में मजबूत रहा। उत्पादन वृद्धि में तेजी आई और सेक्टर की सफलता घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए व्यवसाय हासिल करने वाली कंपनियों पर निर्भर रही। हालिया रिपोर्ट में दिखाया गया है कि कीमतें बढ़ रही हैं लेकिन पहले जितनी नहीं। यह 40 महीनों में सबसे कम वृद्धि है और ऐतिहासिक रूप से कोई बड़ी बात नहीं है।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, निफ्टी इंट्रा-डे में आल टाइम हाई के पार

मुंबई।

दिसंबर माह के पहले और इस सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू बाजार हरे निशान में बंद हुए। सितंबर तिमाही के लिए उम्मीद से बेहतर आए जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों ने बाजार को मजबूती दी। इसके अलावा विदेशी बाजारों से मिले मजबूत संकेत भी मार्केट में उछाल के लिए जिम्मेदार रहे। 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 492.75 अंकों की उछाल के साथ 67,481.19 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 50 इंट्रा-डे में आल टाइम हाई पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 शुक्रवार को 134.75 अंकों की तेजी के साथ 20,267.90 पर बंद हुआ।

नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के बेहतर आंकड़ों ने भी बाजार के सेंटीमेंट को मजबूत किया। अक्टूबर में सुस्ती के बाद, ग्राहकों की बढ़ती मांग और इनपुट की बेहतर उपलब्धता के कारण नवंबर में पीएमई 55.5 से बढ़कर 56.0 हो गया। भारत के पास दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का टैग

बरकरार है, सरकारी खर्च और मैन्युफैक्चरिंग में बढ़त की वजह से सितंबर तिमाही में इसकी जीडीपी उम्मीद से कहीं ज्यादा 7.6 फीसदी की दर से बढ़ी है। बीएसई सेंसेक्स 30 में शामिल कंपनियों में आईटीसी, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, लॉर्सन एंड टुब्रो (एलटी) , बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, टाइटन, भारती एयरटेल इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं।

एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 8,147.85 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। एशियाई बाजारों में, शंघाई भी हरे निशान में बंद हुआ, जबकि सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए। यूरोपीय बाजार पॉजिटिव नोट के साथ में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए। इस बीच, बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.57 प्रतिशत गिरकर 80.40 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

व्हर्लपूल इंडिया के शेयरों में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली। मूल कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 24 फीसदी तक कम करने की घोषणा के बाद शुक्रवार को व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के शेयरों में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई।बीएसई पर व्हर्लपूल ऑफ इंडिया का शेयर 8.83 फीसदी गिरकर 1429 रुपये पर है। व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को 2024 में व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड (व्हर्लपूल इंडिया) में अपने स्वामित्व हित का 24 प्रतिशत तक बेचने की घोषणा की थी। व्हर्लपूल वर्तमान में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से व्हर्लपूल इंडिया में 75 प्रतिशत स्वामित्व हित रखता है, और इस तरह के लेनदेन के पूरा होने के बाद व्हर्लपूल इंडिया में बहुमत हित बनाए रखने का इरादा रखता है। कंपनी को उम्मीद है कि लेन-देन से प्राप्त आय का उपयोग ऋण कम करने के लिए किया जाएगा, जिससे बैलेंस शीट मजबूत होगी। व्हर्लपूल ने कहा कि वह भारत को विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बाज़ार के रूप में देखता है। व्हर्लपूल ने कहा, कंपनी नए उत्पाद लॉन्च करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी को नहीं लगता कि इस घोषणा से पहले जारी किए गए पूरे साल के मार्गदर्शन पर असर पड़ेगा।

आरबीआई ने एचडीएफसी, बैंक ऑफ अमेरिका सहित तीन बैंकों पर लगाया जुर्माना

- केंद्रीय बैंक ने सभी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का उल्लंघन करने पर एचडीफसी बैंक, बैंक ऑफ अमेरिका समेत तीन को-ऑपरेटिव बैंकों पर आर्थिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक आरबीआई ने इन सभी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। हफ्ते भर में आरबीआई का बैंकों और को-ऑपरेटिव पर यह दूसरी कार्रवाई है। एचडीफसी बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगा है। ये दोनों बैंक नॉन रेजिडेंट इंडियन से पैसा जमा करवाने के नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। आरबीआई के मुताबिक, दोनों बैंक फेमा कानून का उचित तरीके से पालन नहीं कर रहे थे। नोटिस का उचित जवाब नहीं मिलने पर इनसे जुर्माना वसूला जाएगा। आरबीआई की कार्यवाही के दायरे में तीन कोपरेटिव बैंक भी आए हैं। इनमें गुजरात के धांगधरा पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बैंक पर डिपॉजिट से जुड़े नियमों का सही से पालन न करने का आरोप है। इसके अलावा अहमदाबाद के मंडल नागरिक सहकारी बैंक पर 1.5 लाख रुपए और बिहार के पाटलीपुत्र सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक पर भी 1.5 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। केंद्रीय बैंक पिछले कुछ समय से लगातार बैंकों और को-ऑपरेटिव बैंकों पर सख्ती कर रहा है। आबीआई ने लगभग एक हफ्ते पहले नियमों का उल्लंघन कर रहे तीन बैंकों पर 10 करोड़ रुपए से भी ज्यादा जुर्माना लगाया था। साथ ही 5 को-ऑपरेटिव बैंकों पर भी कार्यवाही की थी। केंद्रीय बैंक ने सिटी बैंक पर 5 करोड़, बैंक ऑफ बड़ौदा पर 4.34 करोड़ और इंडियन ओवरसीज बैंक पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोका था। रिजर्व बैंक ने गाइडलाइन का पालन ठीक से नहीं करने की वजह से जुर्माना लगाया था। आरबीआई ने विभिन्न नियमों का उल्लंघन कर रहे 5 कोऑपरेटिव बैंकों पर भी जुर्माना लगाया था। इनमें श्री महिला सेवा सहकारी बैंक, पोरबंदर विभागीय नागरिक सहकारी बैंक, सर्वोदय नागरिक सहकारी बैंक, खंबात नागरिक सहकारी बैंक और वेजलपुर नागरिक सहकारी बैंक शामिल हैं। इन पर 25 हजार रुपए से 2.5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया गया था। इन जुर्मानों का ग्राहकों पर कोई असर नहीं पड़ता।

पंजाब सरकार ने गन्ने की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई

चंडीगढ़ ।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को गन्ने की कीमत में 11 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की घोषणा की और कहा कि 391 रुपये प्रति क्विंटल की नई दर देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले ही किसानों को आश्वासन दिया था कि उनके लिए अच्छी खबर आने वाली है। मान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 11 रुपये की बढ़ोतरी के साथ नई दर 391 रुपये प्रति क्विंटल होगी, जो देश में सबसे अधिक होगी। किसानों ने हाल ही में गन्ने का दाम 380 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने धानोवाली गांव के पास जालंधर-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के जालंधर-फगवाड़ा हिस्से को अवरुद्ध कर दिया था। चौथे दिन किसान नेताओं और मुख्यमंत्री मान के बीच हुई बैठक के बाद धरना खत्म किया गया था। मान ने पिछले सप्ताह कहा था ` कि जहां तक गन्ने की दर बढ़ाने का सवाल है, पंजाब हमेशा आगे रहा है। पड़ोसी राज्य हरियाणा ने पिछले महीने गन्ने की कीमत 14 रुपये बढ़ाकर 386 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की थी।

जनवरी 2024 में मारुति सुजुकी की गाडियां होगी महंगी

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया जनवरी 2024 में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी कम कीमत की छोटी कार ऑल्टो से लेकर मल्टी-यूटिलिटी वाहन इनविक्टो तक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 3.54 लाख रुपये से 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) के बीच है। हालांकि, कंपनी ने अब दाम कितने बढ़ाए जाएंगे इसकी कोई जानकारी नहीं दी। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, ''कंपनी ने समग्र मुद्रास्फीति और बढ़ी हुई जिंस कीमतों के चलते लागत दबाव में वृद्धि के कारण जनवरी 2024 में अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है। '' जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने भी कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने का हवाला देते हुए अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की है। नए साल में अन्य कंपनियां भी अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने पर विचार कर रही है।

आलू की खेती

मिट्टी व जलवायु

आलू अच्छी जल निकास वाली कार्बनिक पदार्थ से भरपूर बलूई दोमट मिट्टी में लगाएँ। पानी ठहरने वाली क्षारीय मिट्टी में आलू की फ़सल नहीं उगानी चाहिए। आलू की अच्छी बढ़वार के लिये हल्की जलवायु की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

आलू का बीज सरकारी संस्थानों और बीज निगमों से खरीदें। आलू का बीज तीन-चार साल बाद अवश्य बदल दें, वरना बीज में विषाणु रोग बढने की संभावना रहती है। अच्छा अंकुरित 30 - 40 ग्रा0 भार का आलू लगायें। आलू के बीज को बुआई से 10 दिन पूर्व ठंडे गोदाम से निकालें। पहले बीज को 24 घंटे के लिए प्रीकूलिंग चेम्बर में रखें इसके पश्चात बीज को छाया वाली जगह में कल्ले फुटाव के लिये रखें। इसी दौरान सडे हुये व बिना अंकुरित हुये आलू निकाल दें।

बुआई का समय

आलू की बुआई का उचित समय अक्टूबर का दूसरा पखवाडा है। यह समय इसलिये उपयुक्त है क्योंकि जिन स्थानों पर पाला दिसम्बर के आखिर में या जनवरी के प्रथम सप्ताह में पड़ता है अतः पाला पड़ने तक आलू को बढने के लिए पूरा समय मिल जाता है।

खेत में पूर्व से पश्चिम की दिशा में मेंड 5-6 से0मी0 दूरी पर बनाएँ और बीज को मेंड की उत्तरी ढलान पर 20-25 सें0मी0 की दूरी पर लगाएँ। 30-40 ग्राम. का आलू लिया गया हो तो एक हेक्टेअर के लिये 30-50 कुन्टल बीज के आवश्यकता होती है।

आलू देश की महत्वपूर्ण सब्जी वाली फसलों में से एक है, इसकी औसत पैदावार 161 कु. प्रति हेक्टेअर है, यदि उत्तम क़िस्मों और नवीन प्रौद्योगिकी को उपनाया जाए तो इसकी पैदावार को और अधिक बढ़ाया जा सकता है।

खाद और उर्वरक

आलू की अच्छी पैदावार लेने के लिये नाइट्रोजन, फ़ॉस्फ़रस एवं पोटाश की अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है इसके लिए 120-150 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन ;260-300 कि0ग्रा0 यूरिया, 80 कि0ग्रा0 फ़ॉस्फ़रस पोटाश ;500 कि0ग्रा0 सिंगल सुपर फ़ॉस्फ़ेट और 50-100 कि0ग्रा0 पोटाश ;130-160 कि0ग्रा0 म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हक्टेयर की दर से देने की सिफारिश की जाती है। मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों की मात्रा बढ़ाई या घटाई जा सकती है। फ़ॉस्फ़रस व पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की आधी मात्रा बुआई से पहले मेंड बनाने के पहले ज़मीन के ऊपर छिड़क दें। इसके बाद मेंड बनाएँ नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा बुआई के 30-35 दिन बाद मिट्टी चढाने से पहले व सिंचाई देने के बाद दें जिन किसानों के पास गोबर की खाद उपलब्ध हो वे 10-20 टन प्रति है0 की दर से आलू की बुआई से एक माह पूर्व खेत में डालें गोबर की खाद की मात्रा के अनुसार, उर्वरकों की मात्रा घटाई जा सकती है ।

सिंचाई

आलू की फ़सल में हल्की व जल्दी सिंचाई की आवश्यकता होती है। सिंचाई करते समय ध्यान रखें कि मेंडों में पानी हमेशा 3/5 उंचे हिस्से तक ही दें आलू अच्छी नमी वाली ज़मीन में लगाएँ एवं पहली सिंचाई पौधे उग आने के करीब 15-20 दिन बाद करें दूसरी सिंचाई पहली सिंचाई के 15 दिन बाद करें स्टोलोनाइजेशन एवं कन्द बनने की अवस्था में सिंचाई की कमी न होने दें वरना आलू की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। इन अवस्थाओं के बीच में फ़सल में 10-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करते रहें आलू को खोदने से पहले सिंचाई बंद कर दें ।

खरपतवार नियंत्रण

आलू की फ़सल में खरपतवार नहीं पनपने दें इसके लिए खुरपी से खरपतवारों को बाहर निकालते रहे यदि खरपतवारनाशी दवाइयों को प्रयोग करना हो तो मैट्रीब्यूजीन ;मोटोवीर कि ग्रा.प्रति हेक्टेअर 600-700 लीटर पानी में मिलाकर जमने से पहले छिड़कें ।

पौध संरक्षण

आलू की फ़सल में मुख्यतः कुतरने वाले कीड़े, जैसिड और माहू नुकसान पहुँचाते हैं कुतरने वाले कीडों की रोकथाम के लिये क्लोरवीर 4 प्रतिशत धूल वाला 25-30 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर की दर से ज़मीन में मिला दें जैसिड व माहू की रोकथाम के लिये क्लोरवीर 2 मि. ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर उपरोक्त कीडों का प्रकोप दिखाई देते ही छिड़काव करें। आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद दुबारा छिड़काव करें ।अगेती अंगमारी, पछेती, पत्तियों का मुड़ना, चित्ती रोग व सूत्रकृमि आलू की मुख्य बीमारी हैं। अगेती व पछेती अंगमारी की रोकथाम के लिए फ़सल पर बीमारी के लक्षण, अगेती अंगमारी- पुरानी पत्तियों पर गहरे भूरे धब्बे, पछेती अंगमारी- पत्तियों के किनारे पर छोटे भूरे रंग के धब्बे दिखाई देने पर या बादल व अधिक आर्द्रता वाला मौसम होने पर वीर एम. 45 या डाइथेन जेड 78 या ब्लाइसक्स 2 ग्राम. प्रति ली. पानी में मिलाकर अच्छी तरह पत्तियों पर छिड़क दें जिससे पत्तियाँ दोनों तरफ से भीग जाएँ यदि आवश्यकता पडे तो 15 दिन बाद इन्हीं दवाईयों का छिड़काव करें ।पत्तियों का मुड़ना एवं चित्ती रोग की रोकथाम के लिए रोग के आक्रमण की प्रारम्भिक अवस्था के लक्षण दिखाई देते ही रोगग्रस्त पौधों को निकाल कर ज़मीन में दबा दें ।जड़ गांठ वाले सूत्रकृमि से बचाव के लिये आलू बोने से पहले गर्मियों में खेत की 2-3 बार गहरी जुताई करें और बीज की रोपाई से पहले खेत में 2 कि0ग्रा0 एल्डीकार्ब-कार्बोफयूरान प्रति है, की दर से मिलाने से सूत्रकृमि के प्रकोप से बचा जा सकता है ।

पाले से बचाव

उत्तरी व पश्चिमी भारत में दिसम्बर के आखरी व जनवरी के प्रथम सप्ताह में पाला पड़ने की सम्भावना रहती है । यदि पाला पड़ने की सम्भावना हो तो किसान आलू की फ़सल में तुरन्त सिंचाई करें खेत में रात को ही हवा की दिशा के अनुसार धुआँ करके पाले से फ़सल को बचा सकते हैं ।

ब्रोकोली की खेती

इसकी खेती पिछले कई वर्षों में धीरे-धीरे बडे शहरों के आस-पास कुछ किसान करने लगे हैं । बडे महानगरों में इस सब्जी की मांग भी अब बढने लगी है । पाँच सितारा होटल तथा पर्यटक स्थानों पर इस सब्जी की मांग बहुत है तथा जो किसान इसकी खेती करके इसको सही बाजार में बेचते हैं उनको इसकी खेती से बहुत अधिक लाभ मिलता है

सब्जियों की खेती से जहां किसान की आमदनी बढ़ती है। वहीं अच्छे स्वास्थ्य के लिए सब्जियाँ , भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। अपने देश में लगभग 50 तरह की भिन्न प्रकार की सब्जियाँ उगाई जाती हैं जिनमें से कुछ को बाहर विदेशों में बेचकर विदेशी मुद्रा भी कमाई जाती है । आगे आने वाले समय में सब्जियों का उत्पादन तथा निर्यात दोनों ही बढ़ने की काफ़ी संभावनाएँ हैं । जहाँ हम जानी पहचानी काफ़ी तरह की सब्जियाँ अपने देश में उगा रहे हैं वहां अभी भी कुछ ऐसी सब्जियाँ हैं जो आर्थिक व पौष्टिकता की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस तरह की सब्जियों में ब्रोकोली का नाम बहुत महत्वपूर्ण है । इसकी खेती पिछले कई वर्षों में धीरे-धीरे बडे शहरों के आस-पास कुछ किसान करने लगे हैं । बडे महानगरों में इस सब्जी की मांग भी अब बढने लगी है । पाँच सितारा होटल तथा पर्यटक स्थानों पर इस सब्जी की मांग बहुत है तथा जो किसान इसकी खेती करके इसको सही बाजार में बेचते हैं उनको इसकी खेती से बहुत अधिक लाभ मिलता है क्योंकि इसके भाव कई बार 30 से 50 रूपये प्रति कि0ग्रा0 तक मिल जाते हैं । यहां ये बताना उचित रहेगा कि ब्रोकोली की खेती करने से पहले इसको बेचने का किसान जरूर प्रबंध कर लें क्योकि यह अभी महानगरों, बड़े होटल तथा पर्यटक स्थानों तक ही सीमित है। साधारण अथवा मध्यम या छोटे बाजारों में अभी तक ब्रोकोली की मांग नहीं है क्योंकि अभी तक लोग इसके बारे में कम या बिल्कुल नहीं जानते। ब्रोकोली की सफल खेती के लिये नीचे दी गई जानकारी लाभदायक होगी। ब्रोकोली की खेती ठीक फूलगोभी की तरह की जाती है। इसके बीज व पौधे देखने में लगभग फूल गोभी की तरह ही होते हैं। ब्रोकोली का खाने वाला भाग छोटी छोटी बहुत सारी हरे फूल कलिकाओं का गुच्छा होता है जो फूल खिलने से पहले पौधों से काट लिया जाता है और यह खाने के काम आता है। फूल गोभी में जहां एक पौधे से एक फूल मिलता है वहां ब्रोकोली के पौधे से एक मुख्य गुच्छा काटने के बाद भी , पौधे से कुछ शाखायें निकलती हैं तथा इन शाखाओं से बाद में ब्रोकोली के छोटे गुच्छे बेचने अथवा खाने के लिये प्राप्त हो जाते है।

भूमि व खेत की तैयारी

जलवायु : ब्रोकोली को उत्तर भारत के मैदानी भागों में जाड़े के मौसम में अर्थात? सितम्बर मध्य के बाद से फरवरी तक उगाया जा सकता है।

मिट्टी : इस फ़सल की खेती कई प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है लेकिन सफ़ल खेती के लिये बलुई दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है।

नर्सरी तैयार करना = सितम्बर मध्य से नवम्बर के शुरू तक पौध तैयार की जा सकती है बीज बोने के लगभग 4 से 5 सप्ताह में इसकी पौध खेत में रोपाई करने योग्य हो जाती हैं इसकी नर्सरी ठीक फूलगोभी की नर्सरी की तरह तैयार की जाती है।

क़िस्में

ब्रोकोली की लगभग सभी क़िस्में विदेशी हैं। जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-प्रीमियम क्रॉप, टोपर, ग्रीन कोमट, क्राईटेरीयन आदि। कई बीज कम्पनियाँ अब ब्रोकोली के संकर बीज भी बेच रहीं हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने हाल ही में पूसा ब्रोकोली 1% क़िस्म की खेती के लिये सिफ़ारिश की है तथा इसके बीज थोड़ी मात्रा में पूसा संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, कटराइन कुल्लू घाटी , हिमाचल प्रदेश से प्राप्त किये जा सकते हैं।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीक़ा

बीज की मात्रा : एक हेक्टेअर की पौध तैयार करने के लिये लगभग 375 से 400 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

रोपाई: नर्सरी में जब पौधे 8-10 या 4 सप्ताह के हो जायें तो उनको तैयार खेत में कतार से कतार , पक्ति से पंक्ति में 15 से 60 से. मी. का अन्तर रखकर तथा पौधे से पौधे के बीच 45 सें0मी0 का फ़सला देकर रोपाई कर दें। रोपाई करते समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए तथा रोपाई के तुरन्त बाद हल्की सिंचाई अवश्य करें।

बुआई : पौध की रोपाई दोपहर के बाद अथवा शाम के समय करें।

खाद और उर्वरक

अच्छी पैदावार लेने के लिये निम्न खाद की मात्रा प्रति हेक्टेअर देना लभदायक रहेगा 7 खाद मिट्टी परीक्षण के आधार पर दे -

गोबर की खाद	: 50-60 टन
नाइट्रोजन	:100-120 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर
फॉसफोरस	:45-50 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर

गोबर तथा फ़ॉस्फ़रस खादों की मात्रा को खेत की तैयारी में रोपाई से पहले मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला दें। नाइट्रोजन की खाद को 2 या 3 भागों में बांटकर रोपाई के क्रमशः 25 ,45 तथा 60 दिन बाद प्रयोग कर सकते हैं। नाइट्रोजन की खाद दूसरी बार लगाने के बाद, पौधों पर परत की मिट्टी चढाना लाभदायक रहता है 7

निराई-गुड़ाई व सिंचाई

मिट्टी मौसम तथा पौधों की बढ़वार को ध्यान में रखकर , इस फ़सल में लगभग 10-15 दिन के अन्तर पर हल्की सिंचाई की आवश्यकता होती है।

पौध संरक्षण

कीड़े व बीमारियाँ :अगर मौसम में बादल हों अथवा कुछ वर्षा होकर वातावरण थोड़ा गर्म व नम हो जाये तो ब्रोकोली की फ़सल पर पाउडरी मिल्ड्यू अर्थात फूंदी का चूर्ण रोग नुकसान करता है। इसके बचाव के लिये कैराथेन 2 ग्रा. दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर पौधों पर छिड़काव करें।

कटाई व उपज

फ़सल में जब हरे रंग की कलियों का मुख्य गुच्छा बनकर तैयार हो जाये तो इसको तेज़ चाकू या दरांती से कटाई कर लें। ध्यान रखें कि कटाई के साथ गुच्छा खूब गुंथा हुआ हो तथा उसमें कोई कली खिलने न पाएँ। ब्रोकोली को अगर तैयार होने के बाद देर से कटाई की जाएगी वह ढीली होकर बिखर जायेगी तथा उसकी कली खिलकर पीला रंग दिखाने लगेगी ऐसी अवस्था में कटाई किये गये गुच्छे बाजार में बहुत कम दाम पर बिक सकेंगे। मुख्य गच्छा काटने के बाद, ब्रोकोली के छोटे गुच्छे ब्रिकी के लिये प्राप्त होंगें। ब्रोकोली की अच्छी फ़सल से लगभग 12 से 15 टन पैदावार प्रति हेक्टेअर मिल जाती है।

बैंगन की शानदार खेती

बैंगन एक पौष्टिक सब्जी है। इसमें विटामिन ए एवं बी के अलावा कैल्शियम, फ़ॉस्फ़रस तथा लोहे जैसे खनीज भी होते है। यदि इसकी उपयुक्त उत्तम क़िस्में तथा संकर किस्में बोई जाए और उन्नत वैज्ञानिक सस्य क्रियाऐं अपनाई जाएँ तो इसकी फ़सल से काफ़ी अधिक उपज मिल सकती है।

क़िस्में

पूसा हाईब्रिड -5

पौधे की अच्छी बढ़वार तथा शाखाएँ ऊपर को उठी हुई होती है, फल मध्यम लम्बाई के, चमकदार तथा गहरे बैंगनी रंग के होते है। बुआई से पहली तुड़ाई में 85- 90 दिन लगते है। उत्तरी तथा मध्य भारत के मैदानी क्षेत्रों तथा समुद्र तट को छोड़ कर कर्नाटक, केरल, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु क्षेत्र के लिये उपयुक्त है। उपज 450 से 650 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

पूसा हाईब्रिड-6

पौधे मध्यम सीधे खडे रहने वाले होते हैं। फल गोल, चमकदार, आकर्षक बैंगनी रंग के होते है, प्रत्येक फल का वजन लगभग 200 ग्राम होता है। बुआई से पहली गुड़ाई में 85-90 दिन लगते है। उपज 400-600 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

पूसा हाईब्रिड 9

पौधे सीधे खडे रहने वाले होते हैं। फल अण्डाकार गोल, चमकदार बैंगनी रंग के होते हैं। प्रत्येक फल का वजन लगभग 300 ग्राम होता है । बुआई के पहली तुडाई में 85-90 दिन लगते है । गुजरात तथा महाराष्ट्र क्षेत्र के लिए उपयुक्त है । इसकी औसत उपज 500 क्विंटल प्रति हेक्टेअर है।

पूसा क्रान्ति

इस क़िस्म के फल गहरे बैंगनी रंग के मध्यम लम्बाई के होते है । यह क़िस्म बसन्त तथा सर्दी दोनों मौसमों के लिये उपयुक्त पाई गई है । इसकी औसत उपज 300 किंवटल प्रति हेक्टेअर है।

पूसा भैरव

इसके फल गहरे बैंगनी रंग के थोड़े मोटे व कुछ लम्बे होते है । यह क़िस्म फल-गलन रोग प्रतिरोधी है।

पूसा पर्पल कलस्टर

पौधें सीधे खडे रहने वाले होते है। पत्तियाँ रगंदार होती है। फल 9 से 12 सें0मी0 लम्बे तथा गुच्छे में लगते है। यह क़िस्म पहाडी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। यह क़िस्म फल तथा तना छेदक, जीवाणु तथा उकटा रोग के लिए कुछ रोधक है।

पालक की खेती

पत्ती वाली सब्जियों में कैल्सियम, आयरन इत्यादि खनिज तत्व व विटामिन 'ए' 'बी' काम्पलैक्स व 'सी' बहुतायत में पाये जाते हैं। पत्ती वाली सब्जियों में पालक का महत्तवपूर्ण स्थान है। जो कि मुख्यत: अपनी मुलायम एवं कोमल पत्तियों के लिए उगाया जाता है। पालक का कोमल तना भी प्रयोग में लाया जाता हैं पालक की खेती सर्दियों में अधिक की जाती है।

भूमि और जलवायु

पालक की खेती पूरे साल विभिन्न प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। परन्तु अत्यधिक तापक्रम इसके लिए हानिकारक होता है। अतः सर्दियों के महीने पालक की खेती के लिए उपयुक्त होते हैं।

भूमि की तैयारी

पालक को पर्याप्त उर्वरता वाली सभी प्रकार की मिट्टीयों में उगाया जा सकता है। भूमि में जल निकास का भी उचित प्रबन्ध होना चाहिए। बलुई दोमट पालक के विकास के लिए अच्छी भूमि होती है। पालक की प्रजाति जैसे जोबनेर ग्रीन इत्यादि को 8 से 10 पी. एच. मान की क्षारीय भूमियों में भी उगाया जा सकता है। पालक की बुआई के लिए खेत को 3-4 जुताइयाँ करके

मिट्टी को भुरभुनी बना लेना चाहिए। उचित जलनिकास के लिए खेत को पाटे द्वारा समतल करना भी आवश्यक होता है।

प्रजातियां

भारत में पालक की बहुत सी प्रजातियां उगाई हैं परन्तु अधिक पोषक तत्वों एवं मुलायम पत्तियों वाली कटाई के बाद अच्छी और जल्दी पुर्नवृद्धि वाली एवं देर से कल्ले फूटने वाली प्रजाति ही अच्छी मानी जाती है। पालक की कुछ मुख्य प्रजातियां निम्नलिखित हैं-

पालक आल ग्रीन ,पालक पूसा ज्योति, पालक हरित, पालक भारती , जोवनेर ग्रीन ।

बुआई

मैदानी क्षेत्रों में पालक की बुआई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। 1 बसन्त ऋतु के शुरू में ,2 वर्षा के शुरू में , 3 मुख्य फ़सल सितम्बर व नवम्बर के मध्य में बीज द्वारा तैयार खेत में पंक्तियों में बुआई करना उचित रहता है। क्योंकि पंक्तियों में बुआई करने से खरपतवार नियंत्रण , अन्तःकर्षण क्रियाएं एवं कटाई आसानी से की जा सकती है। बीज को 20 सें0मी0 की दूरी पर बनी पंक्तियों में 3-4 सें0मी0 की गहराई पर बोना चाहिए। यह ध्यान रहें कि बीज बोने से पहले खेत में पर्याप्त नमी रहनी चाहिए। एक हेक्टेअर क्षेत्र. की बुआई के लिए 25-30 कि. ग्राम. बीज काफी रहता है।

खाद एवं उर्वरक

पत्तियों वाली सब्जियों के लिए नाइट्रोजन बहुत ही आवश्यक तत्व है। खेत की तैयारी अर्थात् बुआई से 12-15 दिन पहले 15 - 20 टन प्रति हेक्टेअर के हिसाब से गोबर की खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। 30 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन, 25 कि0ग्रा0 फॉस्फोरस एवं 50 कि0ग्रा0 पोटाश बुआई से पहले खेत तैयार करते समय मिट्टी में मिला दें। हरी एवं मुलायम पत्तियों कटाई के बाद खेत में डालनी चाहिए।

सिंचाई

पालक में सिंचाई मौसम एवं मिट्टी की स्थिति पर निर्भर करती है। यदि खेत में बुआई के समय पर्याप्त नमी न हो तो बुआई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बसन्त एवं गर्मी के मौसम में छः से सात दिन के अन्तराल तथा सर्दियों में दस से पन्द्रह दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

फ़सल सुरक्षा

डेम्पिंग ऑफ एवं सरकोस्पोरा ड्डलीफ स्पोट मुख्य बीमारियाँ हैं। डेम्पिंक ऑफ से बचने के लिए बीज को बुआई से पहले 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से कैप्टन या थिरम से उपचारित करना चाहिए। जबकि सरकोस्पोरा लीफ स्पाट, जिसमें पत्तियों पर भूरे रंग के गोल घब्बे बन जाते हैं, के नियंत्रण के लिए ब्लाइटाक्स ;कॉपर आक्सीक्लोराइड दवाई ; दो ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीटल, पत्ती खाने वाला लार्वा, टिड्डा और एफिड कीड़े पालक को नुकसान पहुँचाते हैं। इन कीडों की रोकथाम के लिए मिथाइल पेराथियोन 50 ई0सी0 की दो ग्राम प्रति लीटर पानी में छिड़काव करने से पत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले कीडों से बचाया जा सकता है।

पंजाब सरकार ने गन्ने की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को गन्ने की कीमत में 11 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की घोषणा की और कहा कि 391 रुपये प्रति क्विंटल की नई दर देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले ही किसानों को आश्वासन दिया था कि उनके लिए अच्छी खबर आने वाली है। मान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 11 रुपये की बढ़ोतरी के साथ नई दर 391 रुपये प्रति क्विंटल होगी, जो देश में सबसे अधिक होगी। किसानों ने हाल ही में गन्ने का दाम 380 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने धानोवाली गांव के पास जालंधर-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के जालंधर-फगवाड़ा हिस्से को अवरुद्ध कर दिया था। चौथे दिन किसान नेताओं और मुख्यमंत्री मान के बीच हुई बैठक के बाद धरना खत्म किया गया था। मान ने पिछले सप्ताह कहा था कि जहां तक गन्ने की दर बढ़ाने का सवाल है, पंजाब हमेशा आगे रहा है। पड़ोसी राज्य हरियाणा ने पिछले महीने गन्ने की कीमत 14 रुपये बढ़ाकर 386 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की थी।

दिल्ली एनसीआर की हवा फिर जहरीली कई इलाकों में 400 के पार पहुंचा

नई दिल्ली । साल के आखिरी महीने की शुरुआत से ही दिल्ली में हवा जहरीली होती दिखाई दे रही है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे के दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। कई प्रमुख शहरों में भी प्रदूषण का स्तर 300 के पार ही दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा एक बार फिर जहरीली होती नजर आ रही है। नवंबर की शुरुआत से ही दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना दुश्वार हो गया है। पूरे नवंबर दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में लोग साफ हवा में सांस लेने को तरस गए हैं। माह दिसंबर के पहले दिन दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। हालांकि, सप्ताह की शुरुआत में प्रदूषण स्तर में गिरावट देखी जा रही थी, जिसके कारण सुधार की उम्मीद थी, लेकिन अब प्रदूषण का स्तर दोबारा बढ़ने लगा है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे के दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। वहीं, दिल्ली के अधिकतर इलाकों में भी एक्यूआई 400 के पार रहा है। दिल्ली के आनंद विहार में शुक्रवार की सुबह 9 बजे एक्यूआई 407, द्वारका सेक्टर-8 में 400, जहांगीरपुरी में 402, लोधी रोड में 349, रोहिणी में 400, वजीरपुर में 423 और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में एक्यूआई 381 दर्ज किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर में भी हवा की हालत काफी खराब बनी हुई है। नोएडा में एक्यूआई 360, ग्रेटर नोएडा में 376, गाजियाबाद में 340, फरीदाबाद में 380 और गुरुग्राम में एक्यूआई 330 दर्ज किया गया है। पिछले चौबीस घंटे के भीतर ही प्रदूषण के सूचकांक में 108 अंकों का इजाफा हुआ है। 18 इलाकों की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिससे यह पता लगाया जाता है कि एक शहर की हवा कितनी प्रदूषित है। एक्यूआई को अलग-अलग स्तर पर बांटा गया है, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि कहां-कैसी स्थिति है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब, 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

बेंगलुरु के 15 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु । कर्नाटक में बेंगलुरु के 15 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी शुक्रवार 1 दिसंबर को ई-मेल के द्वारा दी गई। सभी स्कूलों को एक साथ ई-मेल आया, जिसमें दावा किया गया कि स्कूलों के अंदर बम रखे गए हैं। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस से स्कूलों से स्टूडेंट्स को बाहर निकलकर तलाशी शुरू की। मौके पर बम डिफ्यूजल स्क्वॉड की टीम पहुंची। हालांकि, अभी तक कुछ नहीं मिला है। बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि सभी स्कूल शहर के अलग-अलग हिस्सों में हैं। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। बम की सूचना पर स्टूडेंट्स के पेरेंट्स अपने-अपने बच्चों को लेने के लिए आ गए थे। इससे अफरा-तफरी मच गई। सभी छात्रों और स्कूल स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। घबराने वाली कोई बात नहीं है। पुलिस ने बताया कि पिछले साल बेंगलुरु के सात स्कूलों को इस तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन यह सिर्फ अफवाह निकली। घटना की सूचना के बाद कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार एक स्कूल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। डिप्टी सीएम ने कहा, मैंने स्कूल में बम की खबर टीवी पर देखी तब घबरा गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कुछ मेरे घर के पास हैं। पुलिस ने मुझे ई-मेल दिखाया है। यह फर्जी लग रहा है। हम 24 घंटे में उन्हें पकड़ने की तैयारी में जुट गए हैं। साइबर क्राइम पुलिस सक्रिय है, वे अपना काम कर रहे हैं। मैंने पुलिस से बात की, लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए।

2 हजार के करीब 97 फीसद नोट वापस आए

नई दिल्ली । आरबीआई ने बताया है कि 19 मई 2023 तक जितने 2000 के नोट सर्कुलेशन में थे उसमें से 97.26 फीसदी बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। 19 मई तक 3.56 लाख करोड़ की वैल्यू के 2000 वाले नोट सर्कुलेशन में थे। 30 नवंबर 2020 तक केवल 9,760 करोड़ की वैल्यू के 2000 वाले नोट सर्कुलेशन में रह गए हैं। आरबीआई ने यह बात कही है। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को सर्कुलेशन से बाहर कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने इसके पीछे क्लीन नोट पॉलिसी का हवाल दिया था। हालांकि, 2000 के नोट को अमान्य नहीं किया गया था। इसके बाद करीब 4 महीने का समय 2000 के नोट वापस करने या बदलवाने के लिए दिया गया था। पहले अंतिम तारीख 30 सितंबर रखी गई। बाद में बढ़कर 7 अक्टूबर किया गया। तब तक नोट किसी भी बैंक या आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में बदले जा सकते थे। अब 2000 रुपये के नोट आप आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस के जरिए भेज सकते हैं। इसके अलावा आप इंडिया पोस्ट के जरिए भी नोट को आरबीआई के ऑफिस भेज सकते हैं। ऐसा करते समय इस बात का ध्यान रखें कि प्रक्रिया पूरी तरह सही हो और वैलिड पहचान पत्र के साथ होना चाहिए। पहचान पत्र में पैन कार्ड, आधार कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस मान्य हैं। नोट जमा करने के बाद उतनी वैल्यू आपके अकाउंट में दिखने लगेगी।

जलवायु परिवर्तन पर भारत अपनी विस्तारित निधि पर रहेगा कायम

नई दिल्ली । जलवायु परिवर्तन के मामले में भारत की अपनी नीति है,उसको कायम रखने के लिए सरकार ने हमेशा ही अपना पक्ष मजबूती से रखा है। जलवायु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों को मुआवजा देने के लिए भारत एक विस्तारित निधि पर दे जोर दे सकता है। वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन 30 नवंबर को शुरू होगा और 12 दिसंबर, 2023 को समाप्त होगा। ऊर्जा परिवर्तन को तेज़ करने और उत्सर्जन में कटौती करने के उद्देश्य से 70,हजार से अधिक प्रतिनिधियों के सीओपी 28 में भाग लेने की उम्मीद है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जलवायु परिवर्तन सम्मेलन की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। पिछले साल सीओपी 27 में, प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन प्रभावों से पीड़ित विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पार्टियों द्वारा हानि और क्षति कोष पर सहमति व्यक्त की गई थी। हानि और क्षति कोष एक प्रकार का क्षतिपूर्ति पैकेज है जहां अमीर देशों को विकासशील देशों को नुकसान की लागत का भुगतान करना पड़ता है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। वैश्विक हानि और क्षति निधि (हानि और क्षति निधि) का संचालन सीओपी 28 में एक प्रमुख फोकस होगा, जिसमें पात्रता आवश्यकताओं, धन स्रोतों, निधि के दायरे और क्या विश्व बैंक अंतरिम ट्रस्टी और मेजबान के रूप में काम करेगा पर विचार शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारी ने को बताया कि शुरुआती चार साल की अवधि के लिए यह फंड दिया जाएगा। एक विकासशील देश होने के नाते, सीओपी 28 शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। भारत ग्रीनहाउस गैसों के शीर्ष उत्सर्जकों में से एक है और यहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी भी रहती है। तीन साल में दूसरी बार प्रधानमंत्री मोदी वार्षिक जलवायु सम्मेलन में शामिल होंगे. सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आगामी सीओपी 28 को भारत के लिए अपनी जी 20 उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है।

तेलंगाना चुनाव में व्यस्त रहा और आंध्र प्रदेश नें बांध पर कर लिया कब्जा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना से एक चौंकाने वाली खबर आई है। खबर पानी चोरी की है। ये चोरी भी किसी पेशेवार चोर ने नहीं की है। बल्कि एक सरकार पर ही इस तरह के आरोप लग रहे हैं। आंध्र प्रदेश सरकार पर आरोप है कि उसने पहले से पानी चोरी की तैयारी कर ली थी। इधर तेलंगाना में चुनाव होंगे ओर आंध्रप्रदेश सरकार बांध का पानी अपनी तरफ मोड़ लेगी। यहां का प्रशासन चुनाव में इस कदर व्यस्त हो गया कि राज्य में कहां क्या चल रहा है इसकी किसी को कोई भनक ही नहीं लगी। कृष्णा नदी पर बने नागार्जुन सागर बांध के आधे हिस्से को आंध्र प्रदेश ने अपने कंट्रोल में ले लिया और पानी अपनी ओर मोड लिया। मालूम हो कि साल 2014 से ही तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच बांध को लेकर विवाद चला आ रहा है जब ये दोनों राज्य अलग हुए थे। दोनों राज्यों के अलग होने के बाद से ही पानी को लेकर विवाद होता रहा है और उसका कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला गया है।

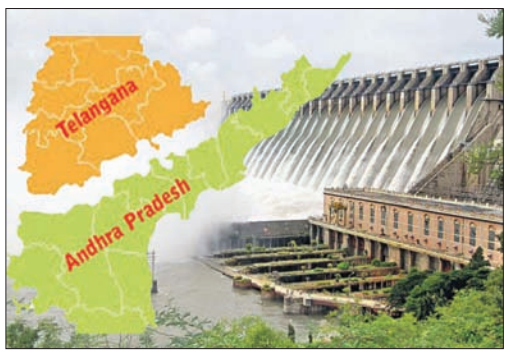

तेलंगाना की के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) सरकार ने इसे लेकर कृष्णा रिवर मैनेजमेंट बोर्ड से शिकायत की है। इसमें आंध्र प्रदेश की वायएसआरसीपी सरकार की ओर से बांध पर कब्जा जमाने और कुछ हिस्सों पर बैरिकेड लगाने का आरोप है। केआरएमबी ही दोनों राज्यों के बीच पानी का बंटवारा करता है। आंध्र प्रदेश पुलिस के करीब 400 जवान राज्य सिंचाई अधिकारियों के साथ गुरुवार को रात 1 बजे तक बांध के पास मौजूद रहे। इस तरह चुनावी राज्य तेलंगाना की पुलिस को हैरत में डालते हुए उन्होंने बांध के 36 गेट्स में से आधे पर कंट्रोल स्थापित कर लिया। जब तेलंगाना के अधिकारी और कुछ पुलिसकर्मी नालगोंडा में बांध के पास पहुंचे तो इसे लेकर आंध्र प्रदेश के पुलिसकर्मियों के साथ उनकी बहस होने लगी। इस पर एपी अधिकारियों ने तर्क दिया कि वे लोग अपनी सरकार से मिले आदेश का पालन कर रहे हैं। इस तरह की बातें सुनकर तेलंगाना के अधिकारी वापस लौट गए।

रिपोर्ट के मुताबिक तेलंगाना के अधिकारियों ने बताया कि आंध्र प्रदेश की ओर से इस तरह की हरकत 3 साल पहले भी की गई थी जिसे नाकाम कर दिया गया। सीएम केसीआर की ऑफिस के सीनियर अधिकारी ने बताया, हमें जानकारी मिली है कि आंध्र प्रदेश सरकार 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ रही है। रेगुलेटर गेट्स के लिए उन्होंने अलग से पावर लाइन की व्यवस्था की है। इससे साफ पता चलता है कि आंध्र प्रदेश सरकार बीते कई हफ्तों से इसकी तैयारी कर रही थी। उन लोगों ने सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले हैं।

भाजपा सबसे धनी पार्टी... वित्तीय वर्ष 2022-23 में मिला 720 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावों के दौरान काफी अच्छा चंदा मिला है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनियों, चुनाव ट्रस्ट, व्यक्ति और सांसदों पर जमकर और दिल खोलकर दान मिला है। भाजपा को कुल मिलाकर वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 720 करोड़ रुपये का चंदा मिला। भाजपा को इसके पहले वर्ष 2020-21 में 477 करोड़ रुपये का चंदा मिला था, जिसमें हर वर्ष बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस वर्ष अक्टूबर के महीने में ही निर्वाचन आयोग में चंदा रिपोर्ट को दाखिल किया गया है। निर्वाचन आयोग ने चंदा रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। इस सार्वजनिक हुई रिपोर्ट के बाद सामने आया है कि सत्तारुढ़ दल भाजपा को साल 2022-23 के दौरान 719.83 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। इस हिसाब से भाजपा ही देश की सबसे धनी पार्टी बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारती एंटरप्राइजेज समर्थित 'प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट' ने 254.75 करोड़ रुपये का चंदा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रस्ट द्वारा चंदा कई किस्तों में दिया गया। राजनीतिक दलों को हर साल एक वित्तीय वर्ष में 20,000 रुपये से अधिक का चंदा देने वालों का विवरण निर्वाचन आयोग को जमा करना होता है। बता दें कि चुनाव कानून प्रावधानों के मुताबिक 20 हजार रुपये से अधिक खर्च करने की अनुमति वाले चुनाव के लिए मिले चंदे की रिपोर्ट चुनाव आयोग को दाखिल करनी होती है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद से पार्टी के चंदे में इजाफा हुआ है। पार्टी उसके बाद से लगातार शीर्ष पर काबिज है।

आरएसएस पर राहुल गांधी का फिर से वार,

बताया पुरुषों का संगठन, बोले- महिलाओं को कभी नहीं दिया मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए और अगले 10 वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत महिलाओं को मुख्यमंत्री बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। केरल महिला कांग्रेस के सम्मेलन %उत्साह% का उद्घाटन करते हुए वायनाड सांसद ने कहा कि उनकी पार्टी में कई महिला नेता हैं जिनमें मुख्यमंत्री बनने के लिए आवश्यक गुण हैं। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस की महिलाओं से भरा यह हॉल देखकर मुझे काफी खुशी हो रही है। दिक्कत बस यही है कि मंच पर सिर्फ पुरुषों का ही बोलबाला है। लेकिन अब हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि कांग्रेस पार्टी के हर स्तर पर महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी हो।

निशाने पर भाजपा

राहुल ने कहा कि यह पहली बार है जब मैंने संसद में कोई विधेयक पारित होते देखा है जिसे एक दशक बाद लागू किया जाएगा। भाजपा जिस एकमात्र विधेयक को पारित होने के 10 साल बाद लागू कर रही है, वह महिला शक्ति से संबंधित है। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य लड़ाई यह है कि महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। राहुल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम की तस्वीरों में आप महात्मा गांधी जी को हमेशा महिलाओं के साथ खड़े देखेंगे। आजादी की लड़ाई में महिलाएं सबसे आगे थीं।

आरएसएस पर वार

पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस में कई महिला अध्यक्ष रहीं। महिलाओं को सत्ता संरचना का हिस्सा होना चाहिए। आरएसएस के इतिहास में, इसने कभी भी महिलाओं को अपने खेमे में आने की अनुमति नहीं दी है। आरएसएस में महिलाओं को सत्ता में हिस्सेदारी की इजाजत नहीं। उन्होंने कहा कि हम मूलतः महिलाओं को सत्ता संरचना में लाना चाहते हैं। हमारी अधिकांश योजनाएं महिलाओं की सहायता के लिए बनाई गई हैं।

मोहब्बत की दुकान

कांग्रेस नेता ने कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में, जो नफरत और हिंसा से भरा हुआ है, महिलाएं सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह महत्वपूर्ण है कि महिला कांग्रेस हमारे विपक्ष द्वारा प्रचारित नफरत और हिंसा के माहौल से लड़े। मैं उन लाखों कांग्रेस महिलाओं को धन्यवाद देता हूं जो हर दिन हमारी विचारधारा के लिए लड़ती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी होने का क्या मतलब है? हम दूसरों से कैसे भिन्न हैं? जवाब में उन्होंने कहा कि हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलते हैं।

3 दिसंबर को आने वाले चक्रवाती तूफान ने बढ़ाई चिंता, कई राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि 3 दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान आने की संभावना है। हालांकि, इसका असर ओडिशा तक जाने की संभावना नहीं है। आईएमडी ने कहा है कि संभावित चक्रवात के प्रभाव का आकलन शुक्रवार को समुद्र में दबाव बनने के बाद ही किया जा सकता है। आईएमडी वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा कि संभावित चक्रवात के मार्ग और अन्य मापदंडों का अनुमान अवसाद के गठन के बाद ही लगाया जा सकता है। इसलिए हमने ओडिशा या तट पर किसी अन्य स्थान पर प्रभाव के बारे में कुछ नहीं बताया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगले चार दिनों तक ओडिशा तट के लिए कोई चेतावनी नहीं है। उन्होंने कहा कि ओडिशा तट के लिए मछुआरों के लिए भी कोई चेतावनी नहीं है। 2 दिसंबर की सुबह से 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवा चलने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि इसकी शुरुआत शुक्रवार को ही हो जाएगी।

आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन में कहा कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर पर कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित हो गया है। मौसम एजेंसी ने कहा कि इसके पश्चिम-

उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर एक दबाव में तब्दील होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए यह धीरे-धीरे तीन दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों तक पहुंचेगा। 4 दिसंबर की सुबह के आसपास एक चक्रवाती तूफान के रूप में बदल जाएगा।

अंजू के लौटते ही पंजाब पुलिस और आईबी ने की लंबी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की रहने वाली अंजू 4 महीने बाद भारत लौट आई हैं। अंजू के लौटते ही अमृतसर में पंजाब पुलिस और आईबी ने लंबी पूछताछ की। अंजू ने उन्हें भारत लौटने का मकसद बताया। इसके बाद अंजू अमृतसर से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां से अपने पिता के घर ग्वालियर के लिए रवाना होंगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचते ही अंजू ने कहा कि मैं सभी सवालों के जवाब दूंगी। लेकिन अभी नहीं। लेकिन अंजू ने आईबी और पंजाब पुलिस को घर वापसी की वजह बता दी है। बताया कि वहां यहां अपने पहले पति अरविंद से तलाक लेंगी। फिर बच्चों को भी पाकिस्तान ले जाने की कोशिश करेंगी। फिलहाल अंजू दिल्ली में हैं। यहां से ग्वालियर के लिए रवाना होंगी। भारत पहुंचते ही अंजू ने मीडिया के सामने पाकिस्तान की जमकर तारीफ की। अंजू ने कहा कि वहां की मेहमाननवाजी बहुत अच्छी रही। भारत लौटकर भी काफी खुश हूं।

पंजाब पुलिस और आईबी में अंजू ने खुलासा किया कि वह 21 जुलाई 2023 को पाकिस्तान गई थीं। बताया कि वहां नसरुल्लाह से उन्होंने

निकाह कर लिया। लेकिन शादी से संबंधित कोई भी दस्तावेज अंजू पुलिस को दिखा नहीं सकी। इसके साथ अंजू ने पाकिस्तानी रक्षाकर्मियों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इंकार किया। अंत में उन्होंने कहा कि वह अपने भारतीय पति से तलाक लेने के बाद अपने बच्चों को पाक ले जाने की कोशिश करेंगी। उधर इस बारे में जब अंजू के पति अरविंद से बात करने की कोशिश की गई वहां अंजू का नाम सुनते ही भड़क गए। उन्होंने दो टूक कहा कि मुझे उसके बारे में कुछ नहीं पता। बता दें कि अंजू राजस्थान के भिवाड़ी में अपने पति अरविंद और दो बच्चों के साथ रहती थी। वह टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान घूमने गई थी, लेकिन बाद में पता चला कि वह खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले नसरुल्लाह से मिलने पहुंच गई है।

सपा पर बरसे सीएम योगी, गलत तथ्य पेश करने का लगाया आरोप, बोले- यूपी के प्रति लोगों की बदली धारणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि डबल इंजन सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के प्रति धारणा बदल गई है और आज लोग यूपी को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। मुख्यमंत्री ने यह बयान विधानसभा को संबोधित करते हुए दिया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार और पीएम मोदी के मार्गदर्शन में मैं एक आम आदमी और एक जनप्रतिनिधि के तौर पर यह कह सकता हूं कि राज्य के प्रति धारणा बदल गई है। आज लोग यूपी की ओर सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

सपा पर वार

सीएम योगी ने पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी (समाजवादी पार्टी) सरकार विधानसभा में गलत तथ्य पेश करती थी और लोग उनके कुकर्मों को नहीं भूले हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 4 बार सपा की सरकार रही। आज उत्तर प्रदेश के प्रति लोगों का नजरिया बदल गया है। ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा कि हमारा यूपी आगे बढ़ेगा, आर्थिक प्रगति करेगा तो विपक्षियों को भी खुश होना चाहिए।

योगी ने कहा कि 2016-17 में यूपी की जीएसडीपी करीब 13 लाख करोड़ रुपये थी। आज 2023-24 में ये करीब 24.5 लाख करोड़ रुपये है। राज्य का बजट बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि कुल में से देश की 16 फीसदी आबादी राज्य में रहती है। 2017 के बाद से औसत बजट दोगुना हो गया है। हम इस बजट के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

अखिलेश पर तंज

योगी आदित्यनाथ ने विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता देने में कोई भेदभाव नहीं करने का दावा करते हुए कहा कि उनकी सरकार द्वारा समय पर उठाए गए कदमों के कारण राज्य में डेंगू नियंत्रण में है। सदन में समाजवादी पार्टी (सपा) और विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें एमबीबीएस की डिग्री मिल गई है। यादव ने प्रदेश के अस्पतालों में उपचार के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी वजह से राज्य में अनेक लोगों की मौत हुई है।

खालिस्तानी पन्नू के चक्कर में भारत से पंगा नहीं लेगा अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तान का समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का मामला शांत नहीं हो रहा है। बात इतनी बिगड़ी कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में खटास की संभावना जताई जाने लगी। इस मामले में बीते रोज भारत की तरफ से भी बड़ी सधी हुई प्रतिक्रिया आई थी। जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने पन्नू की हत्या के मामले में रची गई साजिश में भारत सरकार का कहीं कोई जिक्र नहीं किया गया है। आज अमेरिका ने भी स्पष्ट कर दिया कि वो भारत से किसी भी सूरत में अपने संबंध खराब नहीं करेगा। मतलब साफ है कि एक खालिस्तानी पन्नू के लिए भारत के डेढ सौ करोड़ लोगों से अमेरिका पंगा नहीं लेगा। खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपों के बीच अमेरिका ने भारत के साथ मजबूत रिश्ते बरकार रखने पर जोर दिया है। हाल ही में वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि अमेरिका, भारत का रणनीतिक साझेदार बना रहेगा।

खास बात है कि अमेरिका ने एक भारतीय निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप लगाए थे। वाइट हाउस के अधिकारी जॉन किर्बी ने कहा, हम आरोपों और जांच को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। हम इस बात की खुशी है कि इस मामले की जांच में अपनी तरफ से प्रयास की घोषणा कर भारतीय भी (इसे गंभीरता से ले रहे हैं)। हमारा मत साफ है कि इन कथित आरोपों में शामिल व्यक्ति को हम उचित तरीके से जवाबदेह ठहराया जाए।

खबरों के अनुसार, अमेरिका में संघीय अभियोजकों ने एक भारतीय नागरिक पर एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की नाकाम साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया। दक्षिणी न्यूयॉर्क जिले के अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू जी. ऑलसेन ने कहा कि निखिल गुप्ता (52) के खिलाफ हत्या के लिए सुपारी देने का आरोप लगाया गया है, जिसमें अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि साथ ही गुप्ता पर सुपारी देकर हत्या की साजिश रचने का भी आरोप है जिसमें भी अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि गुप्ता ने न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले सिख अलगाववादी नेता की हत्या के लिए हत्यारे को एक लाख अमेरिकी डॉलर देने की बात स्वीकार कर ली थी। आरोपों के अनुसार, नौ जून 2023 या उसके आसपास गुप्ता ने हत्या के लिए सुपारी दी थी, जिसके अग्रिम भुगतान के रूप में उन्होंने न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में हत्यारे को 15 हजार अमेरिकी डॉलर नकद देने के लिए एक सहयोगी की भी व्यवस्था की थी।

आरोप हैं कि गुप्ता कथित तौर पर भारत सरकार के एक अधिकारी के साथ काम करता था। हालांकि, उस अधिकारी का नाम अब तक सामने नहीं आया है। इस पर भारत ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है और चिंता का विषय बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, जहां तक अमेरिकी कोर्ट में एक व्यक्ति के खिलाफ केस की बात है, जहां उसे कथित तौर पर भारतीय अधिकारी से जोड़ा गया है, यह चिंता की बात है। साथ ही उन्होंने इसे भारत

सरकार की नीतियों के विपरीत बताया है। इसके अलावा भारत आरोपों की जांच के लिए टीम भी गठित कर चुका है। मंत्रालय ने पहले बताया था कि जांच समिति से मिलने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कनाडा के मीडिया फर्मों को सालाना 612 करोड़ देगा गूगल

टोरंटो । गूगल कनाडा की मीडिया फर्मो को 612 करोड़ रूपया प्रतिवर्ष देगा। यह राशि मीडिया कंपनियों के कंटेंट को इस्तेमाल करने के लिए दी जाएगी।इस आशय का समझौता गूगल और कनाडा सरकार के बीच में हुआ है। गूगल अन्य देशों में इस तरीके की रॉयल्टी मीडिया फर्म को नहीं देता है। गूगल अपने आप को स्वतंत्र आउटलेट बनाकर सरकारी मीडिया और बहुभाषी मीडिया से समाचार संगठनों को कनाडा में 612 करोड रुपए का भुगतान करेगी। कनाडा सरकार के अनुसार प्रत्येक पात्र मीडिया फर्म को उनके यहां कार्यरत कर्मचारियों की संख्या के आधार पर इस राशि का वितरण किया जाएगा। संसदीय बजट रिपोर्ट में कहा गया है कि मीडिया कंपनियां नए फंड में 2000 करोड रुपए की मांग कर रही थी। लेकिन 670 करोड रुपए में अभी यह समझौता हुआ है।कनाडा ने जो रास्ता खोला है, दुनिया के अन्य देश भी धीरे-धीरे उसी रास्ते पर चलेंगे। क्योंकि गूगल कॉपीराइट के तहत जो भी उसके सर्वर में जाता है। उसे अपना कॉपीराइट मान लेता है। जबकि कंटेंट के निर्माण में उसका कोई योगदान नहीं होता है। गूगल एकाधिकार के बल पर अभी तक इस तरीके के कंटेंट लेकर कोई भी भुगतान नहीं करता था। कनाडा सरकार के कड़क रुख अख्तियार करने के बाद गूगल और मेटा को यह भुगतान करना पड़ रहा है।

आपूर्ति होने वाले तेल में कटौती जारी रखेगा सऊदी अरब

दुबई । सऊदी अरब विश्व को आपूर्ति होने वाले तेल में कटौती को आगे बढ़ाएगा। देश के ऊर्जा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। प्रमुख तेल उत्पादक देशों के ओपेक प्लस गठबंधन के सदस्यों द्वारा उत्पादन में की गई सिलसिलेवार कटौती के द्वारा कीमतों को बढ़ाने में विफल रहने के बाद सऊदी अरब ने यह कदम उठाया है। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रतिदिन 10 लाख बैरल की स्वैच्छिक कटौती अगले साल के पहले तीन महीनों तक जारी रहेगी।

अमेरिका में भारतीय छात्र से बर्बरता, 7 माह तक बंद रखकर पीवीसी पाइप से पीटा

वॉशिंगटन । अमेरिका के मिसौरी प्रांत में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक भारतीय छात्र के साथ बर्बरता हुई है। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान वेंकटेश (35), श्रवण वर्मा (27), और निखिल वर्मा (23) के रूप में हुई है। भारतीय छात्र को करीब सात महीने से भी अधिक समय तक बंधक बनाकर रखकर घर का काम करने के लिए मजबूर किया गया। इतना ही नहीं पीड़ित छात्र को आरोपित पीवीसी पाइप से मारते थे। रिपोर्ट के अनुसार, 20 वर्षीय पीड़ित को पास के रेस्तरां के कूड़ेदानों में कूड़ा-कचरा ढूंढने के लिए मजबूर किया गया और उस बिजली के तार, पीवीसी पाइप, छड़, लकड़ी के बोर्ड, लाठियों और वॉशिंग मशीन की पाइप से पीटा गया। तीन प्रतिवादियों पर अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले डिफेंस, डार्डेन प्रेयरी और ओ'फालोन में सत्तारू के स्वामित्व वाले तीन अलग-अलग घरों में पीड़िता को कैद करने और दुर्व्यवहार करने का आरोप है। जांचकर्ताओं ने सत्तारू की पहचान सरगना के रूप में की थी और वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ ओ'फालोन घर में रहता है। मामले में मुख्य संदिग्ध, 35 वर्षीय सत्तारू पर दासता के उद्देश्य से मानव तस्करी और दस्तावेज़ के दुरुपयोग के माध्यम से मानव तस्करी में योगदान देने का अतिरिक्त आरोप लगाया गया है।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की नाक में दम कर रही महिला आतंकी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने महिला आतंकियों के खिलाफ बड़ा कदम उठकर एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस ने 51 महिला आतंकियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। इन महिलाओं पर कई आतंकी हमले को अंजाम देने का आरोप है। खुफिया एजेंसी ने रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि 2014 से 30 नवंबर 2023 तक 51 महिलाएं आतंकवाद के मामले में सीधे तौर पर शामिल पाई गई हैं। कई आतंकी संगठनों से जुड़ी हैं ये महिला आतंकी। बता दें कि इसी साल सितंबर के महीने में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) आतंकवादी समूह से जुड़ी पांच महिला आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था।

न्यूजीलैंड सरकार धूम्रपान से प्रतिबंध हटाएगी और स्कूलों में मोबाइल को बैन करेगी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड सरकार ने धुम्रपान से प्रतिबंध हटाने का चौकाने वाला फैसला लिया है और दूसरी तरफ स्कूलों में मोबाइल को पूरी तरह बैन करने की भी तैयारी कर ली है। एक दिन पहले नई सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जेसिका अर्डन द्वारा पिछले वर्ष अनुमोदित तंबाकू प्रतिबंधों को निरस्त कर अचानक सुर्खियों में आ गई थी। नए प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सिगरेट पर आजीवन प्रतिबंध हटाने को लेकर 100 दिनों के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा जारी किया है। दरअसल, न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कार्यालय में अपने पहले 100 दिनों के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा जारी किया है। इसमें 49 कार्रवाइयों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रूढ़िवादी सरकार अगले तीन महीनों में इसे लागू कर सकती है। आलोचकों का कहना है कि यह योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक झटका और तंबाकू उद्योग के लिए एक जीत है। दो शिक्षा पहल को भी लागू करने की योजना है, जिसमें स्कूलों को हर दिन एक घंटा पढ़ना, लिखना और गणित पढ़ाना है। दूसरा सेलफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। कुछ मतदाताओं के बीच इस भावना को दर्शाता है कि स्कूल अपने प्राथमिक मिशन से भटक गए हैं। पहला नया कानून जो क्रिस्टोफर लक्सन पारित करने की योजना बना रहे है, वह पूरी तरह से मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने पर ध्यान केंद्रित करने के केंद्रीय बैंक के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर देगा। इससे कम मुद्रास्फीति और उच्च रोजगार पर रिजर्व बैंक का मौजूदा दोहरा फोकस बदल जाएगा। 6 साल से सत्ता में रही पिछली उदार सरकार की पहल को निरस्त करने के लिए 100-दिवसीय योजना की कई कार्रवाइयों को शामिल किया गया। नए प्रयासों में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को दोगुना करने की योजना भी शामिल है। कई योजनाएं विवादास्पद साबित हो रही हैं, जिनमें पिछली सरकार द्वारा पिछले वर्ष अनुमोदित तंबाकू प्रतिबंधों को निरस्त करना भी शामिल है। इनमें सिगरेट में निकोटीन का निम्न स्तर, कम खुदरा विक्रेता और युवाओं के लिए आजीवन प्रतिबंध लगाना भी शामिल हैं। लक्सन की सरकार ने कहा कि तंबाकू प्रतिबंधों को समाप्त करने से अधिक कर डॉलर आएंगे। हालांकि, लक्सन ने बुधवार को कहा कि यह पैसे के बदले स्वास्थ्य का व्यापार करने का मामला नहीं था। लक्सन ने कहा, हम यथास्थिति पर कायम हैं।

मस्क के निजी जेट को ट्रैक करने वाला छात्र फोर्ब्स की 30 अंडर 30 सूची में

सैन फ्रांसिस्को । एलन मस्क के निजी जेट को ट्रैक करने वाले कॉलेज छात्र जैक स्वीनी को फोर्ब्स की 30 अंडर 30 सूची में नामित किया गया है। इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा में पढ़ने वाली 21 वर्षीय स्वीनी को फोर्ब्स की उपभोक्ता प्रौद्योगिकी उद्यमियों की सूची में सूचीबद्ध किया गया था। फोर्ब्स की प्रोफ़ाइल में लिखा है ?कि जैक स्वीनी ने ऐसे बॉट बनाए हैं, जो मार्क क्यूबन, टेलर स्विफ्ट और विभिन्न रूसी कुलीन वर्गों सहित अमीर और प्रसिद्ध लोगों के निजी जेट को ट्रैक करते हैं और पत्रकारों, शोधकर्ताओं व शौकीनों को सोशल मीडिया पर विमानों को ट्रैक करने में मदद की है। स्वीनी के अनुसार यह स्वीकारोक्ति उन कई कारणों में से एक है, जिससे उन्हें खुशी है कि उन्होंने मस्क की इस मांग को नहीं माना कि वह अपने निजी जेट को ट्रैक करना बंद कर दें। स्वीनी ने कहा कि मैं आभारी हूं कि मुझे सूची में शामिल किया गया। इससे मुझे उन महान लोगों से मिलने का मौका, जो मुझे पसंद हैं। स्वीनी ने हाल के वर्षों में अमेरिकी गायक-गीतकार टेलर स्विफ्ट और मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रभावशाली लोगों के लिए उड़ान डेटा एकत्र और प्रकाशित किया है। वह मूल रूप से पिछले साल लोगों के ध्यान में तब आए, जब मस्क ने सोशल मीडिया पर अपनी उड़ान की जानकारी साझा करने से रोकने के लिए उन्हें 5,000 डॉलर की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और 50,000 डॉलर की मांग की। मस्क ने कहा कि वह इसके बारे में सोचेंगे, लेकिन उन्होंने भुगतान नहीं किया है। मस्क के कंपनी संभालने के बाद दिसंबर में स्वीनी के एक्स खातों को निलंबित कर दिया गया था। मस्क ने दावा किया कि खाता व्यक्तिगत सुरक्षा जोखिम था।

हमास और इजराइल के बीच बंधकों-कैदियों की अदला-बदली के समझौते के बीच रिहा किए गए बंधकों को ले जाने वाला एक हेलीकॉप्टर शुक्रवार को इजराइल के तेल अवीव के रामत गण में शीबा मेडिकल सेंटर पहुंचा।

भविष्य को गढ़ने में कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार हैं भारत और यूएई

दुबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'भारत को उम्मीद है कि संयुक्त अरब अमीरात की मेजबानी में आयोजित सीओपी 28 प्रभावी जलवायु कार्रवाई में नई गति लाएगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात हरित और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए साथ खड़े हैं। हम जलवायु कार्रवाई पर वैश्विक चर्चा को आगे बढ़ाने और उस पर अमल करने के अपने संयुक्त प्रयासों में दृढ़ हैं। विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे पीएम मोदी ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है जो एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की मांग करती है। पीएम मोदी ने कहा, 'यह पहचानना आवश्यक है कि विकासशील देशों ने समस्या के निर्माण में कोई योगदान नहीं दिया है। फिर भी विकासशील देश समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात हरित और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने में भागीदार के रूप में खड़े हैं। मेरा मानना है कि जलवायु कार्रवाई समानता, जलवायु न्याय, साझा दायित्व और साझा क्षमताओं पर आधारित होना चाहिए। इन सिद्धांतों का पालन कर हम एक स्थायी भविष्य की तरफ एक रास्ता बना सकते हैं, जो किसी को भी पीछे नहीं छोड़ता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'पिछले नौ वर्षों में, भारत ने उदाहरण के तौर पर प्रदर्शित किया है कि देश जलवायु परिवर्तन से निपटने में अपनी भूमिका निभाने में सबसे आगे है। प्रधान मंत्री ने कहा,सीओपी 26 में, मैंने वैश्विक जलवायु कार्रवाई में हमारे योगदान के रूप में 'पंचामृत'- भारत की पांच महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताएं प्रस्तुत कीं।' पीएम मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से, वैश्विक स्तर पर, जलवायु दृष्टिकोण उतना सकारात्मक नहीं है, और ऐसी चिंताएं हैं कि हम एक वैश्विक समुदाय के रूप में अपने 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पाएंगे।

विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे हुए हैं। यहां पीएम मोदी कई अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात के एक अखबार को इंटरव्यू दिया। इसमें पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत को उम्मीद है कि संयुक्त अरब अमीरात की मेजबानी में आयोजित सीओपी 28 प्रभावी जलवायु कार्रवाई में नई गति लाएगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात हरित और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए साथ खड़े हैं। हम जलवायु कार्रवाई पर वैश्विक चर्चा को आगे बढ़ाने और उसपर अमल करने के अपने संयुक्त प्रयासों में दृढ़ हैं।

ट्रम्प नेशनल गोल्फ क्लब की पूर्व कर्मचारी ने यौन उत्पीड़न का मुकदमा किया दायर

वाशिंगटन (एजेंसी)। न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में ट्रम्प नेशनल गोल्फ क्लब की एक पूर्व कर्मचारी ने मुकदमा दायर कर दावा किया है कि उसके प्रबंधक ने उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक निवर्तमान वकील ने एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ऐलिस बियान्को ने प्रतिष्ठान के खिलाफ दायर अपने मुकदमे में आरोप लगाया है कि उसे उसके बॉस पावेल मेलिचर ने पहनने के लिए 'बहुत छोटी वर्दी स्कर्ट' दी थी। बियान्को, जो उस समय 21 वर्ष की थी और एक सर्वर के रूप में काम करती थी, ने यह भी दावा किया कि मेलिचर, जो लगभग 50 वर्ष का था, ने उसे उपहारों से नहलाया और उसे 'संरक्षण' और नौकरी की सुरक्षा के बदले में यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। वकील ने दावा किया, जब बियान्को ने अग्रिमों को अस्वीकार कर दिया, तो मेलिचर ने उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे अनुचित कार्य असाइनमेंट दिए और अपने गुर्गों को उसके साथ दुर्व्यवहार करने और उसकी युक्तियां चुराने की अनुमति दी। हालांकि, मेलिचर को मुकदमे में प्रतिवादी के रूप में नामित नहीं किया गया है। बियांको ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें जल्द ही पता चला कि उनके एक सहकर्मी ने क्लब में 'विषाक्त और कामुक कार्य वातावरण' के बारे में ट्रम्प के निजी कर्मचारियों को एक पत्र लिखने की योजना बनाई थी। पत्र वितरित होने के तुरंत बाद, बियांको ने कहा कि जुलाई 2021 में वकील अलीना हब्बा ने उनसे संपर्क किया था, जो क्लब की सदस्य थीं, लेकिन उस समय कानूनी रूप से ट्रम्प का प्रतिनिधित्व नहीं करती थीं। मुकदमे के अनुसार, हब्बा ने बियांको को अपने आरोपों को सार्वजनिक न करने और इसके समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रोत्साहित किया। हब्बा ने कथित तौर पर कहा कि वह यह सुनिश्चित कर सकती है कि बियांको 'संरक्षित' रहे। बियान्को की वकील नैन्सी एरिका स्मिथ ने गुरुवार को सीएनएन को बताया, 'अलीना हब्बा ने मेरे मुवक्किल अली बियान्को को अनैतिक तरीके से चुप कराने का इस्तेमाल खुद को ट्रम्प के अंदरूनी घेरे में आगे बढ़ाने के लिए किया।'

गाजा युद्ध पर स्पेन के पीएम की टिप्पणी पर भड़का इजरायल, राजनयिक संबंध पर पड़ा असर

मैड्रिड (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अपने स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज की टिप्पणियों की आलोचना के बाद स्पेन और इजरायल के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में संघर्ष के बारे में स्पेनिश राज्य टीवी नेटवर्क आरटीवीई पर सांचेज ने गुरुवार को कहा कि हमास ने इजरायल में जो किया वह घृणित है।उन्होंने स्पेन द्वारा हमले की निंदा और अस्वीकृति पर जोर देते हुए कहा कि हमास को गाजा में अपने सभी बंधकों को बिना किसी शर्त के मुक्त करना होगा।

हालांकि, सांचेज ने यह भी कहा कि इजरायल को अपने कार्यों को अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून पर आधारित करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम जो तस्वीरें देख रहे हैं, और पीड़ितों की बढ़ती संख्या, जो मर रहे हैं, को देखते हुए मुझे इस बात को लेकर संदेह है कि वे (इजरायल) अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को पूरा कर रहे हैं।' स्पेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक समाधान की आवश्यकता है और समाधान फिलिस्तीनी राज्य है।

उन्होंने तर्क दिया कि इजरायल पहले से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त देश है और अमेरिका और यूरोपीय देशों को भी फिलिस्तीन को मान्यता देनी चाहिए। सांचेज के बयान के जवाब में, इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि स्पेनिश राजदूत को ÷फटकार के लिए÷ इजरायली विदेश मंत्रालय में बुलाया गया था, उन्होंने इस टिप्पणी को शर्मनाक बताया। एक सप्ताह में यह दूसरी बार है जब इजरायल में स्पेन के राजदूत को फटकार के लिए बुलाया गया है। पिछले हफ्ते, मिस्र और गाजा के बीच रफा सीमा चौकी का दौरा करते समय गाजा पर इजरायली हमले की आलोचना करने के बाद इजरायल ने सांचेज पर आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया, जिसके बाद स्पेन ने मैड्रिड में इजरायल के राजदूत को बताया कि आरोप विशेष रूप से गंभीर है।

आईडीएफ ने गाजा में शुरु की बमबारी, सीजफायर उल्लंघन के लगाए आरोप

-इजराइल-हमास जंग फिर शुरु

गाजा/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच करीब एक हफ्ते चले सीजफायर के बाद एक बार फिर गाजा में बमबारी शुरु कर जंग का ऐलान कर दिया गया है। दरअसल आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर उल्लंघन के आरोप लगाते हुए गाजा में बमबारी शुरू कर दी है।

हमास और इजराइल के बीच चले करीब एक हफ्ते की सीजफायर के बाद एक बार फिर जंग का बिगुल फूंक दिया गया है। इससे पहले आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप भी लगाया और देखते ही देखते गाजा पर बमबारी शुरु कर दी है। यही नहीं इजराइल ने अपने होलित इलाके में रॉकेट अलर्ट भी जारी किया है। आईडीएफ का कहना है कि गाजा में हमास को मिटाने वाला उनका ऑपरेशन एक बार फिर शुरू किया जा रहा है। गौरतलब है कि दुनिया के दबाव और बंधकों की अदला बदली को लेकर सीजफायर घोषित किया गया था। इस बीच अनेक बंधकों की अदला-बदली भी की गई। इससे समझा जा रहा था कि सीजफायर आगे बढ़ सकता है, लेकिन आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाया और गाजा में बमबारी करके युद्ध शुरु होने की घोषणा कर दी।

क्या कहते हैं रिहा बंधक

इजराइल और हमास के छोड़े गए बंधकों को लेकर अब रोजाना ही नई कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में हमास द्वारा रिहा बच्चों ने दावा किया कि उनके पैरों को जलाया गया, ताकि अलग पहचाने जा सकें। पैर जलाने के लिए मोटरसाइकिल साइलेंसर का इस्तेमाल किया गया। दरअसल बच्चों ने अपने परिजनों को बताया है कि उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठाया जाता था और फिर नके पैर गरम साइलेंसर पर रखवा दिये जाते थे, जिससे वो जल जाते थे। खबर के मुताबिक 12 साल के यागिल और 16 साल के याकोव ने हमास से रिहाई के बाद इस आशय की बातें परिवार से शेयर की हैं। हमास ने सीजफायर के अखिरी दिन 8 इजराइली बंधकों को रिहा किया, जिसके बदले में इजराइल ने 30 फिलिस्तीनी बंधकों को रिहा किया। अब सीजफायर आगे बढ़ेगा या नहीं संशय की स्थिति लगातार बनी हुई है।

बाइडन को शोक संदेश भेजकर शी जिनपिंग ने बढ़ाया दोस्ती का हाथ?

-क्या इस एक्शन से चीन ने चुपके से कूरेद दिया अमेरिका का पुराना घाव?

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन और अमेरिका के बीच का तनाव किसी से छुपा नहीं है। एक वक्त था जब दोनों एक दूसरे के गहरे दोस्त हुआ करते थे। चीन को आगे बढ़ाने में कहीं न कहीं अमेरिका का ही हाथ था। अमेरिका को लगा कि चीन और अमेरिका साथ मिलकर काम करेंगे लेकिन चीन व्यापार के मामले में अमेरिका से भी आगे निकल गया। आज दोनों देशों के बीच की जो वरचस्व की जो जंग है वह पूरी दुनिया देख रही है। कुछ लालच में की गयी अमेरिका की गलतियों ने ही चीन को आज इस मुकाम पर पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच हमेशा तनाव जैसी ही स्थिति रहती है। ऐसे में इस बार चीन के एक एक्शन से लग रहा है उसने अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है।

ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री और 1972 में चीन और अमेरिका के बीच तनाव कम करने में एक प्रमुख खिलाड़ी हेनरी किसिंजर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, किसिंजर का बुधवार को 100 साल की उम्र में कनेक्टिकट स्थित उनके घर पर निधन हो गया।

शी ने चीनी सरकार और लोगों की ओर से, साथ ही उनके नाम पर, किसिंजर के परिवार को अपनी गहरी सहानुभूति और संवेदना भेजीं। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, शी जिनपिंग ने अपने संदेश में कहा कि किसिंजर एक विश्व प्रसिद्ध रणनीतिकार और चीनी लोगों के पुराने और अच्छे दोस्त थे।

शी ने कहा, एक उत्कृष्ट रणनीतिक दृष्टि के साथ, किसिंजर ने चीन-अमेरिका संबंधों को सामान्य बनाने में ऐतिहासिक योगदान दिया, जिससे न केवल दोनों देशों को फायदा हुआ बल्कि दुनिया भी बदल गई। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, शी ने आगे कहा कि 'किसिंजर ने चीन-अमेरिका संबंधों के विकास को बढ़ावा देने और दोनों लोगों के बीच दोस्ती को बढ़ाने के लिए इसे अपना आजीवन लक्ष्य बना लिया था और उनका नाम हमेशा चीन-अमेरिका संबंधों के साथ जुड़ा रहेगा।'

1971 में किसिंजर की चीन की गुप्त यात्रा के बाद, अगले वर्ष तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की चीन की ऐतिहासिक यात्रा की नींव रखी गई और अंततः अमेरिका-चीन संबंधों का सामान्यीकरण भी उनके द्वारा संभव हुआ। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी में पैदा हुए शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने तब से चीन की 100 से अधिक यात्राएं की हैं, सबसे हालिया यात्रा जुलाई 2023 में हुई।

किसिंजर की मृत्यु की घोषणा उनकी परामर्श फर्म द्वारा एक बयान में की गई, जिसमें कारण का उल्लेख नहीं किया गया। द वाशिंगटन के अनुसार, एक विद्वान, राजनेता और सेलिब्रिटी राजनयिक किसिंजर ने अमेरिकी राष्ट्रपतियों - रिचर्ड एम निक्सन और गेराल्ड फोर्ड के प्रशासन के दौरान और उसके बाद एक सलाहकार और लेखक के रूप में अमेरिकी विदेश नीति पर अद्वितीय शक्ति रखी, जिन्होंने वैश्विक राजनीति और व्यापार को आकार देने वाली राय साझा की। रिपोर्ट पोस्ट करें. हेंज अल्फ्रेड किसिंजर का जन्म 27 मई, 1923 को जर्मनी के फर्थ में हुआ था। वह 12 वर्ष के थे जब नूर्नबर्ग कानूनों ने जर्मनी के यहूदियों से उनकी नागरिकता छीन ली थी। न्यूयॉर्क में एक रिश्तेदार द्वारा प्रायोजित, किसिंजर और उनका परिवार अगस्त 1938 में जर्मनी छोड़कर अमेरिका चले गए। अमेरिका जाने के बाद वह हेनरी बन गए। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, एक ही समय में व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और अमेरिकी विदेश मंत्री बनने वाले एकमात्र व्यक्ति के रूप में, उनका अमेरिकी विदेश नीति पर नियंत्रण था, जिसकी तुलना शायद ही किसी ऐसे व्यक्ति ने की हो जो राष्ट्रपति नहीं था।

50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है आईपीएल मीडिया अधिकारों की कीमत

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अध्यक्ष अरूण धूमल का मानना है कि अगर खेल प्रेमियों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए लीग में नयापन और सुधार होता रहे तो इसके मीडिया अधिकारों की कीमत अगले दो दशक में 50 अरब डॉलर (50 बिलियन) तक पहुंच सकती है। इस समय आईपीएल के पांच साल के लिए मीडिया अधिकारों की कीमत करीब 48000 करोड़ रूपये (6.2 बिलियन डॉलर) है।

इस तरह कीमत के हिसाब से नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के बाद आईपीएल दूसरे नंबर की लीग है। एनएफएल ने पिछले साल 11 वर्ष के लिए 110 बिलियन डॉलर की कीमत का करार किया है। धूमल ने यहां 'आरसीबी इनोवेशन लैब्स' के 'लीडर्स मीट इंडिया' कार्यक्रम में कहा, 'अगर मुझे देखना है कि यह पिछले 15 साल में कैसा रहा और आगे यह कैसा होगा तो हमें आईपीएल के मीडिया अधिकारों के करीब 2043 तक 50 बिलियन डॉलर (50 अरब डॉलर) के करीब पहुंचने की उम्मीद है।'

धूमल भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई(के कोषाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरूआत और क्रिकेट के 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किये जाने से भी वित्तीय लाभ की उम्मीद जतायी। धूमल ने कहा, 'हमें नयापन लाते रहने की जरूरत है, खेल प्रेमियों की भागीदारी के मामले में बेहतर करते रहने की जरूरत है और मैच के स्तर के मामले में इन्हें बेहतर करते रहने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'अब क्रिकेट ओलंपिक का भी हिस्सा बन रहा है और महिलाओं के क्रिकेट में डब्ल्यूपीएल भी इसे अलग स्तर पर ले जा रहा है तो मुझे काफी उम्मीदें हैं।% पिछले डेढ़ दशक में आईपीएल के मीडिया अधिकारों की कीमत काफी तेजी से बढ़ी है जो 2008 में 6000 करोड़ रूपए थी। इससे यह दुनिया भर की कई बड़ी खेल लीगों को पछाड़ती जा रही है। धूमल ने आईपीएल की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बात करते हुए कहा, 'आईपीएल दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रिकेट लीग है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि स्वतंत्रता के बाद देखें तो आईपीएल 'मेक इन ब्रांड' का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।'

दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग ने एबी डिविलियर्स को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की प्रीमियर टी20 क्रिकेट लीग एसएटी20 ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को दूसरे सत्र के लिये आधिकारिक ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। लीग का दूसरा सत्र 10 जनवरी से शुरू होगा जिसमें चार सप्ताह के भीतर 34 मैच खेले जाएंगे। इसमें छह वैश्विक टीमों के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग लेंगे।

डिविलियर्स लीग की प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि इसके प्रशंसकों का दायरा बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा, 'एसए टी20 से जुड़ना फख्र की बात है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट की इस अग्रणी लीग में वैश्विक क्रिकेट मानचित्र पर चमकने का माद्दा है।'

डिविलियर्स के जुड़ने के बारे में बेटवे एसए टी20 लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा, 'एबी की अपार क्रिकेट प्रतिभा और दमदार शख्सियत उन्हें इस लीग के लिए परफेक्ट बनाती है। उनके जुड़ने से लीग का दर्जा मैदान के भीतर और बाहर बढ़ेगा।'

पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की महिला टीम घोषित

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ अगले माह घरेलू मैदान पर होने वाली श्रृंखला के लिए महिला टीम की घोषणा कर दी है। इस श्रृंखला में तीन टी-20 और उसके बाद तीन एकदिवसीय मैच सफेद गेंद से खेलने और यह बांग्लादेश में अगले साल होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप से पहले अनुभव प्रदान करेगा। कप्तान सोफी डिवाइन एक बार फिर पूरी श्रृंखला में न्यूजीलैंड की टीम कप्तान होगी।

रिपोर्ट के अनुसार केर हालांकि तीन दिसंबर को डुनेडिन में श्रृंखला के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगी क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया की घरेलू डब्ल्यूबीबीएल प्रतियोगिता के फाइनल में भाग लेंगी। न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर को उम्मीद है कि यह श्रृंखला 2024 टी-20 विश्वकप की शुरुआत से पहले उनकी टीम को अपने कौशल को निखारने का अच्छा मौका है।

सॉयर ने कहा, 'हम द्विपक्षीय श्रृंखला में हाल के अच्छे फॉर्म के आधार पर टीम चाहते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अगले वर्ष बांग्लादेश में टी-20 विश्वकप को ध्यान में रखकर संयोजन विकसित करना जारी रखना है। उन्होंने कहा, एकदिवसीय परिप्रेक्ष्य के साथ ही साथ अपने गेम प्लान को विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि हम जितना संभव हो उतने विश्व चैम्पियनशिप अंक प्राप्त करें। उन्होंने कहा, 'उनके पास एक मजबूत स्पिन आक्रमण और एक खतरनाक शीर्ष क्रम है जो उनके विकेट को बहुत महत्व देता है, जिससे उन्हें गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है।

न्यूजीलैंड टीम - सोफी डिवाइन (कप्तान), केट एंडरसन, सुजी बेट्स, बर्नाडाइन बेजुइडेनहौट, एडेन कार्सन (केवल टी-20ई), इजी गेज (एकदिवसीय और पहला टी-20), मैडी ग्रीन, फ्रान जोनास, मेली केर, जेस केर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहूहू।

रहाणे और पुजारा के बिना द.अफ्रीका के खिलाफ उतारेगी टीम इंडिया

-श्रेयस अय्यर की टेस्ट टीम में वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में बीते साल टीम इंडिया ने टेस्ट सीरीज गंवा दी थी। इस बार ऐसा न हो इसकारण बीसीसीआई ने मजबूत टीम चुनी है। इसमें जहां श्रेयस अय्यर की टेस्ट टीम में वापसी हुई है वहीं, अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में न चुनकर सभी को चौका दिया है। रहाणे ने बीती जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेल थे।

टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका में तीन टी20ई और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलने हैं। इसके बाद 26 दिसंबर और 3 जनवरी को सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में दो टेस्ट खेलने हैं। चयनकर्ताओं ने टीम इंडिया का पूरा मेकओवर किया है। टेस्ट के लिए अनुभवी लोग भेजे हैं जिनका मकसद दक्षिण

अफ्रीका में भारतीय टीम को पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाना होगा।

2010 टेस्ट सीरीज के बाद ऐसा पहली बार होगा जब टेस्ट टीम बिना चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे के मैदान पर उतरेगी। इन्हें न चुने जाने पर टीम इंडिया के मध्यक्रम में बदलाव की पूरी संभावना है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कैरेबियन में हुए दो मुकाबलों में प्रभावित किया था, इसके बाद भारत द्वारा उन्हें बेंच पर नहीं बिठाएगा। वह रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग पर जोड़ी बना सकते हैं, जबकि शुभमन गिल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। विराट कोहली को नंबर 4 पर रखा गया है। नंबर 5 पर श्रेयस अय्यर, फिर ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा और विकेटकीपर इशान किशन शामिल हैं।

टेस्ट टीम से कुलदीप यादव को फिर नजरअंदाज कर दिया गया है। आर अश्विन और जडेजा के मिश्रण और सीमर्स के लिए अनुकूल परिस्थितियों के साथ, चयनकर्ताओं ने उसी के अनुसार टीम चुनी है। पेस यूनिट में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बाद पहली बार जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की तिकड़ी एक साथ आएगी।

शुभमन को कप्तानी मिलने पर डिविलियर्स ने खड़े किए सवाल

नई दिल्ली । आईपीएल के 17वें सीजन में गुजरात टाइटंस टीम की कप्तानी भारतीय क्रिकेट टीम के उदीयमान ओपनर शुभमन गिल करेंगे। वहीं गिल की नियुक्ति के साथ ही दिग्गज खिलाडी ने सवाल भी खडे कर दिए है। गिल को कप्तान बनाए जाने पर दिग्गज क्रिकेटर एबी डिविलियर्स खुश नहीं हैं। डिविलियर्स का कहना है कि गिल की जगह यदि इस सीनियर खिलाड़ी को कप्तान बनाया जाता तो अच्छा होता। गुजरात टाइटंस को आईपीएल में आए अभी 2 साल हुए हैं। दोनों साल टीम की कमान हार्दिक पंड्या ने संभाली थी। पंड्या ने कप्तानी में डेब्यू करते हुए पहले सीजन में ही गुजरात को चैंपियन बनाया था। हार्दिक पंड्या अब ट्रेड के तहत मुंबई इंडियंस लौट गए हैं जहां वह इससे पहले कई साल बिता चुके हैं। पंड्या के मुंबई जाने के बाद गुजरात टाइटंस में कप्तानी के कई विकल्प थे। गुजरात ने केन विलियम्सन और राशिद खान को आईपीएल के आगामी सीजन के लिए रीटेन किया है। लेकिन फ्रेंचाइजी ने टीम की कमान गिल के हाथों में सौंपी है। कई दिग्गजों का कहना है कि गिल को जल्दी कप्तान बनाया जाना फ्रेंचाइजी की ओर से अच्छा फैसला है लेकिन कई ऐसे भी हैं जिन्होंने इसपर सवाल उठाए हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का मनना है कि गिल को फ्रेंचाइजी ने जल्दी कप्तान बना दिया है और उन्हें इस युवा को कुछ और दिन तक बतौर खिलाड़ी खेलते रहना चाहिए था। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ' गिल यदि किसी और की कप्तानी में खेलते तो वह काफी कुछ उससे सीखते। जब केन विलियम्सन को रीटेन किया गया तो मुझे लगा कि यह बेहतरीन मौका है कि किसी अनुभवी खिलाड़ी को कप्तानी दी जाए। शुभमन गिल को इंडियन क्रिकेट टीम में तीनों फॉर्मेट में अपनी जगह पक्की करने का मौका मिलता और एक और आईपीएल सीजन में बेहतर करने का मौका होता।' शुभमन गिल ने आईपीएल 2023 में 890 रन बनाकर ऑरेंज कैप पर कब्जा किया था। इस साल वह इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बकौल डिविलियर्स, ' उन्होंने (गुजरात टाइटंस) ने उन्हें कप्तान बना दिया। मैं यह नहीं कह रहा कि यह गलत है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं यदि वह एक साल केन विलियम्सन की कप्तानी में खेलते तो उन्हें सीखने को काफी कुछ मिलता और उन्हें 2025 में टीम का कप्तान बना देते।' गिल पहली बार आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करेंगे। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान का बोझ वह झेल पाते हैं या नहीं। बता दें कि हार्दिक पंड्या की 'घर वापसी' के बाद गुजरात टाइटंस ने टीम इंडिया के 'प्रिंस' को अपना नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल के लिए आईपीएल का पिछला सीजन धमाकेदार रहा था। उन्होंने सर्वाधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने पास रखी थी।

हिटमैन रोहित ने बनाया ऐसा रिकॉर्ड उस तोड़ पाना दूर की कौड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, इस रिकॉर्ड तोड़ना दुनिया के किसी भी बैटर के लिए बेहद मुश्किल होगा। वर्ल्डकप 2023 के 11 मैचों में 54.27 के औसत से 597 रन बनाने वाले रोहित दुनिया के इकलौते एकमात्र बैटर हैं जिसने वनडे इंटरेनशनल में 10 कैलेंडर ईयर में 50 प्लस का बैटिंग औसत दर्ज किया है। वर्ष 2023 की बात करें, तब रोहित ने 27 वनडे में अब तक 52.29 के औसत से 1255 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक हैं। चूंकि अगले माह दिसंबर में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का नाम शामिल नहीं हैं, इसके बाद तय है कि रोहित 52.29 के वनडे औसत से साथ ही वर्ष 2023 का समापन कर सकते हैं।

रोहित की बात करें तब वे वर्ष 2011, 2013,2014, 2015, 2016, 2017,2018, 2019, 2020 और 2023 में वनडे इंटरनेशनल में 50 रन या इससे अधिक का औसत दर्ज कर चुके हैं। वर्ष 2007 में इंटरनेशनल डेब्?यू करने वाले रोहित शर्मा ने अब तक 262 वनडे मैच खेले हैं और 49.12 के औसत से 10709 रन बनाए हैं जिसमें 31 शतक हैं, इस दौरान 264 रन उनका सर्वोच्च स्?कोर रहा है। 292 वनडे में 58.67 के बेहतरीन औसत से 13848 और 463 वनडे में 44.83 के औसत से 18426 रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर भी इस मामले में 'हिटमैन रोहित शर्मा से पीछे हैं। विराट ने 9 कैलेंडर ईयर में 50 प्लस के औसत से जबकि सचिन ने 7 कैलेंडर ईयर में रन बनाए हैं। पाकिस्?तान के बाबर आजम ने छह कैलेंडर ईयर में 50 रन इससे अधिक का औसत दर्ज किया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स मेरे दिल के बहुत ही करीब : गौतम गंभीर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में मेंटर के रूप में अपनी वापसी के बाद, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौतम गंभीर ने कहा कि फ्रेंचाइजी उनके दिल के बहुत करीब है। गंभीर ने उम्मीद जाहिर की हैं कि वह आईपीएल के आगामी सीजन में फ्रेंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। गंभीर ने कहा कि वह दो बार के आईपीएल चैंपियन के साथ अपने पिछले कार्यकाल के दौरान बंगाल के लोगों से मिले प्यार का बदला चुकाना चाहते हैं। गंभीर ने कहा कि वहां वापस जा रहा हूं जहां ढेर सारी भावनाएं थीं, पसीना था, कड़ी मेहनत थी,वहां सारी यादें वापस आ रही हैं। यह एक नई शुरुआत है और उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। केकेआर मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि हमें इतना प्यार मिला है। गंभीर ने दो साल तक लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के मेंटर के रूप में काम किया, इस दौरान फ्रेंचाइजी दोनों सीजन में तीसरे स्थान पर रही। प्लेऑफ में अपनी जगह बनाने के बाद, वे क्रमशः 2022 और 2023 सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस से बाहर हो गए। गंभीर अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में लौट आए हैं, जिस टीम को उन्होंने 2012 में आईपीएल का गौरव दिलाया था। इससे पहले गंभीर 2011 से 2017 तक कोलकाता फ्रेंचाइजी से जुड़े रहे थे, जिसे केकेआर का स्वर्णिम काल माना जाता है। इस अवधि के दौरान टीम ने 2 बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जीता, 5 बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया और 2014 में चैंपियंस लीग टी20 के फाइनल में पहुंची।

महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में जर्मनी से हारी भारतीय टीम

सैंटियागो (एजेंसी)। दो गोल की बढत बनाने के बावजूद भारतीय टीम एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में पिछली उपविजेता जर्मनी से 3-4 से हार गई। भारत के लिए अन्नु (11वां मिनट), रोपनी कुमारी (14वां मिनट) और मुमताज खान (24वां मिनट) ने गोल किये जबकि जर्मनी के लिये सोफिया श्वाबे (17वां), लौरा प्लथ (21वां और 36वां) और कैरोलिन सेइडेल (38वां) ने गोल दागे। पहले मैच में कनाडा को 12.0 से हराने वाली भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बना लिया और जर्मनी की रक्षापंक्ति को खासा परेशान किया। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अन्नु ने गोल करके टीम को बढत दिलाई। इसके

तीन मिनट बाद रोपनी ने गोल करके पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त 2.0 की कर दी। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के लिए सोफिया ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल दागा। वहीं लौरा ने बराबरी का गोल किया। मुमताज ने हालांकि 24वें मिनट में गोल करके हाफटाइम तक भारत को फिर 3.2 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारत का जोर गेंद पर नियंत्रण बनाये रखने पर रहा जबकि जर्मनी ने बराबरी का गोल दाग दिया। लौरा ने 36वें मिनट में यह गोल किया। कैरोलिन ने 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने काफी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन गोल नहीं हो सका। भारतीय गोलकीपर माधुरी किंडो ने शानदार प्रदर्शन करके जर्मनी को एक और गोल करने से रोका। भारत को आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत का सामना अब शनिवार को बेल्जियम से होगा।

श्रेष्ठ प्रदर्शन कर फायनल में पहुंचे आठ भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली । आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 के छठे दिन आर्मेनिया के येरेवन में हुए क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद आठ जूनियर मुक्केबाजों ने पदक पक्के कर लिए। मीका स्पोर्ट्स एरेना में चल रहे टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, सात प्रतिस्पर्धी जूनियर लड़कियों में से छह मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। एशियाई जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप की दो स्वर्ण पदक विजेता परी (50 किग्रा) और निधि (66 किग्रा) ने क्रमशः रोमानिया की मुलर मिकाएला और चीनी ताइपे की काओ चुन ऐ के खिलाफ 5-0 की समान जीत के साथ अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीता।पायल (48 किग्रा) ने आयरलैंड की डोहर्टी लॉरेन पर 5-0 की आसान जीत दर्ज की, जबकि अमीषा (54 किग्रा) ने सर्वसम्मत निर्णय से जीत के लिए दक्षिण कोरिया की किम जिया को मात दी। एशियाई जूनियर रजत पदक विजेता नेहा लुन्थी (46 किग्रा) का बेलारूस की हिजौस्काया एनहेलिना ने परीक्षण किया, लेकिन नेहा 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत कर उभरीं।दूसरी ओर, प्राची (54 किग्रा) को कजाकिस्तान की सेइटखांकीज़कि पनार के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पहले राउंड में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और अपने प्रतिद्वंद्वी को परखने में उन्हें काफी समय लगा, लेकिन अंतिम दो राउंड में जोरदार वापसी करते हुए 3-2 से विभाजित फैसला सुरक्षित कर लिया। जॉयश्री देवी (60 किग्रा) हारने वाली अकेली भारतीय महिला रहीं, उन्हें रूस की लियोनोवा किरा के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।इस बीच, लड़कों के वर्ग में चार में से दो मुक्केबाज पदक दौर में आगे बढ़ने में सफल रहे।एशियाई जूनियर स्वर्ण पदक विजेता हार्दिक पंवार (80 किग्रा) और जतिन (54 किग्रा) अपने खेल में शीर्ष पर थे और वे क्रमशः दक्षिण कोरिया के पार्क डैमह्योन और जॉर्जिया के मुशकुडियानी डेविक पर सर्वसम्मत निर्णय से जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे जबकि ब्रिजेश टम्टा (46 किग्रा) और दिवाश कटारे (50 किग्रा) ऐसे दो मुक्केबाज थे जिन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।पांच जूनियर लड़के और लड़की मुक्केबाज गुरुवार देर रात अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेलेंगे।सेमीफाइनल 2 दिसंबर को होंगे और फाइनल 3 और 4 दिसंबर को खेले जाएंगे।

वोंग की आक्रामक बल्लेबाजी, इंग्लैंड ए ने दूसरे टी20 मैच में भारत ए महिला टीम को हराया

मुंबई (एजेंसी)। इस्सी वोंग की 15 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी के दम पर इंग्लैंड महिला ए ने दूसरे मुकाबले में शुक्रवार को यहां भारत महिला ए को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया। भारत महिला ए के नौ विकेट पर 149 रन के जवाब में इंग्लैंड की पारी 15वें ओवर में पांचवां विकेट गिरने से लड़खड़ा गई थी लेकिन वोंग ने इसके बाद पांच चौके और एक छक्का जड़ित नाबाद पारी खेलकर सात गेंद शेष रहते टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपने आखिरी 23 रन सिर्फ सात गेंदों में बनाए।

इंग्लैंड को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। वोंग ने काश्वी गौतम (34 रन पर एक विकेट) के खिलाफ दो चौके और एक छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला तीन दिसंबर को खेला जाएगा। वोंग की ताबड़तोड़ पारी से पहले ग्रेस स्क्रिवेन्स ने सर्वाधिक 39 रन बनाने के अलावा माइया बाउचर के साथ पहले विकेट के लिए 38 की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बाउचर ने 27 रन की आक्रामक पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें भारत की कप्तान मिन्नू मणि (29 रन पर दो विकेट) ने आउट कर दिया। श्रेयंका पाटिल (22 रन पर एक विकेट) ने इसके बाद शानदार लय में चल रही होली अमितेज (13) को बोल्ड किया। मिन्नू ने इसके बाद स्क्रिवेन्स की 34 गेंद की पारी को खत्म कर टीम को तीसरी सफलता दिलायी। जी दिव्या ने काश्वी की गेंद पर मैडी डिविलियर्स (चार) का शानदार कैच लपका तो वहीं जिन्तिमणि कलिता ने खतरनाक दिख रही फ्रेया कैंप (17) और श्रेयांका ने कप्तान चार्ली डीन (10) को शानदार थ्रो पर रन आउट किया। इन विकेटों का वोंग पर कोई असर नहीं पड़ा। इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज उमा छेत्री ने 14 गेंद में

चार चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए। वोंग ने उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इससे पहले माहिका गौर ने वृंदा दिनेश को शुरुआती ओवर में आउट किया। मणि ने तीन चौके लगाये लेकिन वह 13 गेंद में 14 रन ही बना सकी। पंजाब की कनिका आहूजा ने 14 गेंद में 27 जबकि अरुण गोयल की 26 गेंद में 26 रन की पारी से भारत ने सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।

चौथे वरीय सिद्धार्थ को हराकर आर्यन क्वार्टर फाइनल में

स्पोर्ट्स डेस्क। देश के शीर्ष जूनियर खिलाड़ी आर्यन शाह ने गुरुवार को यहां दूसरे दौर में चौथी वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत को उलटफेर का शिकार बनाकर आईटीएफ कलबुर्गी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वालीफाइंग दौर में अच्छा प्रदर्शन करके मुख्य ड्रा में जगह बनाने वाले 18 वर्षीय आर्यन ने हार के कगार पर पहुंचने के बाद वापसी करके रावत को 4-6, 7-6 (4), 7-6 (3) से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ियों में आर्यन के अलावा पांचवीं वरीयता प्राप्त रामकुमार रामनाथन, छठी वरीयता प्राप्त ऋषभ अग्रवाल और मनीष सुरेशकुमार ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में जापान के दूसरे वरीय मात्सुदा रयुकी, उनके हमवतन रयोतारो तागुची और सीता वतनबे तथा ऑस्ट्रिया के सातवें वरीय डेविड पिचलर शामिल हैं।

भारत की पेस तिकड़ी साथ नहीं आएगी नजर, सफेद गेंद के खेल में शमी को मौका नहीं

मुंबई (एजेंसी)। साल 2023 के आखिर में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर रहेगी। जिसके लिए बीसीसीआई ने तीनों फॉर्मेट के लिए टीम की घोषमा की है। वहीं ये सीरीज भारत के लिए बेहद अहम होने वाली है। ऐसे में वर्ल्ड कप 2023 के बाद आगामी व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और शमी की तिकड़ी को विशेष प्रबंध के कारण छोटे प्रारूपों से ब्रेक दिया गया है।

प्रोटियाज के खिलाफ बीसीसीआई ने तीनों फॉर्मेट में एक साथ अपनी बेस्ट टीम को बिल्कुल नहीं उतारा है। सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में सिर्फ मोहम्मद सिराज को जगह दी गई है।

बीसीसीआई ने बयान जारी करते हुए शमी को लेकर कहा है कि, शमी वर्तमान में चिकित्सा इलाज से गुजर रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है। पेस तिकड़ी को छोटे प्रारूपों में पूरी तरह से इस्तेमाल करने पर बीसीसीआई कतई जोर नहीं दे रहा है।

आईसीसी वर्ल्ड कप में भारतीय पेस अटैक का प्रदर्शन कमाल का रहा है। इसके बाद आगामी टी20 वर्ल्ड कप के मद्देनजर भारतीय टीम अपने तेज गेंदबाजों पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डालना चाहता है। एक दिवसीय मैचों में बारत के लिए नया गेंदबाजी लाइन-अप होगा। मुख्य पेस तिकड़ी को सिर्फ टेस्ट में ही शामिल किया गया है। जबकि लाल गेंद में भी शमी का शामिल होना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

टेस्ट में पेस तिकड़ी का इस्तेमाल करना भारतीय टीम के लिए जरूरी भी है, क्योंकि इसमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए किसी तरह के इस्तेमाल की गुंजाइश नहीं है। फिलहाल, भारतीय टीम वनडे पर ज्यादा ध्यान नहीं देगी, वनडे वर्ल्ड कप जा चुका है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत का स्क्वॉड

टेस्ट के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, केएल राहुल, रविचंद्रन अश्वि, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा।

3 टी20 मैचों के लिए भारत की टीम- यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार

यादव, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, जितेश शर्मा, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर।

3 वनडे के लिए भारत की टीम- रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप ससिंह, दीपक चाहर।

शाहरुख के साथ काम करना किसी सपने कम नहीं

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सैम बहादुर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। इसके अलावा जल्द ही वह राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी में भी नजर आएंगे। शाहरुख खान स्टारर डंकी को लेकर विक्की काफी उत्सुक हैं। इस फिल्म में वह पहली बार शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। विक्की ने शाहरुख की तारीफ करते हुए कहा कि उनके जैसा कोई नहीं है। विक्की कौशल ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि शाहरुख खान के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है। शाहरुख की प्रशंसा करते हुए सैम बहादुर अभिनेता ने कहा, यह एक सपने के सच होने जैसा है। उनको मिलना ही सपना सच होने जैसा है, उनके साथ काम करना तो सोचो कितना बड़ा सपना सच होने जैसा है।

शाहरुख की तारीफ में बोले विक्की

अभिनेता ने आगे कहा, तो मैं बहुत ज्यादा डिटेल में बात नहीं कर सकता उनके बारे में क्योंकि इसकी एक अलग प्रक्रिया है। मगर, इतना मैं जरूर बोल सकता हूं कि उनके साथ काम करके मुझे पता लगा कि वह बादशाह क्यों हैं। बता दें कि डंकी में शाहरुख खान, तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

इस दिन रिलीज होगी डंकी

राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित और जियो स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स द्वारा बनी यह फिल्म 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म के अलावा विक्की कौशल मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी फिल्म सैम बहादुर में नजर आएंगे। विक्की के अलावा इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख अहम भूमिका में नजर आएंगी।

विक्की कौशल जल्द ही वह राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी में भी नजर आएंगे। शाहरुख खान स्टारर डंकी को लेकर विक्की काफी उत्सुक हैं। इस फिल्म में वह पहली बार शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। विक्की ने शाहरुख की तारीफ करते हुए कहा कि उनके जैसा कोई नहीं है।

कड़क सिंह में पंकज त्रिपाठी के अपोजिट नजर आएंगी बांग्लादेशी अभिनेत्री जया अहसान

अभिनेता पंकज त्रिपाठी जल्द ही फिल्म कड़क सिंह में नजर आएंगे। अनिरुद्ध रॉय चौधरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म के जरिए एक बांग्लादेशी अभिनेत्री बॉलीवुड में दस्तक देने जा रही है। अभिनेत्री का नाम है जया अहसान। फिल्म में वे पंकज त्रिपाठी के अपोजिट नजर आएंगी। बता दें कि जया अहसान बांग्ला सिनेमा का चर्चित चेहरा हैं और शानदार अभिनय के लिए कई अवॉर्ड उन्हें मिल चुके हैं। जया ने बतौर मॉडल अपनी अभिनय यात्रा शुरू की। वे अब तक 110 से अधिक बांग्लादेशी और भारतीय बंगाली फिल्मों, टीवी शो, टेलीफिल्म्स और वेब शो में काम कर चुकी हैं। बता दें कि हाल ही में कड़क सिंह फिल्म को आईएफएफआई में प्रदर्शित किया गया, जहां फिल्म को दर्शकों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इसे लेकर जया ने कहा, यह एक खास पल था, एक ऐसा पल, जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। जया का कहना है, अपने काम के बूते मुझे 32 से ज्यादा अवॉर्ड्स मिल चुके हैं। लेकिन, इफ्फी का अनुभव मेरे लिए मील का पत्थर है। अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और खुश हूं। ये मेरी पहली हिंदी भाषी फिल्म है, और जैसा कि अक्सर कहा जाता है कि हजारों मील की यात्रा भी पहले एक कदम से शुरू की जाती है। कड़क सिंह मेरा वही पहला कदम है। यह फीलिंग बहुत शानदार है। हिंदी सिनेमा में डेब्यू के जरिए अब जया अहसन हिंदी पट्टी के दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं।

मृणाल के साथ काम करने पर बोले अंगद

अंगद बेदी हाय पापा फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह अभिनेता की साउथ डेब्यू फिल्म है, जिसका दर्शकों को भी बेसब्री से इंतजार है। अपनी पहली तेलुगु फिल्म में अंगद बेदी साउथ सुपरस्टार नानी के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म हिंदी में तेलुगु में हाय नन्ना और हिंदी में हाय पापा के नाम से रिलीज होने वाली है। अपना उत्साह साझा करते हुए अंगद बेदी ने कहा, फिल्म हाय पापा का हिस्सा बनना एक रोमांचक यात्रा है। यह रोमांच इसलिए भी और बढ़ गया है, क्योंकि यह तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में मेरे प्रवेश का प्रतीक है। नानी जैसे बहुमुखी अभिनेता के साथ सहयोग करना एक शानदार अनुभव था। नानी बेहद विनम्र और बहुत पसंदीदा नाम हैं और यह मेरे लिए एक रोमांचक सहयोग है। अंगद बेदी इस फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ भी स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले वे लस्ट स्टोरीज में मृणाल के साथ काम कर चुके हैं। मृणाल के साथ फिर से काम करने को लेकर भी अभिनेता ने खुशी साझा की। अंगद ने कहा, मृणाल के साथ दूसरी बार टीम बनाने से परियोजना में एक विशेष स्पर्श जुड़ गया है।

विजय सेतुपति ने लिया बड़ा फैसला

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म जवान में विजय सेतुपति का किरदार किसे याद नहीं। सिनेमाघर या फिर ओटीटी, जहां भी दर्शकों ने यह फिल्म देखी, उन्हें विजय सेतुपति का रोल अच्छी तरह याद होगा। फिल्म में विजय खूंखार विलेन का किरदार निभाते नजर आए थे। विजय सेतुपति का कहना है कि वह अब से एंटी हीरो का किरदार नहीं करेंगे। एक्टर ने बताया कि उन्होंने अपने अभी तक के करियर में कई बार सिर्फ इसलिए विलेन का रोल किया है क्योंकि खुद फिल्म के हीरो ने उन्हें अप्रोच किया था।

विलेन का रोल करने में होती हैं पाबंदियां

विजय सेतुपति ने बताया कि अब वह और ज्यादा विलेन वाले रोल नहीं करना चाहते हैं क्योंकि मेकर्स उन पर बहुत ज्यादा इमोशनल प्रेशर बनाने लगे हैं। उन्होंने बताया कि विलेन का रोल करने में बहुत सी पाबंदियां होती हैं जैसे आपको थोड़ा कम टैलेंट दिखाना होता है ताकि कहीं विलेन का किरदार हीरो पर भारी ना दिखने लगे।

एडिटिंग में काट दिए जाते हैं विलेन के सीन

विजय सेतुपति ने कहा कि कई बार एडिटिंग टेबल पर आने के बाद विलेन के सीन काट दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इन सारी वजहों के चलते उन्होंने तय किया है कि वह अब विलेन के रोल नहीं करेंगे। कम से कम अगले कुछ सालों तक तो नहीं। मालूम हो कि विजय सेतुपति अभी तक कई फिल्मों में निगेटिव रोल प्ले कर चुके हैं।

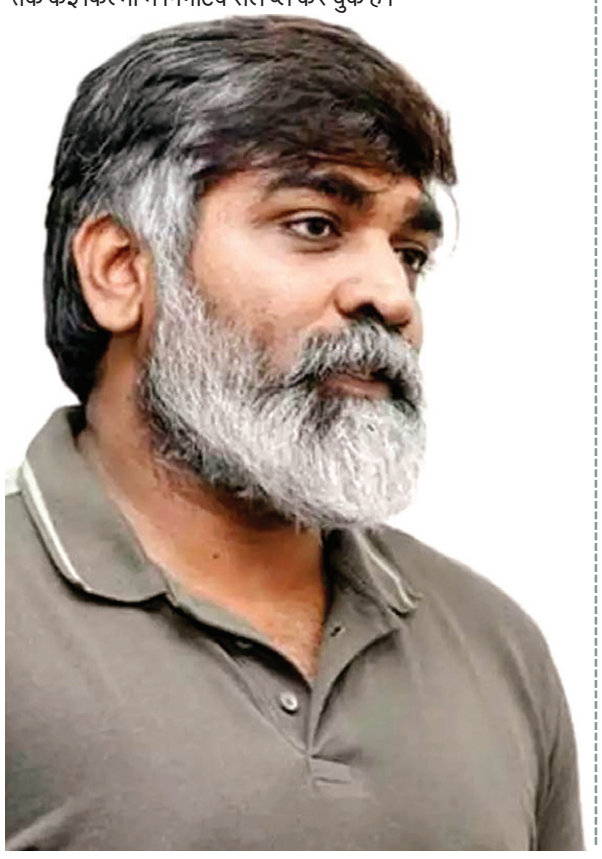

आगामी फिल्म फैमिली स्टार में फिर बनेगी रश्मिका- विजय की जोड़ी?

रश्मिका मंदाना इन दिनों रणबीर कपूर के साथ अपनी आने वाली फिल्म एनिमल को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। जहां एक तरफ अभिनेत्री लगातार संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रचार करने के लिए अलग-अलग इवेंट में शामिल हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ वह अपने अगले प्रोजेक्ट्स की भी तैयारी में लगी हुई हैं। इन सबके बीच अब उनको लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। खास बात यह है कि यह खबर उनके कथित बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा से भी जुड़ी है।

कुछ रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि रश्मिका को विजय की अगली फिल्म फैमिली स्टार में कास्ट किया गया है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म के बाद कथित कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को आगामी फिल्म फैमिली स्टार में साथ काम करते देखा जा सकता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म में रश्मिका अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसको लेकर कोई भी आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। खबरों के मुताबिक फैमिली स्टार की शूटिंग फिलहाल दिल्ली में चल रही है। फिल्म का निर्देशन परसुराम ने किया है। यह फिल्म सुपरहिट फिल्म गीता गोविंदम के बाद अभिनेता और निर्देशक की दूसरी फिल्म है। फैमिली स्टार का निर्माण दिल राजू और सिरीश द्वारा श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में विजय देवरकोंडा, मृणाल ठाकुर और दिव्यांशा कौशिक मुख्य भूमिकाओं में हैं। फैमिली स्टार की रिलीज की बात करें तो फिल्म को पहले संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी, 2024 रिलीज किया जाने वाला था, लेकिन बाद में इसे फरवरी 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। रिपोर्ट्स की मानें तो इसे तेलुगु और तमिल में रिलीज किया जाएगा।

लाइफ पार्टनर नहीं मिला तो कोई बात नहीं, अपनी जिंदगी में बहुत खुश हूं

श्रीति झा टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। साल 2014-2021 के बीच श्रीति ने शब्बीर अहलूवालिया के साथ कुमकुम भाग्य किया था, जिसके बाद वे किसी सीरियल में नजर नहीं आई थीं। अब लंबे ब्रेक के बाद श्रीति शो कैसे मुझे तुम मिल गए से सीरियल की दुनिया में वापसी कर रही हैं। इस सीरियल की कहानी भी प्यार और शादी के इर्द-गिर्द घूमती है। अब मुझसे कोई शादी का सवाल नहीं पूछता

हाल ही में खास बातचीत के दौरान, श्रीति ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बातचीत की। इस दौरान, उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने लिए पार्टनर की तलाश करना छोड़ दिया है। श्रीति ने कहा, मेरी लाइफ में अब मुझसे कोई शादी का सवाल नहीं पूछता, शायद बहुत देर हो चुकी है। शादी का कोई सही समय नहीं होता देखिए, मेरा यही मानना है कि शादी के लिए आपको एक सही पार्टनर होना बहुत जरूरी है, शादी का कोई सही समय नहीं होता। अगर सही पार्टनर जल्दी मिल जाए तो जल्दी शादी कर लो, वरना....ठीक है। ये आपकी ज़िंदगी का सवाल है, अब 100 साल पुराने रीती-रिवाजों को आगे भी चलाना जरूरी नहीं।

फिलहाल अपनी जिंदगी में बहुत खुश हूं

क्या श्रीति शादी में विश्वास रखती हैं? इस पर वे कहती हैं, देखिए, मैं शादी को बहुत मानती हूं, मैं खुद शादी करना चाहती हूं, फैमिली बनाना चाहती हूं लेकिन तब जब मुझे कोई स्ट्रांग पार्टनरशिप के सही इंसान मिलेगा। वैसे, नहीं मिला तो भी कोई बात नहीं। मैं फिलहाल अपनी जिंदगी में बहुत खुश हूं।

पार्टनर की तलाश नहीं

तो किस तरह के पार्टनर की तलाश में हैं श्रीति? नहीं, अब कोई तलाश नहीं। अब ऐसा है कि जो भी मेरी राह में आ गया तो मजा आ जाए। तलाश नहीं करना चाहती बल्कि अब आराम और सुकून भरी जिंदगी जीना चाहती हूं।

अरिजीत मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं

शो कैसे मुझे तुम मिल गए में श्रीति के अपोजिट टीवी एक्टर अरिजीत तनेजा नजर आएंगे। रियल लाइफ में भी श्रीति और अरिजीत एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छा केमिस्ट्री शेयर करते हैं। अरिजीत से अपनी दोस्ती के बारे में श्रीति कहती हैं, जब मुझे पता चला कि मेरे साथ इस शो में अरिजीत तनेजा हैं तो मेरी खुशी दोगुनी हो गई। वो मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। वैसे रियल और रील लाइफ में हम दोनों ही एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। लेकिन इसके बावजूद, हम एक दूसरे को सपोर्ट करते हैं, एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करते रहते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि ऑन-स्क्रीन हमारी केमिस्ट्री अच्छे से निखर कर आएगी।

रणवीर ने डार्क कहकर ठुकराई थी फिल्म कबीर सिंह

जब डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म कबीर सिंह में शाहिद कपूर को कास्ट करने का मन बना लिया था, तब उनके इस कास्टिंग पर कई लोगों ने सवाल उठाए थे। दरअसल, तब तक शाहिद की किसी भी सोलो फिल्म ने 100 करोड़ का कलेक्शन नहीं किया था। हालांकि इससे पहले उन्होंने रणवीर सिंह को इस फिल्म के लिए अप्रोच किया था लेकिन रणवीर ने फिल्म को डार्क कहकर इसमें काम करने से मना कर दिया था।

डायरेक्टर संदीप ने अब कर सिर्फ तीन फिल्में अर्जुन रेड्डी, कबीर सिंह और एनिमल डायरेक्ट की हैं। उनकी पहली दोनों फिल्में हिट रही हैं। उम्मीद है कि 1 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म एनिमल भी हिट साबित हो सकती है। डायरेक्टर संदीप ने अब कर सिर्फ तीन फिल्में अर्जुन रेड्डी, कबीर सिंह और एनिमल डायरेक्ट की हैं। उनकी पहली दोनों फिल्में हिट रही हैं। उम्मीद है कि 1 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म एनिमल भी हिट साबित हो सकती है।

महेश बाबू के साथ अपने करियर की दूसरी फिल्म बनाने चाहते थे

इंटरव्यू में संदीप ने बताया कि करियर की पहली फिल्म अर्जुन रेड्डी के ब्लॉकबस्टर हो जाने के बाद उन्होंने महेश बाबू के साथ दूसरी फिल्म बनाने का फैसला किया था। मगर उसी वक्त महेश बाबू ने दूसरा कोई प्रोजेक्ट साइन कर लिया था। इसके बाद संदीप ने अर्जुन रेड्डी की हिंदी रीमेक कबीर सिंह बनाने का फैसला किया था। उस वक्त उन्हें बॉलीवुड से कई ऑफर मिल भी रहे थे।

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहते थे संदीप

हालांकि हिंदी रीमेक बनाना उनके लिए आसान साबित नहीं हुआ। ये टास्क उनके लिए मुश्किल भरा रहा। उन्होंने कहा- मुझे रीमेक बनाने के लिए लगातार मुंबई से कॉल आ रहे थे। सबसे पहले इस फिल्म का ऑफर रणवीर सिंह को दिया गया था। मैं उनके साथ काम करना चाहता था। हालांकि बाद में उन्होंने फिल्म की थीम को डार्क बताकर साथ काम करने से मना कर दिया था।

शाहिद की कास्टिंग पर लोगों ने उठाए थे सवाल

संदीप को डर था कि ओरिजिनल फिल्म के हिट जाने के बाद रीमेक बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाएगी, तो ये उनके लिए शर्म की बात होगी। उन्होंने इस बारे में कहा- इंडस्ट्री के सभी प्रोड्यूसर, डिस्ट्रीब्यूटर्स और डायरेक्टर ने अर्जुन रेड्डी देखी थी। रणवीर के बाद शाहिद को फिल्म के लिए अप्रोच किया गया था। मगर सभी इस कास्टिंग के खिलाफ थे।